THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

सीवी आनंद बोस की तबीयत बिगड़ी

सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस की तबीयत बिगड़ गई है। सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें कोलकाता के कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना। मुलाकात के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि मैं राज्यपाल से मिलने गई थी। उनकी तबीयत ठीक नहीं है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वर्ष-30 अंक : 25 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.9 2082 मंगलवार, 22 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट बोला- अवमानना याचिका के लिए हमारी जरूरत नहीं

अटॉर्नी जनरल से मंजूरी लीजिए, भाजपा सांसद ने कोर्ट और सीजेआई पर टिप्पणी की थी

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर अवमानना की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- याचिका दायर करने के लिए कोर्ट की मंजूरी की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके लिए अटॉर्नी जनरल से इजाजत लेनी होगी।

याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा था कि निशिकांत ने सीजेआई और न्यायपालिका का अपमान किया है। क्या वह निशिकांत के खिलाफ अवमानना की याचिका दायर कर सकता है। इसके बाद एडवोकेट अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल को चिट्ठी लिखकर दुबे के खिलाफ अवमानना की इजाजत मांगी।

दरअसल, भाजपा सांसद दुबे ने 19 अप्रैल को कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाने हैं तो संसद और विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सीजेआई पर भी विवादित टिप्पणी की थी। देश में गृह युद्ध के लिए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं।

'हम आज जो निर्णय ले रहे हैं, वो एक हजार साल का भविष्य तय करने वाले हैं' : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने 'लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए जिलों का समग्र विकास' और 'लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से चुनिंदा नवाचार' पर ई-कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

उन्होंने कहा कि इस बार का सिविल सेवा दिवस कई वजहों से बहुत विशेष है। इस साल हम अपने संविधान का 75वां वर्ष मना रहे हैं और ये सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के भी साल है। 21 अप्रैल, 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने आप सभी को 'स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया' कहा था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की ब्यूरोक्रेसी की नई मर्यादाएं तय की थी। एक ऐसा सिविल सर्वेंट जो राष्ट्र की सेवा को अपना सर्वोत्तम कर्तव्य माने, जो लोकतांत्रिक तरीके से प्रशासन चलाए, जो ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण से भरा हुआ हो।

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले मैंने लाल किले से कहा था कि आज के भारत को आने वाले 1 हजार साल की नींव को मजबूत करना है। एक हिसाब से देखें तो 1 हजार साल की सहस्त्राब्दी में पहले 25 साल बीत गए हैं। ये नई शताब्दी का 25वां साल है और नई सहस्त्राब्दी का भी 25वां साल है। हम आज जिन नीतियों पर काम कर रहे हैं, जो निर्णय ले रहे हैं, वो 1 हजार साल का भविष्य तय करने वाले हैं।

उन्होंने कहा, विकसित भारत के हमारे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी विकास रथ के हर चक्र को मिलकर चलना है। दृढ़ प्रतिज्ञ होकर हर क्षण, हर दिन इस लक्ष्य के लिए काम करना है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जीना है, जिंदगी खपानी है।

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के बाद से देश में व्यवस्था परिवर्तन का एक बहुत बड़ा महायज्ञ शुरू हुआ है। हम इस तेज रफ्तार के साथ खुद को तेजी से ढाल रहे हैं। आज भारत की आकांक्षी समाज... भारत के युवा... भारत के किसान... भारत की महिलाएं... उनके सपनों की उड़ान आज जिस ऊंचाई पर है... वो अभूतपूर्व है। इन अभूतपूर्व आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अभूतपूर्व गति आवश्यक है।

उन्होंने कहा, मुझे खुशी है की इस बार सिविल सेवा दिवस की थीम भारत का समग्र विकास रखी गई है। भारत का समग्र विकास यानी कोई गांव पीछे न छूटे। कोई परिवार पीछे न छूटे। कोई नागरिक पीछे न छूटे। असल प्रगति का मतलब छोटे बदलाव नहीं होता... बल्कि पूर्ण पैमाने पर प्रभाव होता है। हर घर में साफ पानी, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर उद्यमी को वित्तीय पहुंच और हर गांव को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ। यही है- समग्र विकास।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि शासन में गुणवत्ता सिर्फ योजनाएं लॉन्च करने से नहीं आती, बल्कि शासन में गुणवत्ता से इससे तय होती है कि वो योजना कितनी गहराई तक जनता के बीच पहुंची और उसका कितना वास्तविक प्रभाव हुआ। पिछले 10-11 साल की देश की जो सफलताएं रही हैं, उन्होंने विकसित भारत की नींव को बहुत मजबूत किया है। आज देश इस मजबूत नींव पर विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण शुरू कर रहा है। लेकिन निर्माण की इस प्रक्रिया में हमारे सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत अब दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। ऐसे में बेसिक सुविधाओं की परिपूर्णता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपको अंतिम छोर डिलीवरी पर हमेशा बहुत ज्यादा फोकस करते रहना है। समय के साथ देशवासियों की जरूरत और आकांक्षाएं तेजी से बदल रही हैं।

उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते समय में हमें वैश्विक चुनौतियों पर भी गहरी नजर रखनी है। आप देख रहे हैं कि खाना, पानी और ऊर्जा सुरक्षा अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए ये बहुत बड़ा संकट है।

नक्सलवाद को खत्म करने की मुहिम निरंतर जारी रहेगी

गृह मंत्री अमित शाह ने किया बड़ा एलान

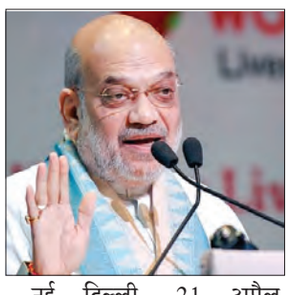

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में सुरक्षा बलों की तरफ से आठ नक्सलियों को मार गिराने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नक्सलवाद को खत्म करने के लिए उनकी सरकार की प्रतिबद्धता बरकरार है। बता दें कि, झारखंड के बोकारो जिले में सीआरपीएफ और पुलिस के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए, जिनमें एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली भी शामिल है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है।

आज सुरक्षा बलों को नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली। झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में मुठभेड़ में आठ माओवादियों को ढेर कर दिया गया, जिसमें एक शीर्ष स्तर का नक्सली नेता विवेक, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम था, और दो अन्य कुख्यात नक्सली शामिल हैं। अभियान जारी है। हमारे सुरक्षा बलों की सराहना करें।

सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाया, जिसमें आठ नक्सली मारे गए और एक एके सीरीज राइफल, तीन इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), आठ देशी बंदूकें और एक पिस्तौल जब्त की गई।

मुर्शिदाबाद हिंसा, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा क्या राष्ट्रपति को आदेश दें

केंद्रीय बलों की तैनाती से इनकार किया, वकील के दावों पर भी सवाल उठाए

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले।

इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें? हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं। जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा था कि कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। वहीं, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले थे कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकते। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं।

दूसरी ओर, जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में मुर्शिदाबाद हिंसा से जुड़ी दूसरी याचिका पर सुनवाई हुई। इसमें वकील ने मुर्शिदाबाद हिंसा के चलते लोगों के पलायन की बात कही।

सुप्रीम कोर्ट ने वकील से सवाल किया कि आपकी इस सूचना का सूत्र क्या है, क्या आपने खुद जांच की थी।

लखनऊ हाईकोर्ट ने कहा राहुल ब्रिटिश हैं या नहीं 10 दिन में रिपोर्ट दीजिए

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा- राहुल गांधी ब्रिटिश नागरिक हैं या नहीं, इस पर 10 दिन में जवाब दें। भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने एक स्टेटस रिपोर्ट पेश की।

कोर्ट ने इसे अपर्याप्त माना और सरकार को और स्पष्ट जवाब देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है और इसमें देरी स्वीकार्य नहीं होगी।

केंद्र सरकार ने इसका जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) सूर्यभान पांडेय ने बताया, राहुल की तरफ से कोई वकील कोर्ट में पेश नहीं हुआ। हाईकोर्ट ने पूछा है कि केंद्र साफ करे कि राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या ब्रिटिश। अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

इससे पहले लखनऊ हाईकोर्ट में 24 मार्च को सुनवाई थी। जस्टिस एआर मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

सरकार ने 8 सप्ताह का समय मांगा था। इस पर 21 अप्रैल सुनवाई की तारीख तय हुई थी।

हाईकोर्ट ने चेन्नामनेनी रमेश को जर्मन नागरिक घोषित किया

पूर्व विधायक ने 30 लाख रुपये जुर्माना भरा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने बीआरएस पार्टी के नेता, वेमुलावाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और पूर्व सरकारी सलाहकार चेन्नामनेनी रमेश को बड़ा झटका देते हुए कहा है कि वे भारतीय नागरिक नहीं बल्कि जर्मन नागरिक हैं। मालूम हो कि राज्य सरकार के सचेतक आदि श्रीनिवास ने चेन्नामनेनी रमेश की नागरिकता को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस संबंध में पिछले फैसले पर तेलंगाना हाईकोर्ट ने सोमवार को सुनवाई की और निष्कर्ष निकाला कि रमेश भारतीय नागरिक नहीं बल्कि जर्मन नागरिक हैं। हाईकोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई कि झूठे दस्तावेजों के जरिए 15 साल तक अधिकारियों और अदालतों को गुमराह किया गया। इसी तरह, हाईकोर्ट ने रमेश की भारतीय नागरिकता रद्द करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। अपने फैसले के तहत हाईकोर्ट ने चेन्नामनेनी रमेश को 30 लाख रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया। याचिकाकर्ता को 30 लाख रुपये में से 25 लाख रुपये श्रीनिवास को और 5 लाख रुपये हाईकोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी को देने का आदेश पहले दिया गया था। चेनमनेनी रमेश ने अदालत के फैसले के खिलाफ अपील किए बिना 30 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय सेन रेड्डी की पीठ की मौजूदगी में रमेश के वकील ने श्रीनिवास को 25 लाख रुपये का डीडी सौंपा।

पोप फ्रांसिस नहीं रहे

88 साल की उम्र में ली आखिरी सांस, डबल निमोनिया से जूझ रहे थे

वेटिकन सिटी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पोप फ्रांसिस अब हमारे बीच नहीं रहे। सोमवार 21 अप्रैल, 2025 को 88 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उन्होंने वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित अपने निवास पर सुबह 7.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) अंतिम सांस ली। वेटिकन समाचार के मुताबिक, वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बीते दिन ईस्टर के अवसर पर लंबे समय के बाद वे लोगों के सामने आए थे।

पोप फ्रांसिस जेसुइट ऑर्डर से पहले पोप थे। 8वीं शताब्दी के बाद से यूरोप के बाहर से पहले पोप थे। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो के रूप में जन्मे पोप फ्रांसिस 1969 में कैथोलिक पादरी नियुक्त किया गया था। 28 फरवरी, 2013 को पोप बेनेडिक्ट XVI के इस्तीफे के बाद 13 मार्च को एक पोप सम्मेलन ने कार्डिनल बर्गोग्लियो को उनका उत्तराधिकारी चुना। उन्होंने सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में फ्रांसिस को अपना पोप नाम चुना।

'करुणा-विनम्रता के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा'

पीएम मोदी ने पोप फ्रांसिस को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुख हुआ। दुख की इस घड़ी में वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। पोप फ्रांसिस को हमेशा दुनिया भर के लाखों लोगों द्वारा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई। मैं उनके साथ अपनी मुलाकातों को याद करता हूं और समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ।

राहुल अमेरिका में बोले- चुनाव में गड़बड़ी साफ दिख रही

सवाल उठाया- महाराष्ट्र में शाम 5:30 से 7:30 के बीच 65 लाख वोट कैसे पड़े

बोस्टन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका के बॉस्टन में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाए। उन्होंने रविवार शाम भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह साफ है कि भारतीय चुनाव आयोग समझौता कर चुका है। इस सिस्टम में कुछ गड़बड़ी है।

राहुल 2 दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। राहुल गांधी शनिवार देर रात को अमेरिका के बॉस्टन एयरपोर्ट पर उतरे थे। वे यहां रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे, जहां वे फैकल्टी और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के इस दौरे की जानकारी X पर दी थी।

अमेरिका में राहुल की 3 बातें...

> राहुल बोले- मैं कई बार कह चुका हूं कि महाराष्ट्र में जितने बालिग नहीं हैं, उससे ज्यादा वोटिंग हुई। चुनाव आयोग ने हमें साढ़े पांच बजे वोटिंग का आंकड़ा बताया। इसके बाद 5:30 से शाम 7:30 के बीच 65 लाख वोटिंग हुई।

> उन्होंने कहा कि 2 घंटे में 65 लाख वोटिंग नामुमकिन है। एक वोटर को वोट डालने में करीब 3 मिनट लगते हैं। अगर आप गणित लगाएंगे तो पता चलेगा कि रात 2 बजे तक वोटर्स की लाइन लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

> कांग्रेस सांसद ने कहा- हमने चुनाव की वीडियोग्राफी मांगी तो आयोग ने साफ मना कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने कानून भी बदल दिया, ताकि हम आगे वीडियो के बारे में सवाल न कर सकें।

राहुल के बयान पर बीजेपी ने सवाल उठाए :

राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी की भी प्रतिक्रिया भी आई है। बीजेपी नेता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

राहुल ने वोटर्स लिस्ट में फर्जीवाड़े का आरोप लगाया था :

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जी तरीके से वोटर्स जोड़े जाने का आरोप लगाया था। इस साल फरवरी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी हुई। वोटर लिस्ट में नए मतदाता जोड़े गए, ताकि भाजपा की जीत हो सके। राहुल ने इलेक्शन कमीशन से वोटर्स का डेटा मांगा था।

महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज

एक मंच पर दिखे शरद-अजित पवार, फिर लगने लगीं साथ आने की अटकलें

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार के साथ आने की अटकलें एक बार फिर से तेज हो गई हैं। दरअसल, बीते कई दिनों में दोनों नेता कई बार एक मंच पर दिखाई दिए हैं। ताजा मामला सोमवार का है, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस (एसपी) प्रमुख शरद पवार और उनके भतीजे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को एक पखवाड़े में तीसरी बार मंच साझा किया। इस बार कृषि और चीनी उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर चर्चा के दौरान दोनों एक ही मंच पर दिखे।

पुणे के सखार संकुल (चीनी परिसर) में आयोजित बैठक डेढ़ घंटे से अधिक समय तक चली। इसमें वसंतदादा चीनी संस्थान के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कि अजित पवार ने कहा कि बैठक में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा, हमने चर्चा की कि कैसे एआई कृषि उत्पादन बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट जैसी फर्म इस क्षेत्र में पहल का समर्थन कर रही हैं। कृषि विभाग ने अपने कुछ चल रहे प्रयासों को भी साझा किया और चीनी उत्पादन में सुधार के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की गई।

हाल के हफ्तों में शरद पवार के साथ उनकी तीसरी मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने इन बैठकों के राजनीतिक महत्व को दरकिनार कर दिया। हाल के हफ्तों में पहली बार दोनों उनके बेटे जय की सगाई मिले थे। उन्होंने कहा कि परिवार सगाई जैसे अवसरों पर एक साथ आते हैं और उन्हें किसी अन्य दृष्टिकोण से व्याख्या करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

बेंगलूरू में वायुसेना के विंग कमांडर पर जानलेवा हमला

पुलिस की लापरवाही आई सामने

बेंगलूरू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरू से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया। जानकारी के मुताबिक, विंग कमांडर पर हमला उस समय हुआ जब वह अपनी पत्नी के साथ एयरपोर्ट जा रहे थे। इस घटना में उनके सिर पर चोट आई और उन्होंने घटना के बाद पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना भी की है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें विंग कमांडर बुरी तरह जख्मी और खून से लथपथ दिखाई दे रहे हैं।

विंग कमांडर शिलादित्य बोस ने आरोप लगाया कि दोपहिया वाहन पर उनका पीछा करने वाले लोगों ने रोड रेज की घटना में उन पर हमला किया और गाली-गलौज की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने घटनाक्रम का विवरण दिया और अपने चेहरे और गर्दन पर चोटों को दिखाया, जिसमें से खून बह रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे पुलिस स्टेशन गए थे, लेकिन उन्हें तुरंत मदद नहीं मिली।

उन्होंने वीडियो में बताया कि, हम डीआरडीओ, सीवी रमन नगर फेज एक में रहते हैं। आज सुबह, मेरी पत्नी मुझे एयरपोर्ट ले जा रही थी, तभी पीछे से एक बाइक आई और हमारी कार को रोक दिया। मैं डैश कैम फुटेज भी शेयर करूंगा। बाइक सवारों में से एक ने कन्नड़ में मुझे गाली देना शुरू कर दिया। मेरी कार पर डीआडीओ का स्टिकर देखकर उसने कहा, तुम डीआरडीओ के लोग हो, इसके बाद कन्नड़ में और गाली दी। फिर उसने मेरी पत्नी को गाली दी।

जस्टिस वर्मा बेंच के मुकदमों की सुनवाई दोबारा होगी

50 से अधिक मामले पेंडिंग, घर से 500-500 रुपये के अधजले नोटों से भरी बोरियां मिली थी

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा सुने जा रहे 50 से अधिक मामलों की सुनवाई नए सिरे से होगी। हाई कोर्ट ने इसकी जानकारी एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिस में 52 मामलों की लिस्ट दी गई है, जिनमें सिविल रिट याचिकाएं भी शामिल हैं। ये मामले 2013 से 2025 तक के हैं। इनमें प्रॉपर्टी टैक्स से संबंधित एनडीएमसी अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 22 याचिकाएं शामिल हैं।

जस्टिस वर्मा से 23 मार्च को न्यायिक कार्यभार वापस ले लिए गए थे। इसके बाद से वकील इन मामलो को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी. के. उपाध्याय के सामने पेश कर रहे थे। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश मांग रहे थे। जस्टिस डी. के. उपाध्याय ने वकीलों को सुझाव दिया था कि एक आवेदन उनके निजी सचिव या अदालत के रजिस्ट्रार जनरल को दें, साथ ही आश्वासन दिया था कि उनकी शिकायत पर विचार किया जाएगा। जस्टिस वर्मा तब विवादों में घिर गए थे, जब उनके लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी। उनके घर के स्टोर रूम से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले। सवाल खड़ा हुआ कि इतना कैश कहां से आया। इसके बाद जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट में कर दिया गया था। जस्टिस वर्मा के खिलाफ तीन जजों की समिति आंतरिक जांच कर रही है।

घर के बाहर 500 रुपये के नोट मिले थे

16 मार्च को जस्टिस यशवंत वर्मा के बंगले के बाहर भी सफाई के दौरान सफाई कर्मचारियों को 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे। सफाईकर्मियों ने बताया कि 4-5 दिन पहले भी हमें ऐसे नोट मिले थे। ये नोट सफाई के दौरान सड़क पर पत्तों में पड़े हुए थे।

कैश कांड के लिए 3 सदस्यीय कमेटी बनी

सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई संजीव खन्ना के आदेश पर 21 मार्च को कैश कांड की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई। इसमें जस्टिस शील नागू (पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस), जी एस संधावालिया (हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस) और कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस अनु शिवरामन शामिल हैं।

जस्टिस वर्मा को वापसी के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन

23 मार्च को जस्टिस यशवंत वर्मा को वापस इलाहाबाद भेजने की बात का इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने विरोध किया था। 23 मार्च को ही जस्टिस वर्मा से दिल्ली हाईकोर्ट ने कार्यभार वापस ले लिया था। बार ने जनरल हाउस मीटिंग बुलाई थी। जिसमें जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया था। साथ ही मामले की जांच ईडी और सीबीआई से कराने की मांग का भी प्रस्ताव पारित किया गया था। प्रस्ताव की कॉपी सुप्रीम कोर्ट सीजेआई को भी भेजी गई है। जस्टिस यशवंत वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट में ही बतौर जज नियुक्त हुए थे। इसके बाद अक्टूबर 2021 में उनका दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। जज बनने से पहले वह इलाहाबाद हाईकोर्ट में राज्य सरकार के चीफ स्टैंडिंग काउंसिल भी रहे हैं।

वयस्क बच्चे भी 'संघ की हानि' के तहत मुआवजे के अधिकारी

कर्नाटक उच्च न्यायालय का अहम फैसला

बंगलूरू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि न सिर्फ पत्नी बल्कि मृतक के व्यस्क बच्चे, जो कानूनी तौर पर उसके अधिकारी हैं, वे भी संघ की हानि के तहत मुआवजे के अधिकारी हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि व्यक्ति की असमय मृत्यु से जो खालीपन और भावनात्मक सदमा लगता है, उसके लिए मुआवजा दिया जा सकता है।

जस्टिस सीएम जोशी ने अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मृतक सुभाष की पत्नी के साथ ही उसके दो व्यस्क बेटे भी लॉस ऑफ कंसोर्टियम कैटेगरी में मुआवजा पाने के अधिकारी हैं। अदालत ने पत्नी और दोनों बेटों को 52-52 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। इस तरह तीनों को कुल 1.56 लाख रुपये का मुआवजा और मिलेगा।

खबरें जरा हटके

भारत के इस गांव को कहा जाता है 'बाउंसर विलेज', घर का हर दूसरा लड़का बनता है पहलवान

आज के समय में आपने बड़े-बड़े होटल और रेस्त्रां में कई बड़े बॉडी बिल्डर्स या फिर बाउंसर्स देखे होंगे। यही नहीं, बॉलीवुड हो या कोई राजनीति क्षेत्र की कोई बड़ी शख्सियत हो। हर कोई अपने साथ बॉडी गार्ड्स तो रखता ही है। काले कपड़े और काले चश्मे में जब यह लोग आसपास से गुजरते हैं तो राह चलते हर किसी की नजर इन पर ही टिक जाती है, लेकिन क्या आपको पता है कि भारत में एक ऐसा भी गांव है, जहां हर एक घर में एक बाउंसर या बॉडी बिल्डर जरूर होता है। तो आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं, उस गांव के बारे में जिसे बाउंसर की फैक्ट्री कहा जाता है। आइए जानते हैं।

भारत में इस गांव को कहते हैं बाउंसर की फैक्ट्री

बता दें कि भारत की राजधानी दिल्ली के दक्षिणी छोर पर बसा असोला-फतेहपुर बेरी नामक गांव आज एक अलग ही पहचान बना चुका है। इसे देशभर में लोग 'बाउंसर फैक्ट्री' के नाम से जानते हैं। इसकी वजह है कि यहां के युवाओं की बड़ी संख्या जो सुरक्षा से जुड़े कामों में जुटे हुए हैं। असोला-फतेहपुर बेरी के लगभग हर घर से एक या एक से अधिक युवक दिल्ली और आसपास के इलाकों में बाउंसर के तौर पर काम करता है। चाहे वो किसी नाइट क्लब की सुरक्षा हो या बड़े इवेंट्स, होटल्स या बार, यहां के युवक हर जगह तैनात मिलते हैं।

अखाड़ा संस्कृति से जुड़ा है

यह गांव आज भी अपनी अखाड़ा संस्कृति से जुड़ा हुआ है। सुबह-सुबह मिट्टी के अखाड़ों में युवक कुश्ती करते हैं, भारी वजन उठाते हैं और कठोर शारीरिक अभ्यास करते हैं। इस परंपरा ने गांव के युवाओं को मजबूत, अनुशासित और फिट बनाया है। यहां के लड़कों की जीवनशैली बेहद संयमित है। वे नशे से दूर रहते हैं और दूध, दही, फल, सूखे मेवे और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करते हैं। यही डाइट उन्हें शक्ति और ऊर्जा देती है।

दुनिया की ऐसी सड़क, जिसे बनाने में 10 लाख लोगों की हो गई मौत

कहानी जान खड़े हो जाएंगे रोंगटे

दुनिया में कई सड़कें किसी न किसी वजह से बेहद खास हैं। दुनिया की कोई सड़क स ब से खतरनाक है, तो कई सबसे लंबी। आमतौर पर सड़क बनाने के लिए ईंट, पत्थर से लेकर सीमेंट और डामर का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसी भी सड़क है, जिसे बनाने में इन चीजों के अलावा इंसानी हड्डियों का भी इस्तेमाल किया गया है? यह जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। इसकी वजह से इस सड़क को 'रोड ऑफ बोन्स' यानी 'हड्डियों की सड़क' के नाम से जाना जाता है।

दरअसल, यह सड़क एक हाइवे है, जो रूस के सुदूरवर्ती पूर्वी इलाके में स्थित है। इसका असली नाम कोलयमा हाइवे है, जो 2,025 किलोमीटर लंबा है। इस हाइवे पर अक्सर इंसानी हड्डियां और कंकाल मिलते रहते हैं। कई बार अलग-अलग इलाकों में इंसानी हड्डियां मिल चुकी हैं। दरअसल, 'रोड ऑफ बोन्स' के नाम से मशहूर इस हाइवे की कहानी भयावह है। ठंड के मौसम में इस इलाके में भारी बर्फबारी होती है, जिससे सड़कें भी ढक जाती हैं। बताया जाता है कि बर्फ की वजह से गाड़ियां सड़क पर न फिसलें, इसलिए सड़क निर्माण में बालू के साथ इंसानी हड्डियों को भी मिलाया गया था। इस हाइवे का निर्माण सोवियत संघ के तानाशाह कहे जाने वाले जोसेफ स्टालिन के समय में किया गया था। कहा जाता है कि इसके निर्माण में ढाई से 10 लाख लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इसके पीछे की कहानी कुछ इस तरह है कि 1930 के दशक में इस हाइवे का निर्माण शुरू हुआ और इस काम में बंधुआ मजदूरों और कैदियों को लगाया गया।

समुद्र की गहराई में डूब चुकी हैं प्राचीन सभ्यताएं

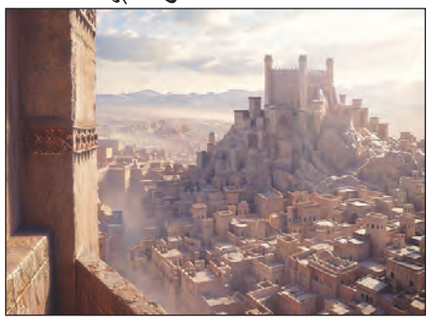

भारत का इतिहास बहुत ही पुराना और समृद्ध देश रहा है। यहां कई ऐसी सभ्यताएं और नगर थे, जो आज समुद्र की गहराइयों में छिपे हुए हैं। कुछ का जिक्र हमारे पौराणिक ग्रंथों में मिलता है, तो कुछ के अवशेष वैज्ञानिकों को समुद्र के नीचे मिले हैं। हालांकि, ऐसे ही कुछ एतिहासिक और प्राचीन जगहों के बारे में जानकारी प्राप्त हो गई है। तो आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं भारत की ऐसी प्राचीन जगहों के बारे में जो समय के साथ समुद्र में डूब गईं। आइए जानते हैं।

द्वारका : कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारका नाम की एक सुंदर नगरी बसाई थी। महाभारत के अनुसार, जब श्रीकृष्ण इस दुनिया से चले गए, तो द्वारका शहर समुद्र में डूब गया। गुजरात के पास समुद्र में आज भी इसके कुछ हिस्से मिले हैं। लोगों का कहना है कि यह फिर से समुद्र के ऊपर दिखेगा।

पूमपुहर : पूमपुहर एक पुराना बंदरगाह शहर था, जो कावेरी नदी के किनारे बसा था। यह तमिल संस्कृति और व्यापार के लिए बहुत मशहूर था। माना जाता है कि एक बहुत बड़ी समुद्री लहर (तूफान) के कारण यह शहर डूब गया।

कावेरीपट्टिनम : कावेरीपट्टिनम, पूमपुहर का ही पुराना नाम है। यह भी एक व्यापारिक शहर था जो समुद्र के किनारे बसा हुआ था। समय के साथ समुद्र का पानी बढ़ता गया और यह शहर उसमें समा गया।

महाबलीपुरम : तमिलनाडु का महाबलीपुरम अपने सुंदर पत्थर के मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। लोककथाओं के अनुसार, यहां सात मंदिर थे लेकिन अब सिर्फ एक ही दिखाई देता है। बाकी छह मंदिर समुद्र में डूब गए। 2004 की सुनामी के बाद समुद्र के नीचे कुछ संरचनाएं भी देखी गईं।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे लगातार दूसरे दिन बंद

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी; रामबन में बादल फटने और लैंडस्लाइड पर स्थानीय विधायक बोले- ऐसी त्रासदी कभी नहीं देखी

श्रीनगर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार को बादल फटने और लैंडस्लाइड से इलाके में तबाही मच गई थी। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। रामबन इलाके में सोमवार को भी रेस्क्यू अभियान चलाते हुए घरो और सड़कों से मलबा हटाया जा रहा है। हालांकि, जम्मू श्रीनगर हाईवे (एनएच-44) दूसरे दिन भी बंद है। इसके चलते सैकड़ों ट्रक और वाहन अलग-अलग स्थानों पर फंसे हुए हैं। इसमें हजारों पर्यटक भी शामिल हैं।

वहीं, मौसम की खराब स्थिति और फ्लैश फ्लड के खतरे को देखते हुए जिला रामबन के सभी स्कूल, कॉलेज आज बंद रखे गए हैं। प्रशासन ने लोगों से यात्रा से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

स्थानीय विधायक बोले-इस तरह की त्रासदी हमने कभी नहीं देखी

स्थानीय विधायक अर्जुन सिंह राजू ने कहा- इस तरह की त्रासदी हमने कभी नहीं देखी। इस त्रासदी में प्रोपर्टी को जो नुकसान हुआ वो हुआ, लेकिन जो लोगों की जान गई वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। हालांकि स्थिति अब धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और प्रशासन की पहली प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित निकालना और बंद सड़कों को दोबारा खोलना है।

भाजपा के इकबाल सिंह होंगे दिल्ली के नए मेयर

आप का चुनाव से किनारा, कहा- चार इंजन वाली सरकार चलाए भाजपा, अब बहाना नहीं चलेगा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) ने म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और दिल्ली के पार्टी अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। चुनाव 25 अप्रैल को होगा। पार्टी के प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों नेताओं ने कहा कि भाजपा ने पहले भी एमसीडी का चुनाव रुकवा दिया था। परिसीमन के दौरान वार्डों को इधर-उधर किया गया। परिसीमन के दौरान जबरदस्त गड़बड़ी और भ्रष्टाचार किया गया। इसके बावजूद चुनाव हारी और आप की सरकार बनी।

इसके बाद भी एमसीडी बैठकों में भाजपा पार्षदों द्वारा खूब तमाशा किया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमारे पार्षदों को डराकर, धमकाकर, लालच देकर भाजपा

अपने पाले में लाने की कोशिश में लगी हुई है। जिसके बाद हमने फैसला लिया है कि इस बार मेयर चुनाव में हम अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। भारद्वाज ने कहा कि बगैर किसी बाधा के भाजपा अपना मेयर बना ले और चार इंजन की सरकार को बिना कोई बहाना बनाए चलाएं और दिल्लीवालों को काम करके दिखाएं। आप के इस फैसले के साथ ही दिल्ली मेयर के लिए भाजपा के उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन अब तय हो गया है। इधर, आप के प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा ने मेयर और डिप्टी मेयर कैंडिडेट की घोषणा कर दी है। पार्टी ने सरदार राजा इकबाल सिंह को मेयर और जय भगवान यादव को डिप्टी मेयर कैंडिडेट बनाया है। दोनों आज नॉमिनेशन करेंगे। आप ने भाजपा को एमसीडी चुनाव में वॉकओवर दे दिया है। लेकिन चुनाव होता है तो बहुमत भी भाजपा के पक्ष में है। एमसीडी में इस समय 238 पार्षद हैं। लोकसभा और राज्यसभा के सांसद, मनोनीत विधायक भी मिला लें तो कुल स्ट्रेंथ 262 पहुंचती है। यानी अपना मेयर बनाने के लिए 132 वोट की जरूरत है। भाजपा के 117 पार्षद, सात लोकसभा सदस्य और 11 मनोनित विधायकों के वोट मिला दें तो आंकड़ा 135 पहुंच रहा है, जो बहुमत से 3 ज्यादा है।

पिछले मेयर चुनाव में आप 3 वोटों से जीतीं

इससे पहले नंवबर में दिल्ली मेयर चुनाव हुआ था। आप कैंडिडेट महेश खिंची ने भाजपा के किशन लाल को 3 वोटों से हराया था। खिंची को 133 वोट, जबकि लाल को 130 वोट मिले। 2 वोट अवैध घोषित किए गए। दरअसल, आप के 10 पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की। चुनाव में आप के पक्ष में 132 वोट पड़े।

पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश का लाइट वर्जन बना दिया

सुकांत मजूमदार का ममता बनर्जी पर आरोप; सुवेंदु बोले-बंगाल में हिंदू खतरे में

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश जैसी स्थिति ला रही हैं। राज्य में हिंदुओं की हत्या की जा रही है। लोगों को बांग्लादेश की स्थिति पता है। बनर्जी ने पहले ही पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश को लाइट वर्जन बना दिया है।

वहीं, राज्य में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद हिंसा की एनआईए जांच की मांग की। उन्होंने कहा हम अपनी संस्कृति और धर्म को जीवित रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदू खतरे में हैं। इस तरह की क्रूर हत्या के लिए राज्य पुलिस पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की भी आलोचना की। अधिकारी ने कहा कि अखिलेश यादव का बयान राजनीति से प्रेरित है। इधर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर ने मालदा और मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। राहतकर ने कहा कि मैंने राज्यपाल को महिलाओं और बच्चों की स्थिति के बारे में बताया है। स्थिति बहुत गंभीर है।

जो दर्द में हैं हम उनके साथ खड़ा होना चाहते

रहटकर ने कहा-हम पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सभी प्रयास करेंगे और पश्चिम बंगाल सरकार को सिफारिशें करेंगे। हम उन महिलाओं और परिवारों के साथ खड़े होना चाहते हैं जो दर्द में हैं। शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने कहा कि आयोग अपनी रिपोर्ट में उन सभी महिलाओं के बयान शामिल कर रहा है, जिन्होंने आपबीती सुनाई है। उन लोगों ने कहा कि बीएसएफ ने उनकी जान बचाई। उनके घर बचाए। रिपोर्ट केंद्र को सौंपी जाएगी और इसकी कॉपी पश्चिम बंगाल के डीजीपी और मुख्य सचिव को भेजी जाएंगी। मुर्शिदाबाद में हिंसक प्रदर्शन के दौरान एक बाप-बेटे (हरगोबिंदो दास, चंदन दास) हत्या के आरोप में चौथी गिरफ्तारी हुई। आरोपी का नाम जियाउल शेख है। वो सुलिताला पुरबापारा गांव का रहने वाला है। शेख 12 अप्रैल को पिता-पुत्र की हत्या के बाद से फरार था। उसको पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और विशेष जांच दल (एसटीआई) ने 19 अप्रैल को उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया था।

कोर्ट ने मंत्री कपिल मिश्रा की अपील पर जवाब दाखिल करने के लिए दिया समय

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली दंगों के मामले में दिल्ली पुलिस और दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा की अपील पर जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को दिल्ली दंगों के मामले में दायर चार्जशीट की एक कॉपी प्रतिवादियों को देने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले को सात मई को बहस के लिए सूचीबद्ध किया है। अंतरिम रोक अगली तारीख तक जारी रहेगी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीते 9 अप्रैल को फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में कथित भूमिका के लिए दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच के आदेश पर 21 अप्रैल तक रोक लगाई थी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत ने मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले के खिलाफ मिश्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह रोक लगाई थी। बता दें कि साल 2020 में 24 फरवरी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे हुए थे। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे।

'भाजपा और शिंदे से रहें दूर, तो विवाद नहीं'

उद्धव-राज की सुलह पर शिवसेना (यूबीटी) ने साफ किया रुख

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इन दिनों उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने की अटकलें तेज है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) ने सोमवार को कहा कि अगर मनसे प्रमुख राज ठाकरे भाजपा और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना से दूरी बना लें, तो उनके और उद्धव ठाकरे के बीच किसी भी तरह के विवाद की कोई गुंजाइश नहीं है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लिखा गया कि उद्धव और राज के बीच संभावित सुलह की चर्चा से महाराष्ट्र विरोधी ताकतें परेशान हैं। साथ ही संपादकीय में ये भी दावा किया गया कि अगर भाजपा और शिंदे को दूर रखा जाए, तो दोनों ठाकरे भाई फिर साथ आ सकते हैं।

बता दें कि इन अटकलों को खुद हा राज-उद्धव ठाकरे ने हवा दी है। जहां राज ठाकरे पहले ही कह चुके हैं कि अगर मराठी लोगों के हित में हो, तो एक साथ आना मुश्किल नहीं है। वहीं उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि वह छोटे-मोटे मुद्दों को नजरअंदाज करने को तैयार हैं, बशर्ते महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ कोई काम न हो।

शिवसेना ने स्पष्ट किया रुख

सामना में यह भी कहा गया कि जिन मुद्दों की बात राज कर रहे हैं, वे कभी जनता के सामने नहीं आए। जब शिवसेना की शुरुआत हुई थी, तब भी लक्ष्य मराठी लोगों के हक की लड़ाई था। आज भी वही है। ऐसे में विवाद कहां है?इसके साथ ही संपादकीय में आरोप लगाया गया कि भाजपा और शिंदे की सेना ने जानबूझकर इन मुद्दों को हवा दी और राज के जरिए शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधा। लेकिन इसका फायदा एमएनएस को नहीं हुआ, उल्टा इससे मराठी एकता को नुकसान पहुंचा। लेख में आगे कहा गया कि राज ठाकरे ने पहले पीएम मोदी और अमित शाह को महाराष्ट्र में आने से रोकने की बात की थी, लेकिन बाद में अपने उस रुख पर कायम नहीं रह पाए। 2024 के चुनाव में एमएनएस ने पीएम मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए बिना शर्त समर्थन भी दे दिया।

भाजपा का हिंदुत्व नकली-शिवसेना

इसके साथ ही शिवसेना ने संपादकीय में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा का हिंदुत्व नकली और खोखला है और राज ठाकरे उसके जाल में फंस गए। साथ ही अंत में चेतावनी दी गई कि अगर जीवनभर आपसी झगड़ों में ही समय बर्बाद होता रहा, तो महाराष्ट्र कभी माफ नहीं करेगा।

सीलमपुर हत्याकांड : 'मेरा बच्चा निर्दोष था आरोपियों को फांसी की सजा मिले'

रोते हुए बोलीं मृतक कुणाल की मां

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सीलमपुर हत्याकांड में पीड़िता की मां ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि आरोपियों को फांसी की सजा मिले। अगर उन्हें उम्रकैद मिलती है तो वे जमानत पर बाहर आ जाएंगे। मैं आरोपी शोएब को जानती हूं, जो मेरे घर के पास रहता है। शोएब जिकरा का मामा है। उनका पूरा परिवार गलत कामों में शामिल है। मुझे उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा। मेरा बच्चा किसी गलत काम में शामिल नहीं था। मेरा बच्चा निर्दोष था, उसने कुछ नहीं किया। वह गांधीनगर में काम करता था और निर्दोष था।'

सीलमपुर में बृहस्पतिवार रात को कुणाल की हत्या चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। साहिल की कुणाल से रंजिश थी, जिसका बदला लेने के लिए उसने अपनी चचेरी बहन लेडी डॉन जिकरा और दो नाबालिगों के साथ हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में नौ आरोपियों को पकड़ा है। इसमें पांच आरोपियों को मुख्य आरोपी को भगाने और पनाह देने के आरोप में पकड़ा गया है। वहीं, लेडी डॉन जिकरा को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

चाकू से कई वार किए

पुलिस को जांच में पता चला कि जिकरा, साहिल और दो नाबालिगों ने कुणाल पर हमला करने की साजिश रची थी। साहिल की कुणाल से दुश्मनी थी। 17 अप्रैल को गैंग ने कुणाल को पकड़ लिया और उस पर चाकू से कई वार किए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी साहिल को भगाने और छिपाने में मदद करने के आरोप में पुलिस ने शोएब, नफीस, अनीस, जाहिदा और विकास को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियारों की बरामदगी का प्रयास कर रही है।

सुविचार: भविष्य के निर्माण के लिए आज के कार्य सही तरीक़े से करने होंगे ।

पुलिस इंस्पेक्टर, टीवी रिपोर्टर फंसे एसीबी के जाल में

जनगांव में राजस्व निरीक्षक भी पकड़ा गया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की राजभर में तेजी से कार्रवाई जारी है। एसीबी ने कई अधिकारियों को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सोमवार को पुलिस इंस्पेक्टर और एसएचओ, मनुगुरु पुलिस स्टेशन, भद्राद्री कोत्तागुडेम सोमा सतीश कुमार के निर्देश पर कार्य करते हुए, मिट्टापल्ली गोपी, बिग टीवी रिपोर्टर ने शिकायतकर्ता से चार लाख रुपये की रिश्वत मांगी और एक लाख रुपये की आंशिक राशि रिश्वत के रूप में स्वीकार की और एसीबी अधिकारियों, खम्मम रेंज द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया। सतीश कुमार के निर्देशानुसार, मिट्टापल्ली गोपी,ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई तथा शिकायतकर्ता और सतीश कुमार के बीच आधिकारिक लाभ पहुंचाने के लिए डील कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से, मनुगुरु पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 329(3) तथा तेलंगाना राज्य जुआ (संशोधन) अधिनियम (टीएसजीएलए) की धारा 5 के अंतर्गत दर्ज अपराध संख्या 150/2025 में शिकायतकर्ता तथा उसके भतीजे का नाम शामिल न करने के लिए रिश्वत मांगी जा रही थी। ट्रैप ऑपरेशन के दौरान किए गए रासायनिक परीक्षण में गोपी के दोनों हाथों की अंगुलियों तथा उसकी पैंट की दाहिनी ओर की जेब पर सकारात्मक परिणाम मिले। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जा रही है। इसलिए सोमा सतीश कुमार, पुलिस निरीक्षक और एसएचओ मनुगुरु पुलिस स्टेशन, भद्राद्री कोत्तागुडेम और मिट्टापल्ली गोपी, बिग टीवी रिपोर्टर को गिरफ्तार कर वारंगल में एसपीई और एसीबी मामलों के तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। एक अन्य मामले में, राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार कार्यालय, चिलपुर मंडल, जनगांव को भी एसीबी ने पकड़ा है। आज विनीत कुमार, राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार कार्यालय, चिलपुर मंडल, जंगों जिले को वारंगल रेंज के एसीबी अधिकारियों ने उनके कार्यालय परिसर के सामने रंगे हाथों पकड़ा, जब उन्होंने शिकायतकर्ता से एक आधिकारिक उपकार करने के लिए यानी शिकायतकर्ता और उसके बड़े भाई की म्यूटेशन फाइल से संबंधित फील्ड सत्यापन रिपोर्ट जमा करने और तहसीलदार द्वारा संसाधित किए जाने के लिए 26 हजार रुपये की रिश्वत राशि की मांग की और उसे स्वीकार किया। एओ के निर्देशानुसार, शिकायतकर्ता ने रिश्वत की राशि एओ की कार की पिछली सीट पर रख दी। एओ की मारुति स्विफ्ट गाड़ी (टीएस 03 ईएफ 1458) की पिछली सीट पर किए गए रासायनिक परीक्षण में सकारात्मक परिणाम सामने आया। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जा रही है। इसलिए, (एओ) विनीत कुमार, राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार कार्यालय, चिलपुर मंडल, जनगांव जिले को गिरफ्तार किया जा रहा है और वारंगल में एसपीई और एसीबी मामलों के लिए तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है। इसी क्रम में वरिष्ठ सहायक, कार्यकारी अभियंता, पंचायत राज प्रभाग, श्रीनिवास शर्मा अरमूर को तेलंगाना एसीबी अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से 7500 रुपये की मांग करने और 7,000 रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार करते समय पकड़ा, ताकि वे एफटीओ (निधि हस्तांतरण आदेश) दस्तावेजों पर अरमूर के पूर्व ई.ई. (पी.आर.) और निजामाबाद के वर्तमान ई.ई. के हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए आधिकारिक उपकार कर सकें। एसीबी ने कहा कि किसी भी लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग के मामले में, जनता से अनुरोध है कि वे "1064" (एसीबी तेलंगाना का टोल फ्री नंबर) डायल करें। तेलंगाना एसीबी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप (9440446106), फेसबुक (तेलंगाना एसीबी) और एक्स (@तेलंगानाएसीबी) के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। शिकायतकर्ता/पीड़ित का विवरण गुप्त रखा जाएगा।

विनीत कुमार

श्रीनिवास शर्मा

सतीश कुमार, मिट्टापल्ली गोपी

इटेला ने एमएलसी चुनावों के बहिष्कार के लिए कांग्रेस, बीआरएस पार्टियों की आलोचना की

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी के सांसद इटेला राजेंद्र ने आज हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों के बहिष्कार के लिए प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों की कड़ी आलोचना की। यहां राज्य भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एमएलसी चुनावों का बहिष्कार लोकतंत्र में एक अलोकतांत्रिक कार्य है। उन्होंने पार्षदों से चुनावों में भाजपा उम्मीदवार को वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह युद्ध राष्ट्रवादी पार्टी और सांप्रदायिक रंग वाली पार्टी के बीच है। उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों से पूछा कि एमएलसी चुनावों का बहिष्कार करने के बाद वे भविष्य में वोट कैसे मांगेंगे? उन्होंने कहा कि मजलिस पार्टी के अत्याचारों को रोकने के लिए उनकी पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन करने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य की राजधानी के सभी जनप्रतिनिधियों से भाजपा उम्मीदवार का बहिष्कार किए बिना उन्हें वोट देने का आग्रह किया। राजेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टियां एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने 40 से 50 साल पुराने मकानों को अवैध तरीके से वक्फ बोर्ड में मिला लिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ऐसे सभी पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए वक्फ संशोधन अधिनियम लेकर आई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों ही पार्टियां संशोधन अधिनियम के खिलाफ आंदोलन कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों से नहीं डरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश महत्वपूर्ण है, सीटें नहीं।

एसएलबीसी सुरंग बचाओ अभियान 58 दिनों के बाद समाप्त

लापता 6 लोगों का नहीं लगा सुराग

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 58 दिनों के लगातार बचाव प्रयासों के बाद, श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग में अभियान समाप्त हो गया है। 12 विशेष एजेंसियों के अथक परिश्रम के बावजूद, 22 फरवरी को सुरंग की छत गिरने के बाद फंसे छह लापता श्रमिकों का पता लगाए बिना ही अभियान समाप्त हो रहा है।

आपदा के कारण काम अचानक रुक गया और हाल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले बचाव अभियान में से एक शुरू हो गया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के जापान के आधिकारिक दौरे से लौटने के बाद एक उच्च स्तरीय बैठक में भविष्य की कार्रवाई तय होने की उम्मीद है।

बचाव प्रयासों की देखरेख कर रही 12 सदस्यीय तकनीकी समिति ने अपने निष्कर्षों और सिफारिशों को मुख्यमंत्री और प्रमुख कैबिनेट अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करने की योजना बनाई जाने वाले महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक यह है कि 43 मीटर के ढह चुके हिस्से की खुदाई का प्रयास किया जाए या नहीं, जो अभी भी अछूता है।

बचाव दलों ने आपदा स्थल तक पहुंच को सील कर दिया है, सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे निषिद्ध क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस खंड की खुदाई करने का प्रयास लापता श्रमिकों के शवों को बरामद करने में मदद कर सकता है। हालांकि, यह क्षेत्र अत्यधिक अस्थिर बना हुआ है, जहां अभी भी बड़ी मात्रा में पानी सुरंग में रिस रहा है।

आगे की खुदाई से अचानक ढहने का खतरा पैदा हो सकता है, जिससे बचावकर्मियों की जान को खतरा हो सकता है। अथक प्रयासों के बावजूद, ऑपरेशन के दौरान केवल दो शव ही सफलतापूर्वक निकाले जा सके। गुरप्रीत सिंह का शव 9 मार्च को निकाला गया, उसके बाद प्रोजेक्ट इंजीनियर मनोज कुमार का शव 22 मार्च को निकाला गया।

बचाव दल ने 300 मीटर से ज़्यादा मलबा साफ़ कर दिया है, जिसमें कीचड़, चट्टानें और सुरंग खोदने वाली मशीन के हिस्से शामिल हैं। शेष 43 मीटर हिस्से को ख़तरे वाले क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है, जिससे आगे की खुदाई रोक दी गई है।

ऑपरेशन समाप्त होने के बाद, अधिकारी अब तकनीकी समिति के अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने सुरंग की बोरिंग का काम फिर से शुरू होने तक मौजूदा प्राकृतिक सुरंग संरचना को और अधिक नुकसान पहुंचाने के बजाय इसे मजबूत करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें शामिल अत्यधिक जोखिमों को देखते हुए, शेष श्रमिकों को वापस लाने या आगे के काम के लिए सुरंग को फिर से खोलने पर पूरी तरह से सुरक्षा मूल्यांकन के बाद ही विचार किया जा सकता है।

शहर के बाहरी इलाके में दंपत्ति से लूट

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके राजेंद्रनगर में पी एंड टी कॉलोनी में सोमवार को अज्ञात व्यक्तियों के एक समूह ने एक घर में घुसकर एक दंपति को लूट लिया। जानकारी के अनुसार, 4 संदिग्ध एक कार में आए और दंपति को चाकू और डंडों से धमकाया और उन्हें घर में बंद कर दिया। इसके बाद संदिग्धों ने उनसे 6 तोले सोने के गहने और नकदी लूट ली और कार में बैठकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर राजेंद्रनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वे संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने सीएम से रोहित वेमुला एक्ट लागू करने का अनुरोध किया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से रोहित वेमुला एक्ट लागू करने का अनुरोध किया, जिसमें यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया गया कि भारत में कोई भी बच्चा डॉ.बी.आर. अंबेडकर, रोहित वेमुला और अनगिनत अन्य लोगों द्वारा झेले गए संघर्षों का सामना न करे। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने जाति-आधारित भेदभाव का उल्लेख किया, जिसका सामना डॉ.बी.आर. अंबेडकर ने अपने स्कूली वर्षों के दौरान किया था, जिसमें कहा गया था, यह खेदजनक है कि आज भी दलित, आदिवासी और ओबीसी पृष्ठभूमि के लाखों छात्र हमारी शैक्षणिक प्रणाली में इस तरह के कठोर भेदभाव का सामना करते हैं। 17 जनवरी, 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी स्कॉलर रोहित वेमुला की दुखद आत्महत्या भारतीय उच्च शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव का एक प्रमुख प्रतीक बन गई। उस घटना के बाद से, कई समूह इस अधिनियम को लागू करने की वकालत कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को खत्म करना है। राहुल गांधी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू से संपर्क किया है और उनसे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से अपनी पिछली अपील के बाद कानून को आगे बढ़ाने में अगुवाई करने का आग्रह किया है।

प्रेम में विफलता के संदेह में युवक ने होटल के कमरे में की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के अंबरपेट के राम नगर स्थित एक होटल के कमरे में एक युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण प्रेम में असफलता माना जा रहा है। पीड़ित की पहचान के राजेश (22) के रूप में हुई है, जो नारायणपेट का निवासी था और हैदराबाद में एक निजी कंपनी में काम करता था तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। राजेश ने होटल के कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। होटल के कर्मचारियों को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जबरन दरवाजा खोला। अम्बरपेट पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है।

अनुबंधित शिक्षण कर्मचारियों ने नियमितीकरण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

प्राधिकारियों ने कथित तौर पर तंबू लगाने की नहीं दी थी अनुमति

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 12 विश्वविद्यालयों में अनुबंध शिक्षण स्टाफ सेवाओं को नियमितीकरण के लिए अनुबंध सहायक प्रोफेसरों ने रविवार को छुट्टी होने के बावजूद यहां उस्मानिया विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में विरोध प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालयों के अनुबंध शिक्षण स्टाफ की राज्य समन्वय समिति ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया था। नियमितीकरण की मांग को लेकर गहमागहमी का माहौल है।

विश्वविद्यालय प्राधिकारियों ने कथित तौर पर तंबू लगाने की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए शिक्षक विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में जमीन पर बैठ गए और अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि राज्य सरकार नौकरी की सुरक्षा बढ़ाए, साथ ही 3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ मूल वेतन, डीए और एचआरए प्रदान करे। उन्होंने शिकायत की कि पिछले 15 महीनों से सरकारी अधिकारियों को अपने मुद्दों पर ज्ञापन देने के बावजूद कुछ हासिल नहीं हुआ है।

विश्वविद्यालयों को नियमित सहायक प्रोफेसरों की भर्ती करने में सक्षम बनाने वाले सरकार के हालिया जीओ एमएस 21 का विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की। शिक्षकों ने सरकार से मांग की है कि उनकी लंबित मांगों को हल करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने उनकी सेवाएं नियमित नहीं कीं तो विरोध प्रदर्शन और तेज किया जाएगा। अनुबंध सहायक प्रोफेसर- डॉ. धर्मा तेजा, डॉ. सीमारला विजेंदर रेड्डी, डॉ. परसुराम, डॉ. वेलपुला कुमार, डॉ. उपेंदर और अन्य ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

कुकटपल्ली में महिला ने पति की हत्या कर शव को दफनाया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कुकटपल्ली में एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी और बाद में शव को दफना दिया। हत्या कब हुई इसका विवरण अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन सोमवार को अपराध प्रकाश में आया। दंपत्ति की पहचान सैलू और कविता के रूप में हुई है। दोनों ही मेदक जिले के पपन्नापेट के दिहाड़ी मजदूर हैं और हाल ही में हैदराबाद आए थे। सैलू केपीएचबी के मित्रा हिल्स स्थित एक अपार्टमेंट में चौकीदार के तौर पर काम कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, सेलू को पिछले 15 सालों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं थीं। पिछले कुछ सालों से दोनों अलग-अलग रह रहे थे। हालांकि, हाल ही में वे फिर से एक हो गए। पुलिस के अनुसार, कविता ने अपनी छोटी बहन और बहनोई की मदद से कथित तौर पर सेलू को बिजली का झटका देकर मार डाला। उसकी मौत की पुष्टि करने के बाद, उन्होंने शव को एक सुनसान जगह पर ले जाकर झाड़ियों के बीच दफना दिया। हत्या का मामला तब प्रकाश में आया जब कविता अपने पैतृक स्थान पर वापस आई और उसने गांव के सरपंच से शिकायत की कि उसका पति लापता हो गया है। हालांकि, संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की गई तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली। केपीएचबी पुलिस जांच कर रही है।

महिला ने 4 साल की बेटी को जहर देकर की आत्महत्या की कोशिश

बच्ची की मौत, जिंदगी और मौत से जूझ रही महिला

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की और अपनी 4 साल की बच्ची को भी जहरीला पदार्थ पिला दिया। रविवार को बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि महिला अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है।

जानकारी के अनुसार महिला की पहचान नंबूरी कृष्णा पावनी (32) के रूप में हुई है, जो अपने पति संबाशिवा राव और बेटी जेसविका (4) के साथ बाचुपल्ली के आदित्य गार्डन स्थित एक अपार्टमेंट में रहती है। कृष्णा पावनी पिछले कुछ सालों से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं। उनका इलाज चल रहा है, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

इससे परेशान होकर उसने अपनी जान देने का फैसला किया। उसने 18 अप्रैल को सॉफ्ट ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर पी लिया और अपनी बेटी को भी पिला दिया। इसके बाद मां और बेटी बीमार हो गईं। अपने पति से डरी कृष्णा पावनी ने अगले दिन पति को इसकी जानकारी दी। संबाशिव राव ने तुरंत बाचुपल्ली पुलिस को सूचित किया और उसे इलाज के लिए केपीएचबी कॉलोनी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

जब मां का अस्पताल के आईसीयू आपातकालीन वार्ड में इलाज चल रहा था, तब जेसविका की हालत बिगड़ गई और रविवार सुबह उसे दूसरे निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बचुपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की चाकू घोंपकर हत्या

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार की सुबह चैतन्यपुरी में कुछ लोगों ने एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। हत्या का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पीड़ित की पहचान नागोले निवासी वी मनोज (24) के रूप में हुई है। वह अपने दोस्त वामशी के साथ टिफिन सेंटर में नाश्ता करने गया था, तभी संजय, महेश और तीन अन्य संदिग्धों ने उससे बहस की।

पुलिस के अनुसार, संजय ने मनोज के सीने, पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी तत्काल मौत हो गई। मनोज को बचाने की कोशिश करने वाले वामशी पर भी हमला किया गया, लेकिन वह मामूली रूप से घायल होकर भाग निकला।

जांच में पता चला कि 2023 में मनोज ने संजय पर हमला किया था, जिससे वह घायल हो गया था। एलबी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। दोनों पक्षों के बुजुर्गों ने पहले मनोज और संजय के बीच समझौता करवाया था। हालांकि वे शांत हो गए थे, लेकिन संजय अभी भी मनोज से रंजिश रखता था और उसे मार डाला। रविवार की रात को दोनों के बीच इसी बात को लेकर बहस हुई और पवन ने वेंकटेश्वरलू की पिटाई कर दी।

मनोज के भाई की शिकायत के आधार पर चैतन्यपुरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है।

एसआरटीसी के एमडी ने सुमाश्री को सम्मानित किया

पिता के निधन के बाद भी ग्रुप-1 में असाधारण प्रदर्शन

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने ग्रुप-1 में प्रतिभा दिखाने वाली गोर्ला सुमाश्री को बधाई और सम्मान दिया। वनपर्ती जिले के चिमनगुंटपल्ली गांव की सुमाश्री ने हाल ही में घोषित ग्रुप-1 के परिणामों में 179वीं रैंक हासिल की। उनके पिता गोर्ला कृष्णैया पहले वानापर्ती डिपो में कंडक्टर के रूप में कार्यरत थे। कारोना काल में निधन हो गया। यह जानते हुए कि उनकी बेटी ने ग्रुप-1 में असाधारण प्रदर्शन किया था, उसे टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने सम्मानित किया। उन्हें अपने कर्तव्यों का उत्कृष्टता के साथ निर्वहन करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में कंपनी के कार्यकारी निदेशक मुनीशेखर, मुख्य कार्मिक प्रबंधक उषा देवी, हैदराबाद-2 और वनपर्ती डिपो प्रबंधक कृष्णमूर्ति, वेणुगोपाल आदि ने भाग लिया।

कविता ने भद्राचलम श्री सीताराम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की

भद्राचलम, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने भद्राचलम में ऐतिहासिक श्री सीताराम चंद्र स्वामी मंदिर का दौरा किया, जहां मंदिर के पुजारियों और अधिकारियों ने पूर्णकुंभम सम्मान के साथ उनका पारंपरिक स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान, बीआरएस नेता एमएलसी कविता ने भगवान राम की पूजा की और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। उनके साथ राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, एमएलसी टाटा मधु और पूर्व विधायक रेगा कांथा राव, हरिप्रिया और चंद्रावती भी थीं। दर्शन के बाद, वैदिक विद्वानों ने श्री लक्ष्मी थायरम्मा मंदिर में प्रतिनिधिमंडल को अपना आशीर्वाद दिया, जो आध्यात्मिक रूप से एक महत्वपूर्ण यात्रा थी।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: eT-SrDME-WAT-302-2025, दिनांक: 15.04.2025

कार्य का नाम: 03 (तीन) वर्षों के लिए वाल्टियर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/सी एंड डब्ल्यू/ BD / विशाखापटनम, रायगढ़ और कोरापुट के अधीन 140 टन डीजल ब्रेकडाउन क्रेन न. 144001, 142034, 144032 की अन्य प्रणालियों के रखरखाव के लिए गैर-व्यापक एएमसी।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹55,22,400/-

निविदा दस्तावेज का मूल्य : ₹5,900/-

ईएमडी : ₹1,10,500/-, पूर्णता अवधि : 3 (तीन) वर्ष

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 06.05.2025 को 1500 बजे।

इन ई-निविदाओं के अधीन फर्म के लेटर हेड में जमा किये गये एवं समय पर प्राप्त डाक/कूरियर/फैक्स के माध्यम से भेजे गये या व्यक्तिगत रूप से जमा किये गये मैनुअल प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों को अवैध माना जाएगा और उन पर कोई विचार किये बिना उन्हें तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा।

उपरोक्त ई-निविदा के लिए ई-निविदा दस्तावेज सहित पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

नोट: भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए कृपया निविदा बंद होने की तिथि के 15 दिन पूर्व तक वेबसाइट को दोबारा देखें। वेबसाइट: www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (परिवहन) वाल्टियर

PR-53/Q/25-26

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं संग बैठक

हिंदू समाज एकजुट करने में वरिष्ठ स्वयंसेवक महत्वपूर्ण : मोहन भागवत

अलीगढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि वरिष्ठ कार्यकर्ता संगठन की ताकत हैं, जिन्होंने अपना जीवन समर्पित कर आदर्श स्थापित किए हैं। इसलिए शताब्दी वर्ष में हिंदू समाज को एकजुट करें, जिससे संघ के कार्यों को गति दी जा सके।

संघ प्रमुख ने यह बात 20 अप्रैल को डॉ. शन्नोरानी सरस्वती कन्या महाविद्यालय में ब्रज प्रांत के 44 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में कही। संघ प्रमुख ने कहा कि व्यक्ति निर्माण का केंद्र बिंदु शाखा है, इसलिए शाखाओं की संख्या जितनी अधिक होगी और प्रभावी होगी, उतना ही संगठन मजबूत होगा। राष्ट्र के प्रति समर्पित व्यक्तियों का संख्या बल बढ़ेगा। ऐसे ही व्यक्ति राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शताब्दी वर्ष में सात बिंदुओं पर आधारित कार्यक्रमों में ध्यान देने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष में संघ के स्थापना दिवस विजय दशमी पर प्रत्येक गांव, मंडल और बस्ती में कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं, जिसमें हिंदू समाज की अधिक से अधिक सहभागिता रहे इसके लिए प्रयास करने हैं। घर-घर जाकर संपर्क किया जाए, जिससे अधिक से अधिक परिवारों में संघ का संदेश पहुंच सके। प्रत्येक बस्ती और मंडल में हिंदू समाज के सम्मेलन आयोजित किए जाने हैं, जिसके लिए अभी से प्रयास किए जाएं। प्रमुखजन गोष्ठियां आयोजित की जाएं, जिससे समाज के गणमान्य नागरिकों और बुद्धिजीवियों को संगठन से जोड़ा जा सके। संघ प्रमुख ने कहा कि सभी प्रकार के भेदभाव को दूर कर समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ना है, जिसके लिए सामाजिक सद्भाव बैठकें आयोजित की जाएं। विजय दशमी 2026 से पूर्व अधिकतम स्थानों पर अधिकतम शाखाएं लगाई जाएं, ऐसा एक सप्ताह तक लगातार किया जाए।

इससे संघ कार्य को घर-घर पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग समाज की ताकत है, इसलिए युवाओं को संघ से जोड़ने के लिए युवा सम्मेलन का आयोजन किए जाए। जिनमें विद्यार्थी, युवा कारोबारी, खिलाड़ी तथा अन्य गतिविधियों में शामिल युवाओं को बुलाया जाए। वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने सवाल भी पूछे जिनके जवाब संघ प्रमुख ने दिए। वरिष्ठ स्वयंसेवकों में प्रचारक और प्रबुद्धजन भी थे। बैठक में क्षेत्र संघचालक सूर्य प्रकाश टोंक, प्रांत संघचालक शशांक भाटिया मौजूद रहे।

माफी मांगने के बाद भी अनुराग कश्यप के खिलाफ नहीं कम हो रहा गुस्सा

एफआईआर दर्ज करने की मांग

अयोध्या, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जाति विशेष पर अभद्र टिप्पणी करने और माफी मांगने के बाद भी फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ लोगों का गुस्सा कम नहीं हो रहा है। अब उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के लिए सीओ सिटी अयोध्या को तहरीर दी गई है। ये तहरीर धर्म सेना के प्रमुख संतोष दुबे ने दी है। संतोष दुबे ने कहा कि अनुराग कश्यप ने ब्राह्मणों के खिलाफ अभद्रता की है। गलत शब्दों का इस्तेमाल किया है। वह अपनी कई फिल्मों में इस तरह की हरकत कर चुके हैं। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए और उन्हें मुल्जिम बना कर अयोध्या लाया जाना चाहिए।

ये है पूरा मामला

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने अनंत महादेवन की फिल्म 'फुले' की रिलीज पर हो रही देरी पर निराशा जताई थी। इंस्टाग्राम पर दिए अपने पोस्ट में उन्होंने एक विशेष वर्ग को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की।

कांग्रेस नेता अलका लांबा ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, दी चुनौती

वाराणसी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी में कांग्रेस नेता अलका लांबा ने प्रेस वार्ता कर कहा कि नेशनल हेराल्ड अंग्रेजो से लड़ाई कर रहा था, तब आरएसएस अंग्रेजो की मुखबिरी कर रही थी। नेशनल हेराल्ड अंग्रेजी में था और इसी का उर्दू संस्करण कौमी आवाज निकाला गया और हिंदी में नवजीवन निकाला गया। कहा कि नेशनल हेराल्ड में भाजपा में दम हो तो साबित करके दिखाओ काशी से पीएम को चुनौती दे रहे हैं। अब भाजपा जजों को डराने धमकाने का काम कर रही है।

अलका लांबा ने कहा कि भाजपा सरकार आरएसएस की किताबों को विज्ञापन देती है, जो देश में नफरत फैलाती है। कहा कि निजी कंपनी वोडाफोन का 36 हजार करोड़ सरकार ने माफ किया। कहा कि ईडी ने पांच हजार मामले दर्ज किए और सजा सिर्फ 24 मामलों में हुई। 100 में 99 मामले में विपक्ष के खिलाफ दर्ज होते हैं। इस पर ईडी को जवाब देना चाहिए कि सत्ता के मामले में मामला दर्ज करते हैं लेकिन साबित क्यों नहीं कर पाते हैं। हम इसके खिलाफ पूरे देश में सड़कों पर निकलेंगे। संविधान बचाओ देश बचाओ की रैली को निकालकर इस आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे। लांबा ने कहा कि नेशनल हेराल्ड ने अंग्रेजों के युद्ध में हिस्सा लिया, यह देश की धरोहर है। हम इसे बचाएंगे।

कांग्रेस की सरकार आने पर जेल जाएंगे ये लोग

अलका लांबा ने कहा कि भाजपा डरी हुई है राहुल गांधी से। राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी। बंगला छीन लिया और सुरक्षा छीन ली। कोर्ट ने सब वापस किया। राहुल गांधी ने भाजपा को बहुमत से रोका है। इसी से भाजपा को बौखलाए हुए हैं। राहुल गांधी को रोकने के लिए ये सब कर रहे हैं। कहा कि कांग्रेस की सरकार आने के 10 महीने में ये सब लोग जेल में जाएंगे। अब कांग्रेस चुप नहीं रहेगी क्योंकि अब देश की संविधानिक संस्थाओं पर हमले ही रहे हैं। कोर्ट पर हमले कर रहे हैं।

भाजपा की वाशिंग मशीन में जो जाता है धूल जाता है

लांबा ने कहा कि भाजपा की वाशिंग मशीन में जो जाता है, धूल जाता है और भाजपा में मंत्री बन जाता है। पीएम संसदीय क्षेत्र में कमजोर हुए हैं। यूपी ने उनके रथ को रोका है।

यूपी डीजीपी का अखिलेश के बयान पर पलटवार

बोले-नियम से होती है थानेदारों की तैनाती, भ्रामक बयान न दें

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। थानेदारों की तैनाती में भेदभाव के सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान की डीजीपी प्रशांत कुमार ने निंदा करते हुए कहा कि जिम्मेदार पद पर बैठे लोगों को ऐसे भ्रामक बयान देने से बचना चाहिए। डीजीपी ने कहा कि सोशल मीडिया में थानेदारों की तैनाती में जाति को लेकर कुछ पोस्ट वायरल हो रही है। उन्होंने बताया कि थानेदारों की तैनाती शासन के नियमों के अनुरूप की जा रही है। गैर जिम्मेदाराना तरीके से जो संख्या बताई जा रही है, वह गलत है। संबंधित जिलों की ओर से आपत्ति जताते हुए सही जानकारी दी जा रही है। जिलों ने इस तरह की गलत बयानबाजी का खंडन भी किया गया है। जनरल, एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के थानेदारों की तैनाती में शासन के आदेशों का पालन किया जा रहा है। जिम्मेदार लोगों को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले भी योगी सरकार पर थानाध्यक्षों की तैनाती में जातिवाद का आरोप लगाते रहे हैं। वहीं, बीते दिनों अमर उजाला के संवाद में आए अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा था कि यूपी का अगला डीजीपी कार्यवाहक होगा और एक जाति विशेष से होगा।

कांग्रेस के 'युवराज' विदेशों में करते हैं भारत को बदनाम उनकी नीति और नीयत में खोट : अनुराग ठाकुर

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर सोमवार को बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के युवराज हमेशा ही दुनियाभर में भारत को बदनाम करने का काम करते हैं। राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर की गई टिप्पणी को लेकर अनुराग ठाकुर ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के युवराज हमेशा दुनियाभर में भारत को बदनाम करने का काम करते आए हैं। जिस पार्टी ने 60 साल तक देश में राज किया हो और जब वही पार्टी चुनाव हारती है तो उस पर चिंतन नहीं करती है। साथ ही वह ये नहीं सोचते हैं कि जनता ने उन्हें क्यों नकारा है। कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र खत्म हो चुका है, जो सिर्फ एक परिवार तक सीमित होकर रह गया है। राहुल गांधी सिर्फ अपने विदेशी दौरों के दौरान भारत और उसकी संस्थाओं को बदनाम करने का काम करते हैं। वह कभी ईवीएम पर ठीकरा फोड़ते हैं तो कभी चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं। कांग्रेस वही पार्टी है, जिसने रिमोट कंट्रोल के जरिए सरकार को चलाया है।

भीमराव अंबेडकर सम्मान कार्यक्रम में शामिल होने पटना पहुंचे भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस के लिए बिहार में है क्या? न उनका नेता है, न नीति है और उनकी नीयत में भी खोट है। जब-जब कांग्रेस ने यहां पर किसी का समर्थन किया है तो उनके आने से बिहार में सिर्फ जंगलराज आया है। बिहार के लोग विकास चाहते हैं और जेडीयू-भाजपा की गठबंधन सरकार ने शानदार काम किया है। उन्होंने आगे कहा, केंद्र और राज्य सरकार बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम कर रही है। अगले पांच साल भी बिहार के लिए महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि जिस तरह से यहां पर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रेल समेत अन्य क्षेत्रों में काम हुआ है, वो सराहनीय कदम है। मुझे उम्मीद है कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है।

अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के बिहार प्रेम से सब वाकिफ हैं। उन्होंने बिहार के विकास का खास ख्याल रखा है और मखाना बोर्ड का भी गठन किया गया। इसके अलावा, बिहार में गंगा नदी पर पुल बनाने, रेलवे लाइनें बिछाने और सड़क मार्ग का विस्तार करने का काम किया गया। बिहार को बड़ी सौगातें मिलती रही हैं और पीएम मोदी तथा सीएम नीतीश कुमार राज्य को आगे ले जाने का काम करते रहेंगे। अपने बिहार दौरे के बारे में जानकारी देते हुए भाजपा नेता ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती देशभर में मनाई गई।

बिलासपुर में बरात से लौट रहे पिता-पुत्र समेत तीन की मौत

तेज रफ्तार ट्रक बाइकों को मारी टक्कर

रामपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में नैनीताल रोड पर बरात से वापस लौटते समय बाइक सवार पिता पुत्र और पुत्रवधु को भूसे से भरे ट्रक ने रौंद दिया। इससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में ले लिया। हादसे में मृत केमरी थाना क्षेत्र के सुनारखेड़ा के रहने वाले हैं।

यह हादसा बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र के धावनी हसनपुर गांव के पास का है। केमरी थाना क्षेत्र के सुनारखेड़ा गांव निवासी मियां जान (68) अपने बेटे मोहम्मद आमीन (37), उनकी बहू शकीना बी (35) रविवार की रात में बिलासपुर में किसी रिश्तेदार के यहां बरात में शामिल होने गए थे। रात करीब 11 बजे तीनों लोग दो बाइकों से वापस लौट रहे थे। धावनी हसनपुर गांव के पास मियां जान फोन पर किसी से बाइक रोककर बात करने लगे। उनको रुका देखकर आमीन और उनकी पत्नी शकीना रुक गईं। तीनों लोग बाइक खड़ा कर बातें करने लगे। इस बीच बिलासपुर से आते भूसे से भरे ट्रक ने तीनों को रौंद दिया। इसमें तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

लखीमपुर खीरी में पति-पत्नी ने दी जान

लखीमपुर खीरी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के फरधान थाना क्षेत्र में रविवार रात गांव नकहापिपरी में घरेलू कलह के कारण पति-पत्नी ने एक ही साड़ी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना नहीं दी। रात में ही शवों का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। मृतका के मायकेवालों की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर दाह संस्कार रूकवा दिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। फरधान थाना क्षेत्र नकहा पिपरी सासिया कॉलोनी निवासी मनोज सिंह (48 वर्ष) और उसकी पत्नी तारावती (32 वर्ष) ने साड़ी का फंदा बनाकर झोपड़ी में लटककर आत्महत्या कर ली। मृतका की मां मुन्नी देवी और भाई सोनू ने बताया कि दंपती आधी रात के बाद कमरे में छत के कुंडे से फंदा बांधकर लटक गए थे।

देवरिया में सौरभ जैसा हत्याकांड : पत्नी ने प्रेमी संग किया दुबई से लौटे पति का मर्डर, 55 किमी दूर फेंकी लाश

देवरिया, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अब देवरिया में सौरभ जैसा हत्याकांड सामने आया है। पत्नी ने प्रेमी के साथ दुबई से लौटे पति की हत्या कर दी। इसके बाद लाश को घर से 55 किमी दूर ठिकाने लगा दी। पुलिस ने मामले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा किया है। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। मेरठ में हुए सौरभ हत्याकांड की तरह ही यह मामला है। एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर डाली। इसके बाद लाश को 55 किलोमीटर दूर ठिकाने लगाया।

दरअसल, देवरिया के तरकुलवा मईल थाना इलाके के भटौली गांव में प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। प्रेमी के साथ मिलकर नाजायज संबंध में बाधक बन रहे पति को मौत के घाट उतारने के बाद शव ट्राली बैग में भरकर घर से 55 किमी दूर तरकुलवा क्षेत्र में फेंक दिया।

रविवार की सुबह खेत में ट्रॉली बैग में लाश मिलने पर पुलिस की जांच में मामला सामने आया। पुलिस आरोपी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। तरकुलवा थानाक्षेत्र पकड़ी छापर पटखौली गांव के जितेंद्र गिरी गेहूं की फसल कटवाने के लिए कंबाइन मशीन लेकर खेत में पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर बगल के मदन जायसवाल के खाली पड़े खेत में रखे एक ट्रॉली बैग पर पड़ी।

बैग में निकली युवक की लाश

उन्होंने इसकी सूचना डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही तरकुलवा थानेदार टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ट्रॉली बैग के आसपास के क्षेत्र की बैरिकेडिंग करा दी और उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी। कुछ ही देर में एएसपी अरविंद वर्मा, सीओ सिटी संजय रेड्डी के साथ डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई। ट्रॉली बैग खोला गया तो उसमें एक युवक की लाश मिली। युवक के सिर पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे। पुलिस के खेत में ट्रॉली बैग के पास मिले एक कागज की फोटोकॉपी, एक विदेशी सिमकार्ड व बार कोड के जरिये मृतक की पहचान मईल थानाक्षेत्र के भटौली गांव निवासी नौशाद अहमद (38) के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस टीम नौशाद के मईल क्षेत्र स्थित गांव पहुंची और जांच-पड़ताल के साथ ही उसकी पत्नी को हिरासत में ले लिया।

प्रसव के बाद शिक्षिका की मौत, आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष समेत चार डॉक्टरों पर रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के पुवायां के कंपोजिट स्कूल भटपुरा चंदु में तैनात सहायक अध्यापक चारू आहूजा की मौत के मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.पवन अग्रवाल समेत चार डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मृतका के परिजन ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

थाना सदर बाजार क्षेत्र के मोहल्ला मोहनगंज वाडूजई द्वितीय निवासी चारू आहूजा की रविवार रात आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.पवन अग्रवाल के कमला नर्सिंग होम में मौत हो गई थी। नाराज परिजन ने हंगामा करते हुए बेरी चौकी से केरूगंज जाने वाले मार्ग पर जाम लगाकर विरोध जताया था। रात करीब 12 बजे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था। इस मामले में मृतका पिता मुकेश आहूजा की ओर से चौक कोतवाली में तहरीर दी गई। इसमें बताया कि उन्होंने प्रसव पीड़ा होने पर चारू को बृजदीप नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। ऑपरेशन के बाद पुत्री को जन्म दिया। महिला को दिनभर शौच की दिक्कत रही। पूरे मामले में डॉ.दीपा सक्सेना ने लापरवाही करती रहीं। डॉ.पाठक और डॉ.पवन अग्रवाल व अन्य डॉक्टरों के साथ आईसीयू में रखा गया।

हापुड़ में कहासुनी के बाद दो पक्षों में संघर्ष

सिंभावली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ जिले के सिंभावली थाना इलाके के गांव सेना में दो दिन पूर्व हुई कहासुनी के बाद सोमवार को दो पक्षों के बीच जमकर पथराव हो गया। पथराव के दौरान दोनों पक्ष की ओर से फायरिंग भी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस की गाड़ी पर पथराव किया गया। इस दौरान पुलिस की गाड़ी का शीशा भी टूट गया। पुलिस ने मौके से चार महिला समेत करीब दस लोगों को हिरासत में लिया है। गांव निवासी समीर और शाहकामल के बीच दो दिन पहले चारा लेकर आने के दौरान कहासुनी हो गई थी।

'टुकड़े कराकर नीले ड्रम में चिनवा दूंगी'

फोन पर बात करने से मना किया तो पत्नी ने पति को दे डाली धमकी

रामपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पति ने रिश्तेदार से फोन पर बात करने को मना किया तो उसकी पत्नी ने पति को नीले ड्रम में चिनवाने की धमकी दे डाली। नीले ड्रम का खौफ युवक पर ऐसा छाया कि वह इन्साफ की गुहार लगाने पुलिस के पास पहुंच गया। पुलिस को उसने तहरीर देते हुए इन्साफ दिलाने की गुहार लगाई है। नीले ड्रम का खौफ लगातार बढ़ रहा है। नीले ड्रम के खौफ का यह मामला थाना शाहाबाद के भीतर गांव का है। गांव निवासी प्रेमपाल ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह पंद्रह साल पूर्व हुआ था। वैवाहिक जीवन के दौरान उसकी पत्नी ने दो पुत्र व एक पुत्री को जन्म दिया। उनका वैवाहिक जीवन बहुत ही खूबसूरत तरीके से बीत रहा था। वह सब्जी बेचकर परिवार का पालन पोषण करता है। इस दौरान उसके साले का साढ़ू उसकी पत्नी के संपर्क में आ गया। दोनों के बीच लगातार बातचीत के कारण पत्नी आए दिन उसके साथ झगड़ा करने लगी तथा आत्महत्या की धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दी। प्रेमपाल ने पत्नी को लाख समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। रविवार को झगड़े के दौरान पत्नी ने प्रेमपाल से कहा कि यदि वह उसके और उसके जीजा के बीच में आया तो वह आत्महत्या कर लेगी और अगर आत्महत्या नहीं की तो उसके टुकड़े करवाकर नीले ड्रम में चुनवा देगी।

पांच अस्पतालों में बनेगा अमरनाथ यात्रा के लिए प्रमाणपत्र, लंबी लाइनों से मिलेगी निजात

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमरनाथ श्रद्धालुओं को अब स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनवाने के लिए लंबी कतार नहीं लगानी होगी। अब जिले के पांच अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनेंगे। अभी तक दो ही अस्पतालों में इसकी सुविधा थी। यहां प्रमाणपत्र बनवाने में श्रद्धालुओं को काफी दिक्कत झेलनी पड़ रही थी।

पांच अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनाने का आदेश जारी हो गया है। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर नौ अगस्त को समाप्त होगी। श्रद्धालुओं का पंजीकरण 14 अप्रैल से शुरू हो गया है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनवाने के लिए सरकारी अस्पतालों की सूची जारी कर रखी है। सूची में इस बार लखनऊ के दो अस्पतालों (सिविल और आरएलबी संयुक्त अस्पताल) का ही नाम था। अब श्राइन बोर्ड ने संशोधित सूची ऑनलाइन जारी की है, जिसमें पांच अस्पतालों को प्रमाणपत्र जारी करने की अनुमति दी गई है। अब सिविल व आरएलबी के अलावा बलरामपुर, लोकबंधु व महानगर बीआरडी अस्पताल में भी प्रमाणपत्र बन सकेगा। श्री अमरनाथ सेवा संस्थान के महामंत्री ओम प्रकाश निगम ओमी ने बताया कि संस्था हर बार अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की मांग करती है। सरकार को प्रत्येक 100 बेड के अस्पताल को श्राइन बोर्ड की सूची में जुड़वाना चाहिए।

शाहजहांपुर हादसा : भाजपा विधायक भड़कीं

शाहजहांपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। निगोही-बीसलपुर मार्ग पर पुलिस की चेकिंग के दौरान सिपाही के डंडा मारने पर बाइक अनियंत्रित होने से महिला सड़क पर गिर गई थी। पीछे से आए डंपर से बाइक टकराने के बाद महिला के ऊपर से पहिया गुजर गया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद मौके पर पहुंचीं भाजपा विधायक ने पुलिस को खरी-खोटी सुनाई। शाहजहांपुर के निगोही में जठिया गांव के पास रविवार शाम बाइक पर डंडा मारने से अनियंत्रित हुई बाइक से गिरी महिला की डंपर से कुचलकर मौत के बाद काफी हंगामा हुआ। सूचना पर तिलहर विधानसभा से भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा भी मौके पर पहुंचीं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी-बच्चों संग पहुंचे अक्षरधाम

भारतीय परिधान में दिखाई दिया परिवार

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पत्नी उषा अपने तीन बच्चों के साथ सोमवार को दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर गए। सुबह दिल्ली पहुंचे वेंस का हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गर्मजोशी से स्वागत किया। वेंस, उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा चिलुकुरी और उनके बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल, तीनों भारतीय परिधान पहने हुए दिखाई दिए। मंदिर के बाहर उन्होंने तस्वीरें भी खिंचवाईं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ भारत की अपनी चार दिवसीय यात्रा पर वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी है। वे जयपुर और आगरा भी जाएंगे। सोमवार शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपराष्ट्रपति के साथ बातचीत करने के बाद वेंस के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। वेंस की पहली भारत यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत सहित लगभग 60 देशों के खिलाफ व्यापक टैरिफ व्यवस्था लागू करने और फिर उसे स्थगित करने के हफ्तों बाद हुई है।

सुबह ही भारत पहुंचे वेंस

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार को भारत पहुंचेंगे। वेंस भारतीय मूल की पत्नी उषा और तीन बच्चों के साथ आ रहे हैं। इस बीच, भारत रवाना होने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनका परिवार रोम चियाम्पिनो एयरपोर्ट पर पहुंचा। जहां से वे एयर फोर्स टू (एएफ2) विमान में सवार होकर भारत की राजधानी नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। सोमवार को सुबह 9:30 बजे IST के आसपास वे दिल्ली पहुंचेंगे। रोम से दिल्ली रवाना होने के दौरान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जेडी वेंस के बच्चे को दोनों हाथों में तलवार लेकर खेलते देखा गया। अमेरिकी उपराष्ट्रपति शाम साढ़े छह बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात करेंगे। इस दौरान व्यापार, टैरिफ, क्षेत्रीय सुरक्षा और समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने जैसे अहम मुद्दों पर बातचीत होगी।

जेडी वेंस की पहली भारत यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत समेत लगभग 60 देशों पर जवाबी टैरिफ लगाने और फिर उस पर रोक लगाने के कुछ सप्ताह में हो रही है। भारत और अमेरिका, टैरिफ व बाजार पहुंच समेत विभिन्न मुद्दों का हल निकालने के लिए लगातार द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। पीएम मोदी व वेंस के बीच सोमवार की बैठक में समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के साथ दोनों देशों में संबंधों को और बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वेंस के साथ पेंटागन व विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे, जबकि भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा शिरकत करेंगे।

'विदेशी धरती पर देश का अपमान करना राहुल की पुरानी आदत'

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के बोस्टन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान और नेशनल हेराल्ड मामले में उनके शामिल होने को लेकर भाजपा हमलावर है। दरअसल, राहुल ने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान भारतीय चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। इसे लेकर सांसद संबित पात्रा ने कहा, 'विदेशी धरती पर देश का अपमान करना राहुल गांधी की पुरानी आदत है। वे लंबे समय से ऐसा करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईडी ने अपनी चार्जशीट में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के नाम का उल्लेख किया है। वे देश को लूटने के आरोप में जेल भी जा सकते हैं। इस बीच कांग्रेस पार्टी पूरे देश में अशांति का माहौल बना रही है। जो लोग 50,000 रुपये की जमानत पर बाहर हैं, अगर उन्हें लगता है कि वे विदेश जाकर वहां बोलकर इस महान लोकतंत्र की छवि को नष्ट कर सकते हैं, तो वे पूरी तरह गलत हैं।

निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की तैयारी

> *सुप्रीम कोर्ट ने कहा-हमारी मंजूरी जरूरी नहीं*

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा न्यायापालिका पर की गई टिप्पणी पर विवाद हो गया है और अब उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की तैयारी हो रही है। सोमवार को जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के सामने एक याचिका आई, जिसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की हालिया टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मांगी गई। इस पर पीठ ने कहा कि आप इसे दायर करें, याचिका दायर करने के लिए आपको हमारी मंजूरी की जरूरत नहीं है।

अटॉर्नी जनरल को लिखा पत्र

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को इस मामले में अटॉर्नी जनरल से मंजूरी लेने की जरूरत है। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील अनस तनवीर ने दायर की है। अनस तनवीर भी वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं में से एक का पक्ष सुप्रीम कोर्ट में रख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमाणी को पत्र लिखकर उनकी मंजूरी मांगी है। पत्र में कहा गया है कि दुबे ने सर्वोच्च अदालत की गरिमा को कम किया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को अपने एक बयान में सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ टिप्पणी की थी। इसमें दुबे ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाएगा तो फिर संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। भाजपा सांसद ने मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर तंज कसते हुए कहा कि देश में गृह युद्ध के लिए सीजेआई जिम्मेदार होंगे।

वक्फ संशोधन कानून को लेकर की टिप्पणी

निशिकांत दुबे की यह टिप्पणी वक्फ संशोधन कानून को लेकर आई। वक्फ संशोधन कानून के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के कुछ प्रावधानों को लेकर सवाल उठाए हैं, जिसके बाद केंद्र सरकार ने अगली सुनवाई तक कानून के कुछ प्रावधानों को लागू करने पर रोक लगा दी है। भाजपा ने भी शनिवार को खुद को निशिकांत दुबे के बयान से अलग कर लिया और दुबे के बयान को उनके निजी विचार बताया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी नेताओं से अपील की है कि वे ऐसी टिप्पणियां न करें।

पूर्व डीजीपी के बेटे को मां-बहन पर शक

> *दर्ज कराई एफआईआर > हत्या के आरोप में दोनों गिरफ्तार*

बंगलूरू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश हत्याकांड में आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब उनके बेटे ने अपनी मां और बहन पर हत्या का आरोप लगाया है। दोनों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज कर ली है। पूर्व डीजीपी के बेटे कार्तिकेश की शिकायत के आधार पर उनकी पत्नी और बेटी परहत्या के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

जान से मारने की धमकी दे रही थी मां

अपनी शिकायत में कार्तिकेश ने आरोप लगाया कि उनकी मां पल्लवी पिछले एक सप्ताह से उनके पिता ओम प्रकाश को जान से मारने की धमकी दे रही थीं। इन धमकियों के कारण मेरे पिता अपनी बहन सरिता कुमारी के घर रहने चले गए थे। दो दिन पहले मेरी छोटी बहन कृति कुमारी के घर गई और मेरे पिता ओम प्रकाश पर घर वापस आने का दबाव बनाया। वह उनकी मर्जी के खिलाफ उन्हें वापस ले आई।

बेटे को कैसे पता चला?

कार्तिकेश ने बताया कि रविवार को शाम करीब 5 बजे जब वह डोमलूर में कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन में थे, तब उनकी पड़ोसी जयश्री श्रीधरन ने उन्हें फोन करके बताया कि उनके पिता नीचे पड़े हुए हैं। मैं घर पहुंचा (एचएसआर लेआउट में स्थित) और मौके पर पुलिस अधिकारियों और लोगों को पाया। मेरे पिता खून से लथपथ पड़े थे और उनके सिर और शरीर पर चोटें थीं। उनके शरीर के पास एक टूटी हुई बोतल और एक चाकू पड़ा था। इसके बाद उन्हें सेंट जॉन्स अस्पताल ले जाया गया।

पल्लवी और कृति को गिरफ्तार किया गया

कार्तिकेश ने कहा, 'मेरी मां पल्लवी और मेरी बहन कृति अक्सर मेरे पिता से झगड़ती थीं। मुझे पक्का संदेह है कि वे मेरे पिता की हत्या में शामिल हैं। मैं इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध करता हूं।' पुलिस ने इस सिलसिले में पल्लवी और कृति को गिरफ्तार किया है।

2015 को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था

68 वर्षीय सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी चंपारण, बिहार के मूल निवासी थे और उनके पास भूविज्ञान में मास्टर डिग्री थी। ओम प्रकाश को 1 मार्च, 2015 को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था।

दिल्ली कोर्ट में मुजरिम-वकील ने जज को धमकाया

बाहर मिल, देखते हैं घर कैसे जिंदा जाती हो; चेक बाउंस केस में सुनाया था फैसला

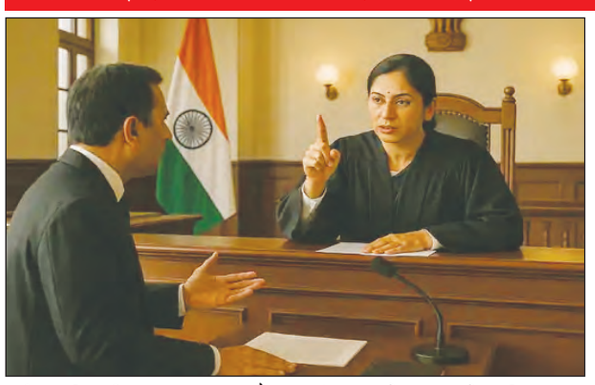

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत में जज को मुजरिम और उसके वकील ने धमकाया। जज ने चेक बाउंस केस में आरोपी को मुजरिम करार दिया था। इसके बाद मुजरिम और उसके वकील ने जज को जान से मारने की धमकी दी। केस की सुनवाई ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट शिवांगी मंगला की कोर्ट में हो रही थी। कोर्ट ने आरोपी को चेक बाउंस का दोषी करार दिया और अगली सुनवाई तक बेल बॉन्ड फरने का आदेश दिया था। इस फैसले के बाद मुजरिम और उसके वकील ने जज से कहा- तू है क्या चीज, बाहर मिल। देखते हैं घर जिंदा कैसे पहुंचती है। घटना 2 अप्रैल की है।

मुजरिम ने जज पर कोई चीज फेंकी

लॉ वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक, फैसला सुनाए जाने के बाद मुजरिम ने जज पर कोई चीज भी फेंकी। मुजरिम ने अपने वकील से कहा कि इस फैसले को अपने पक्ष में लाने के लिए जो करना है करो। वकील ने भी जज को मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित किया।

दोनों महिला जज को अपने पद से इस्तीफा देने के लिए दबाव बना रहा था। इसके बाद दोनों फिर बदतमीजी करने लगे और कहने लगे कि आरोपी को बरी किया जाए। जज शिवांगी मंगला ने अपने फैसले में कहा कि दोनों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। नेशनल कमिशन फॉर वुमन इस मामले में एक्शन लेगा।

जज ने कहा-न्याय के लिए जो जरूरी, किया जाएगा

महिला जज ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में, चाहे वो विपरीत ही क्यों न हों.. न्याय की रक्षा के लिए जो जरूरी होगा किया जाएगा। अदालत ने मुजरिम के वकील अतुल कुमार को भी शोकॉज नोटिस जारी किया है कि उनके खिलाफ महिला से अभद्रता करने के लिए आपराधिक मामला क्यों न दर्ज किया जाए।

सीएम रेखा ने लॉन्च किया हीट एक्शन प्लान 2025

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री सीएम रेखा गुप्ता ने हीट एक्शन प्लान 2025 लॉन्च किया। इस बार का एक्शन प्लान तकनीकी सहयोगियों, शैक्षणिक संस्थानों, एनजीओ, शासन, प्रशासन और जनभागीदारी का समावेश है। हीट वेब से दिल्ली के हर व्यक्ति को सुरक्षित रखना लक्ष्य है। खासकर बाहर काम करने वाले लोगों और कामगारों को सुरक्षित रखने पर फोकस है।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता के अलावा कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पंकज सिंह, एनडीएमए अध्यक्ष, दिल्ली सरकार के सचिव, सभी 11 जिलों के डीएम मौजूद रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने सिविल सर्विस डे की बधाई दी। उन्होंने कहा, 'शासन-प्रशासन के सहयोग से विकसित दिल्ली, विकसित भारत के लिए काम कर सकते हैं।

इंसाफ दो या इच्छा मृत्यु : अंबाला के पंच ने पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल पर आरोप लगा पूरे शहर में चस्पा किए पोस्टर

अंबाला, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में एक व्यक्ति इच्छा मृत्यु की मांग कर रहा है। शख्स ने शहर में कई जगह पोस्टर भी चस्पा किए हैं। इन पोस्टरों पर पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल का नाम भी लिखा है। चर्चा यह है कि आखिर व्यक्ति इच्छा मृत्यु की मांग क्यों कर रहा है। इच्छा मृत्यु की मांग करने वाले एक नहीं बल्कि दो लोग हैं, जिनमें एक गांव का पंच भी है। इन लोगों ने पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल पर सत्ता का गलत प्रयोग करने के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में दोनों लोगों की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी वायरल हो रही है। जिसमें वह एक केस का जिक्र करते हुए असीम गोयल द्वारा पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने का आरोप लगा रहे हैं। इसके साथ ही शहर में कुछ स्थानों पर इस बाबत सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर भी चस्पा किए गए हैं। जिसमें पीड़ितों द्वारा इच्छा मृत्यु या इंसाफ दिलाने की मांग की गई है। बताया जाता है कि इस संबंध में पीड़ितों ने राष्ट्रपति को भी पत्र लिखा है। मामला बहबलपुर गांव से जुड़ा बताया जा रहा है। जिसमें पीड़ित दलजीत सिंह व पंच रवि कुमार का आरोप है कि गांव में एक जमीन है। इसको लेकर सरपंच और पंचायत विवाद पैदा कर रहे हैं। इस मामले को कोर्ट में भी चुनौती दी गई, जहां पीड़ितों की जीत हुई।

पोस्टरों पर लिखे मोबाइल नंबर बंद

उन्होंने बताया कि जमीन के मामले को लेकर कोर्ट ने उन्होंने स्टे भी लिया है मगर इस स्टे आदेश की तामील नहीं कराई जा रही है। पीड़ितों का आरोप है कि पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल इसमें हस्तक्षेप कर रहे हैं। पीड़ितों पर मुकदमे भी दर्ज कराए गए हैं। इन पोस्टरों पर तीन मोबाइल नंबर लिखे हैं और तीनों ही बंद हैं।

क्या कहते हैं पूर्व मंत्री गोयल

वहीं दूसरी तरफ पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने आरोपों को झूठा बताया है। उनका कहना है कि इस मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह विरोधियों की साजिश है जो उनकी राजनीतिक छवि को खराब कर रहे हैं।

बच्चों की तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के द्वारका इलाके में नवजात शिशुओं की तस्करी के मामले में सख्त रुख अपनाया। अदालत ने कहा कि राजधानी में हालात बद से बदतर₹ होते जा रहे हैं। साथ ही कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को गिरोह की सरगना पूजा और तीन लापता बच्चों को ढूंढने के लिए हर जरूरी कदम उठाने का आदेश दिया। बता दें कि मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी से सीधे बातचीत की। अदालत ने कहा, ₹आपको किसी भी कीमत पर इन बच्चों को ढूंढना होगा।

मामले में पीठ ने जताई चिंता

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ते मामले को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि कुछ मामलों में माता-पिता खुद अपने बच्चों को बेच रहे हैं, जो बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में बच्चे कहां जाते हैं, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता।

पीएम मोदी ने रोहतक के रणदीप हुड्डा की पीठ थपथपाई

> *मां और बहन के साथ प्रधानमंत्री से मिले बॉलीवुड एक्टर; बोले-उनकी सोच प्रेरणादायक*

पानीपत, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के रहने वाले बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इसकी जानकारी उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी। इस मुलाकात को उन्होंने अपने लिए एक बड़ा सम्मान और सौभाग्य बताया।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने उनकी पीठ थपथपाई है। इससे उन्हें अपने फील्ड में अच्छा काम करने और देश की उन्नति में योगदान देते रहने की प्रेरणा मिलती है। इस मुलाकात के दौरान रणदीप की मां आशा हुड्डा और बहन डॉ. अंजलि हुड्डा भी उनके साथ थीं। हाल ही में रणदीप हुड्डा की सनी देओल के साथ जाट मूवी रिलीज हुई है। मूवी में रणदीप ने विलेन का रोल किया है। 10 अप्रैल को फिल्म के रिलीज होने के बाद ईसाई समुदाय ने एक सीन पर आपत्ति जताई थी। जिसके बाद जालंधर में रणदीप हुड्डा, सनी देओल व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। विवाद बढ़ने पर फिल्म से वो सीन हटा दिया गया था।

पीएम से मिलना मेरा सौभाग्य

एक्टर रणदीप हुड्डा ने प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के बाद लिखा - भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना मेरे लिए सबसे बड़े सम्मान और सौभाग्य की बात है। उनके विचार, ज्ञान और भविष्य को लेकर उनकी सोच हमारे महान देश को हमेशा प्रेरित करती है। जब उन्होंने पीठ थपथपाई तो मुझे अपने क्षेत्र में और भी बेहतर काम करने के साथ देश की प्रगति में योगदान देने की प्रेरणा मिली। मुलाकात के दौरान हमने दुनिया में अपनी धाक जमा रहे भारतीय सिनेमा के बारे में बात की। इसके अलावा हमने फिल्मों में सच्ची कहानियों की ताकत और भारत सरकार के नए ओटीटी (ओवर द टॉप) प्लेटफॉर्म वेव्स पर भी चर्चा की। यह विश्व स्तर पर भारतीय आवाज को बढ़ावा देगा। रणदीप ने कहा, यह मेरे परिवार के लिए भी गौरव का क्षण रहा। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान मेरी मां आशा हुड्डा और मेरी बहन डॉ. अंजली हुड्डा भी मेरे साथ थीं। इन दोनों ने भी प्रधानमंत्री की कुछ स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं (जैसे- फिट इंडिया मूवमेंट, पोषण अभियान, खेलो इंडिया) के बारे में अपने विचार रखे।

'मैं भारत के विचार में यकीन रखता हूं, नफरत की राजनीति में नहीं'

निशिकांत दुबे पर कुरैशी का पलटवार

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे अपने बयानों को लेकर इन दिनों लगातार चर्चा में हैं। जहां अब इस मामले में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने सोमवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर पलटवार किया है।कुरैशी ने कहा कि वे भारत के उस विचार में विश्वास रखते हैं जहां किसी इंसान को उसकी काबिलियत और काम से पहचाना जाता है, न कि धर्म से। कुरैशी ने कहा कि मैंने पूरी निष्ठा के साथ चुनाव आयोग में काम किया है और मेरा आईएएस करियर भी काफी संतोषजनक रहा है। लेकिन कुछ लोग अपनी नफरत भरी राजनीति के लिए धर्म को आधार बनाते हैं। बता दें कि एसवाई कुरैशी जुलाई 2010 से जून 2012 तक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे थे। इस पूरे विवाद ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस को जन्म दिया है। कुरैशी ने आगे कहा कि भारत हमेशा संविधान और उसके सिद्धांतों के साथ खड़ा रहा है और आगे भी खड़ा रहेगा। दिल्ली प्रशासन अधिकारी मंच के अध्यक्ष महेश और पूर्व राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी ने भी कुरैशी का समर्थन किया।

इसरो को दूसरी बार डॉकिंग में कामयाबी, दो सैटेलाइट्स जोड़े

पहली बार जनवरी में स्पेस डॉकिंग की थी, ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश

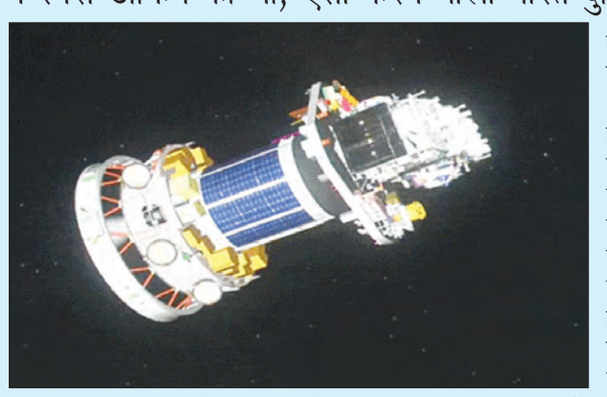

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। इसरो ने दूसरी बार अंतरिक्ष में दो सैटेलाइट्स की सक्सेसफुली डॉकिंग की है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को X पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब दोबारा डॉकिंग की सफलता के बाद, आने वाले दो हफ्तों में और भी वैज्ञानिक प्रयोग किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा-यह मिशन भारत की स्पेस टेक्नोलॉजी में स्वदेशी क्षमताओं का एक अहम उदाहरण बनकर उभरा है। दरअसल, इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को पीएसएलवी-सी60/स्पाडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था। 16 जनवरी को सुबह 6:20 बजे सेटेलाइट्स का पहला डॉकिंग हुआ था। फिर 13 मार्च को सुबह 9:20 बजे सफलतापूर्वक इसे अनडॉक किया गया। भारत 16 फरवरी को अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को सक्सेसफुली डॉक करने वाला चौथा देश बना था। इससे पहले रूस, अमेरिका और चीन ही ऐसा करने में सफल रहे हैं। इस मिशन की कामयाबी पर चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे मिशन्स निर्भर थे। चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल पृथ्वी पर लाए जाएंगे। वहीं गगनयान मिशन में मानव को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इससे पहले 7 जनवरी को इस मिशन में दोनों सैटेलाइट्स को कनेक्ट किया जाना था, लेकिन इसे टाल दिया गया। फिर 9 जनवरी को भी तकनीकी दिक्कतों के कारण डॉकिंग टल गई। 12 जनवरी को सैटेलाइट्स को 3 मीटर तक पास लाने के बाद वापस इन्हें सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया था।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 22 अप्रैल - 2025

पाकिस्तान के टुकड़े - टुकड़े होने का वक्त आ गया है

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में जनाक्रोश लगातार बढ़ रहा है। यह क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार की कमी से जूझ रहा है, जिसके कारण स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए हैं। वर्तमान में, लोग सरकार से बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य बुनियादी जरूरतों की बहाली की मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ रहे हैं, और विरोध करने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। लोग गर्मी के बावजूद अपनी आवाज उठाने के लिए सड़कों पर हैं। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों कह रहे हैं कि पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होने का वक्त आ गया है। दरअसल पाकिस्तान के टूटने की शुरुआत साल 1971 में हो गई थी, जब भारत की मदद से बांग्लादेश बना. इसके बनने के पीछे भी 24 सालों का असंतोष था. उसके बाद पीओके . सिंधुदेश की मांग व बलूचिस्तान की मांग ने पाकिस्तान के नाक में दम कर रखा है । सिंधुदेश की मांग की तो इसको लेकर हालिया हुई रैली में प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई विश्व के कई बड़े नेताओं की तस्वीरें नजर आईं। प्रदर्शनकारियों ने सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग के मामले में विश्व के नेताओं से दखल देने की अपील की है ।सिंधु देश की मांग की कहानी 1947 से जुड़ी है। भारत को आजादी मिलने के बाद सिंधु क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया और पाकिस्तान के चार प्रांतों में से एक बन गया । अलग सिंधु देश की मांग 1967 से शुरू हुई जब पाकिस्तान सरकार ने यहां के निवासियों के ऊपर उर्दू भाषा थोप दी। यहां के लोगों ने इसका विरोध किया और इसके फलस्वरूप सिंधी अस्मिता का जन्म हुआ। इन्होंने अपनी भाषा और संस्कृति की दुहाई दी और लोगों को एकजुट किया. इस मुहिम में सिंधी हिन्दू और सिंधी मुसलमान दोनों शामिल हुए। 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश। सिंधु देश एक विचार है जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है। ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिए एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं। जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं। यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है। उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं। भारत से अलग होकर 19 47 में बने पाकिस्तान के लिए समस्याएं कभी खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं । दुनियाभर के कर्ज में डूबे पाकिस्तान में अगर आपको आने वाले कुछ वर्षों में गृहयुद्ध की स्थिति बनती दिखाई दे, तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। उर्दू को पाकिस्तान की सरकारी भाषा बनाने की घोषणा के साथ ही पाकिस्तान में अलगाववाद के बीज पनपने लगे थे ।लोगों पर जबरदस्ती उर्दू भाषा थोपी गई। बांग्लाभाषी बहुल पूर्वी पाकिस्तान इसी फैसले के चलते अब अलग देश बनकर बांग्लादेश के रूप में आपके सामने है । वहीं, पाकिस्तान में अगस्त, 1947 के बाद से अब तक बनी सभी सरकारों ने मानवाधिकारों को एक अलग खूंटी पर टांग दिया। बात पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की हो या बलूचिस्तान या फिर सिंधु प्रांत की। पाकिस्तानी सरकारों ने इन सभी जगहों से उठने वाली आवाजों का वर्षों से दमन किया है ।पाकिस्तानी फौज के बलूचिस्तान में किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट करीमा बलोच की कनाडा में हुई हत्या इसका एक ताजा उदाहरण है। फिलहाल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगाई है. वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछे एक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था। दरअसल, पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान में जुल्मो-सितम झेल रहे इन हिस्सों के लोगों ने उनकी आवाज उठाने के लिए मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया था। हाल ही में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमसोरो जिले में जीएम सैयद के गृहनगर सान कस्बे में हुई रैली में लोगों ने आजादी के लिए नारे लगाए गए. प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान दावा सीधे तौर पर कहा- सिंध, सिंधु घाटी सभ्यता और वैदिक धर्म का घर है. ब्रिटिश साम्राज्य ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 1947 में पाकिस्तान के इस्लामी हाथों में दे दिया था। अलग सिंधुदेश की मांग को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है। इन लोगों का मानना है कि पाकिस्तान ने सिंध प्रांत पर जबरन कब्जा कर रखा है। साथ ही पाकिस्तान संसाधनों का दोहन और मानवाधिकारों के जमकर उल्लंघन करता है। जिये सिंध मुत्ताहिदा महाज़ के चेयरमैन मुहम्मद बरफात ने कहा कि हमारी संस्कृति और इतिहास पर हुए दशकों से जारी हमलों के बावजूद हमने अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को बचाकर रखा है। हम आज भी बहुलतावादी, सहिष्णु और सौहार्दपूर्ण समाज हैं, जो मानव सभ्यता को बचाकर रखे हुए है। पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही बलूचिस्तान, गिलगित और पाक अधिकृत कश्मीर में असंतोष बढ़ने लगा था। पाकिस्तानी हुकूमत पर पंजाबी वर्ग के वर्चस्व से लेकर मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पाक के नापाक इरादों की एक लंबी दास्तान है। इन सबके बीच अब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चलते भी पाक में भारी असंतोष फैल रहा है। पाकिस्तान के इन हिस्सों की आवाम अब खुलकर अपना विरोध दर्शा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत की वर्तमान मोदी सरकार पर इन लोगों का भरोसा बढ़ा है। ऐसे में अलगाववादी रैली में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर नजर आने से पाकिस्तान की पेशानी पर फिर से बल पड़ सकते हैं। अब देखना यह है कि अलग सिंध देश की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकडे होंगे ? होंगे तो कितने होंगे ? सिंध देश यदि अलग बन जाता है तो वहां रहने वाले सिन्धी हिन्दुओं को इसका कितना लाभ मिल सकेगा ? सिन्धु देश की मांग के आलावा साल 1947 में पाकिस्तान के बनने के साथ ही बलूच मुद्दे ने उसकी नाक में दम कर रखा है। आएदिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की खबरें आती हैं कि उसने अपने यहां कोई धमाका कर दिया, जिसमें पाकिस्तान सरकार या चीन के लोग मारे गए। इसके अलावा भी कई चरमपंथी संगठन हैं, जो बलूच आजादी चाहते हैं।दरअसल ये पाकिस्तान का वो हिस्सा है, जो कभी भी सरकार के बस में नहीं रहा। इसकी दो वजहें हैं- एक, पाकिस्तान ने धोखे से उसे अपने साथ मिला लिया। और दूसरा, बलूचिस्तान मानता है कि पाकिस्तान उसके साथ सौतेला व्यवहार करता रहा। पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान की लीडर डॉ नायला कादरी हाल ही में हरिद्वार पहुंची। बलूच आजादी की मांग के चलते अपने ही देश से निर्वासित डॉ कादरी ने खुद को बलूचिस्तान की प्रधानमंत्री की तरह पेश करते हुए मां गंगा से अपने देश की आजादी की मांग की। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे पाकिस्तान की सरकार बलूच लोगों पर जुल्म करती है। उनका कहना है कि गैस, कोयला, तांबा और कोयला जैसे कच्चे माल में बेहद संपन्न होने के बाद भी हमारा इलाका काफी गरीब है। यहां तक कि स्कूल और अस्पताल जैसी बेसिक जरूरतें भी वहां पूरी नहीं हो पा रहीं।

सोना खरीदारों की चांदी

सोमवार को 1,500 रुपये की तेजी के साथ सोना नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के चलते शेयर बाजार डरा हुआ है। इससे सोने की कीमत और चमकती जा रही है। नतीजतन, पिछले एक साल में सोना 55 बार ऑल टाइम हाई पर पहुंच कर अब भी इतराने से बाज नहीं आ रहा है। सोने के साथ ही चांदी के दाम में भी आजकल खूब उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एमसीएक्स पर जून के सोने के वायदा भाव में सोमवार को 1,500 रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। यह 1,571 रुपये यानी 1.65% बढ़कर 96,825 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया है। दिन भर के कारोबार के दौरान सोना 96,850 रुपये तक ऊपर गया। वहीं, चांदी के मई वायदा अनुबंधों में भी तेजी रही। यह 693 रुपये यानी 0.73% बढ़कर 95,730 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुका है। इन दिनों वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता का माहौल दिखाई दे रहा है इसकी वजह साफ है कि अमेरिका ने चीनी आयात पर 245% का भारी शुल्क लगाया है। चीन ने भी अमेरिकी कार्रवाई का जवाब देते हुए उसके सामानों पर टैक्स बढ़ा दिया है। सबसे बडी बात यह है कि डॉलर इंडेक्स भी पिछले हफ्ते 2 साल के निचले स्तर तक लडखडा गया है। यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है। इससे सोने और चांदी की कीमतों को सहारा मिला है। जानकारों का कहना है कि अगर अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते पर कोई सकारात्मक बात होती है, तो सोने-चांदी में तेजी रुक सकती है। यदि उसमें बाधा आई तो इन कीमती धातुओं में तेजी बरकरार रह सकती है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत पहली बार 3,400 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच चुकी है। जानकारों के मुताबिक एमसीएक्स पर सोने को 94,750-94,280 रुपये पर सपोर्ट है और 95,550-96,000 रुपये पर रेजिस्टेंस है। इसका मतलब है कि सोने के दाम 94,750 से 94,280 रुपये के बीच में गिर सकते हैं और 95,550 से 96,000 रुपये के बीच में बढ़ सकते हैं। इसी तरह चांदी को 94,400-93,650 रुपये पर सपोर्ट है और 95,800-96,650 रुपये पर रेजिस्टेंस है। जानकारों का सुझाव है कि अमेरिका-चीन व्यापार समझौते की बातचीत को लेकर अटकलों के कारण सोने और चांदी में नई पोजीशन लेने से बचना चाहिए। इसका मतलब है कि अभी सोना और चांदी खरीदना या बेचना थोड़ा रिस्की हो सकता है। चीन और अमेरिका के बीज किसी सकारात्मक कदम का इंतजार करना चाहिए उसके बाद ही सोने और चांदी के दामों में स्थिरता आ सकेगी। बेहतर होगा तबतक मुनाफे का लालच छोडकर इंतजार करें और खरीदी और बिक्री सोच-समझकर ही करें।

पृथ्वी दिवसः प्रकृति के साथ एक नई शुरुआत का संकल्प

प्रो. आरके जैन

धरती की पुकार आज हर दिल तक पहुँच रही है। उसके जंगल आग की लपटों में सुलग रहे हैं, नदियाँ सिसकियों में सूख रही हैं, और हवा, जो कभी जीवन की ताजगी थी, अब ज़हर बन चुकी है। यह धरती-हमारा एकमात्र आश्रय-हमसे सवाल कर रही हैः हमने उसे क्या दिया, जिसने हमें अनमोल जीवन, शुद्ध जल, और हरियाली की गोद दी? विश्व पृथ्वी दिवस, जो हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है, केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक जागृति का आलम है। यह वह क्षण है जब हमें रुकना होगा, अपने कर्मों पर विचार करना होगा, और उस ग्रह की रक्षा के लिए कदम उठाना होगा, जिसने हमें सब कुछ दिया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम धरती के मालिक नहीं, बल्कि इसके रखवाले हैं। इसका स्वास्थ्य ही हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य है। 1970 में अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरणीय तबाही के खिलाफ एक क्रांतिकारी कदम उठाया। उस दौर में औद्योगिक प्रगति ने प्रकृति का बेरहमी से दोहन किया था। कारखानों का धुआँ आकाश को ढँक रहा था, नदियाँ रसायनों से जहरीली हो रही थीं, और प्राकृतिक संसाधनों की लूट मानवता को विनाश की ओर धकेल रही थी। 22 अप्रैल 1970 को पहले पृथ्वी दिवस में दो करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया। यह एक ऐतिहासिक पल था, जिसने पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक चेतना को जागृत किया। इस आंदोलन ने अमेरिका में स्वच्छ वायु अधिनियम (1970) और स्वच्छ जल अधिनियम (1972) जैसे कानूनों को जन्म दिया। आज 193 से अधिक देश इस दिन को मनाते हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्ष उत्सव बनाता है। यह दिन हमें अतीत की गलतियों से सीखने और भविष्य को संवारने की प्रेरणा देता है। धरती आज अभूतपूर्व संकटों से गुजर रही है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की जलवायु रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि तुरंत कार्रवाई न हुई, तो 2050 तक वैश्विक तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप सूखा, बाढ़, और तूफान 30% अधिक तीव्र और बार-बार होंगे। जैव विविधता का ह्रास भी भयावह है-10 लाख प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं। समुद्र का स्तर 2100 तक 1 मीटर तक बढ़ सकता है, जिससे कोलकाता, मुंबई जैसे तटीय शहर डूबने के खतरे में हैं। प्लास्टिक प्रदूषण ने स्थिति को और गंभीर किया है। हर साल 400 मिलियन टन प्लास्टिक उत्पादित होता है, जिसमें से 14 मिलियन टन समुद्रों में पहुँचता है, जो समुद्री जीवन और मानव खाद्य शृंखला को नष्ट कर रहा है। भारत में स्थिति चिंताजनक है-गंगा और यमुना जैसी नदियाँ 70% तक प्रदूषित हैं, और दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 300 से ऊपर रहता है, जो "खतरनाक" स्तर है। ये आँकड़े हमें बताते हैं कि अब और देर नहीं की जा सकती। पृथ्वी दिवस केवल सामूहिक अभियानों का दिन नहीं है; यह हमारी जीवनशैली को बदलने का अवसर है। यह हमें मजबूर करता है कि हम अपनी आदतों पर सवाल उठाएँ। छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। मसलन, एक रीयूजेबल बोतल अपनाने से हर व्यक्ति सालाना 156 प्लास्टिक बोतलों का कचरा रोक सकता है। एक पेड़ अपने जीवनकाल में 48 पाउंड कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है। अगर भारत का हर नागरिक एक पेड़ लगाए, तो 1.4 अरब पेड़ जलवायु परिवर्तन से लड़ सकते हैं। एलईडी बल्ब इस्तेमाल करने से 50% तक बिजली बचेगी। 5 मिनट की छोटी शॉवर से 10 गैलन पानी की बचत हो सकती है। ये कदम न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि हमारे संसाधनों को भी संरक्षित करते हैं। पृथ्वी दिवस की सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह हर व्यक्ति को बदलाव का हिस्सा बनने का मौका देता है। स्कूलों में बच्चे पौधे रोपते हैं, युवा साइकिल रैलियों में उत्साह दिखाते हैं, और समुदाय कचरा प्रबंधन में जुटते हैं। लेकिन बदलाव केवल बाहरी प्रयासों तक सीमित नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की आदतों में झलकना चाहिए। कपड़े का थैला अपनाना, बिजली बचाना, पानी का दुरुपयोग रोकना, या कार पूलिंग जैसे कदम सामूहिक रूप से धरती के लिए चमत्कार कर सकते हैं। भारत में स्वच्छ गंगा मिशन, 2030 तक 50% नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य, और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का संकल्प जैसे प्रयास प्रेरणा देते हैं।

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

भ्रष्टाचार के बाप निकले बाबू

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नगर पालिका कार्यालय के बाहर लंबी लाइन लगी थी, मानो यहाँ किसी क्रिकेट मैच के टिकट बँट रहे हों। अंदर बैठे बाबू जी की आँखों में वो चमक थी, जो सिर्फ दो ही मौकों पर दिखती है—एक, जब नोटों की गड्डियाँ गिननी हों और दूसरा, जब घूसखोरी का नया तरीका ईजाद करना हो। सरकारी फाइलों का ढेर उनकी मेज पर वैसे ही सजा था, जैसे शादी में हलवाई के समोसे—गिनने में नहीं आते, बस खाए जाते हैं। भाई साहब, मेरा काम कब होगा? एक बेचारे आम आदमी ने बाबू जी से गुहार लगाई। बाबू जी ने बंडी के अंदर पेन ऐसे सरकाया, मानो पेन न हुआ, किसी जासूसी फिल्म का गुप्त हथियार हो। अरे भैया, सरकारी काम है, जल्दी क्या है? हमारी सरकार भी पाँच साल में रिपोर्ट कार्ड दिखाती है, तू हफ्ते भर में रिजल्ट माँग रहा है! बाबू जी ने हँसते हुए कहा। दूसरी तरफ, एक बुजुर्ग अपने पेंशन के कागज लिए खड़े थे। झुकी कमर और काँपते हाथों से फॉर्म पकड़ रखा था। बाबू जी, दस महीने से पेंशन नहीं आई, घर में भूखा मर रहा हूँ! बूढ़े ने काँपती आवाज़ में कहा। बाबू जी ने चश्मा उतारा, रुमाल से पोछा और ऐसे बोले, जैसे सरकारी सेवा में आने से पहले थिएटर का कोर्स कर रखा हो—दादा, सरकार आपका भला चाहती है, लेकिन हम क्या करें, कंप्यूटर ही नहीं चल रहा! और फिर झट से अपने मोबाइल पर रील्स देखने लगे। तभी एक नेताजी प्रकट हुए, सफारी सूट में लिपटे, चेहरे पर दस लाख वाली मुस्कान और जेब में चाय वाले को देने के लिए सौ का नोट। बाबू जी, अपने लड़के का ठेका पास करवा दीजिए! बाबू जी ने मुस्कुराकर कहा, नेताजी, आप तो अपने आदमी हो, बस एक छोटी सी पूजा होगी, नारियल फोड़ना पड़ेगा! नेताजी मुस्कुराए, कितने का नारियल? बाबू जी ने धीरे से कहा, बस एक लाख का! नगर पालिका के बाहर खड़ा एक युवक बड़ी उम्मीद लेकर आया था। बाबू जी, मेरा मकान का नक्शा पास करवा दीजिए! बाबू जी ने फाइल के पन्ने ऐसे पलटे, जैसे वेद मंत्र पढ़ रहे हों। बेटा, नियम तो नियम होते हैं! युवक ने कहा, लेकिन पड़ोसी का नक्शा तो बिना पास हुए ही बन गया! बाबू जी ने रहस्यमयी मुस्कान दी, बेटा, नियम टूटते नहीं, बस जुड़ते हैं घूस से! इसी बीच एक महिला आई, हाथ में शिकायत पत्र लिए, बाबू जी, गली की नाली छह महीने से बंद है! बाबू जी ने सिर खुजलाया, बीबीजी, सिस्टम को समय दीजिए, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत धैर्य है! महिला ने तंज कसा, आपके धैर्य की तो भगवान ही रक्षा करे, पर मेरी गली में पानी की जगह कचरा बह रहा है! बाबू जी हँसे, तो क्या हुआ? हमारी सरकार गंगा को भी साफ कर रही है, आपकी नाली तो छोटी चीज़ है! इसी दौरान एक पत्रकार अंदर आ गया, कैमरा ऑन कर दिया, बाबू जी, नगर पालिका में भ्रष्टाचार चरम पर है, आप क्या कहना चाहेंगे?

गंभीर चिंता का विषय है चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अब इसका शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए या बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाये कि राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए मांगे गये आवेदन में 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है वहीं इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में पीएच. डी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं तकनीकी षिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल है। इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, आरएएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक रोजमर्रा की भाषा में कहें तो चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे हैं। यह हालात हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में खड़ा कर देती हैं। आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं और चपरासी के पद के लिए योग्य है तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए। यदि समान योग्यता वाले आवेदन इतनी बड़ी संख्या में होते तो एक अनार सौ बीमार वाली बात तो हो जाती पर फिर सीधा सीधा यही कहा जाता कि रोजगार के अवसर कम है पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही। इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए इससे नकारा नहीं जा सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन-भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेकों संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती है। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मेडी क्लेम व अन्य सुविधाएं भी आम है। हां परफोरमेंस और टारगेट की बात अवश्य होती है। सरकारी नौकरी के पीछे भागने का कारण एक तो सर्विस को लेकर किसी तरह का तनाव नहीं होना है। यों कहा जा सकता है कि सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी के साथ ही सुविधाओं का अंबार और पेंशन सुविधा के साथ ही जिम्मेदारी का कहीं ना कहीं बोझ नहीं दिखाई देता है। सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है पर वास्तव में इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है। यह तस्वीर का एक पहलू है।

दूसरा एक बार सरकारी नौकरी में प्रवेश हो गया तो कोई कहने वाला तो होगा नहीं, यदि ज्यादा दिक्कत भी आती है तो कहीं से भी सिफारिश कराकर अपना काम चला ही लेंगे। एक बार नौकरी में प्रवेश होने के बाद ओवरएज होने तक प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर अप्रत्यक्ष रुप से लाभ उठाया जा सकता है। इससे दो तरह की समस्या उत्पन्न होती है एक तो वास्तव में उस योग्यताधारी के सामने नौकरी की समस्या जस की तस रह जाती है जो उस पद की योग्यता ही पूरी कर पाता है, दूसरा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या फिर शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पद नहीं मिलने के कारण सहानुभूति में अन्य कार्य ले लिया जाता है जिससे दोहरा नुकसान होता है एक तो उस पद के योग्य लोगों को नुकसान होता है तो दूसरा मूल पर का काम तो बाधित ही रहता है क्योंकि जिस पद पर चयन हुआ है वह काम तो करना ही नहीं है। अभी कुछ समय पुरानी ही बातें हैं और लगभग सभी जगह हालात यह है कि नगर निगमों में सफाई कर्मियों की भर्ती में अधिकांश चयनित उच्च शिक्षा प्राप्त होने या उच्च वर्ग से जुड़े होने के कारण चयनित होने के बाद उन्हें सफाई कर्मी का काम तो करना ही नहीं था और किया भी नहीं और उनकी सेवाएं आफिस में क्लर्की के रुप में ली जाने लगी।

कौन थी द्रौपदी की इकलौती बेटी?

इसके विवाह ने श्रीकृष्ण से बदल दिया था पांडवों का रिश्ता!

महाभारत में जब सबसे सशक्त महिला किरदारों की बात आती है तो सबसे पहले नाम द्रौपद का ही दिमाग में कौंधता है। 5 पांडवों की पत्नी बनने वाली द्रौपदी के 5 पुत्र हुए, ये बात तो सभी जानते हैं। लेकिन क्या आप जातने हैं कि द्रौपदी की एक पुत्री भी थी! यूं तो महाभारत में द्रौपदी से श्रीकृष्ण का रिश्ता हमेशा ही एक मार्गदर्शक और मित्र का रहा है। लेकिन युधिष्ठिर और द्रौपदी की इस पुत्री के विवाह ने इस रिश्ते को भी बदल कर रख दिया था। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में।

पांच पांडवों से हुए थे 5 पुत्र

पांडवों ने द्रौपदी से विवाह किया, जो पांचाल नरेश द्रुपद की पुत्री और धृष्टद्युम्न की जुड़वां बहन थी। द्रौपदी के पांचों पाण्डवों से एक-एक पुत्र हुआ। युधिष्ठिर से हुए पुत्र का नाम प्रतिविन्ध्य था। भीम और द्रौपदी के पुत्र का नाम सुतसोम रखा गया। वहीं अर्जुन और द्रौपदी का पुत्र श्रुतकिर्ती था। वहीं नकुल से शतानीक और सहदेव से श्रुतकर्मा नाम के पुत्र का जन्म हुआ था।

अर्जुन के पुत्र ने बढ़ाया कुरुवंश

अर्जुन ने द्रौपदी के अलावा 3 शादियां और की थीं। उन्होंने एक नाग राजकुमारी उलूपी, मणिपुर के दक्षिणी तटीय राज्य की राजकुमारी चित्रांगदा और श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा से विवाह किया। उन तीनों से अर्जुन को एक-एक पुत्र प्राप्त हुआ। जिनके नाम क्रमशः इरावन, बब्रूवाहन और अभिमन्यु थे। नकुल ने चेदी राज्य की करेनुमति से विवाह किया और उनका निरामित्र नाम का एक पुत्र हुआ। सहदेव ने मद्रदेश के राजा द्युतिमान की पुत्री विजया से विवाह किया। उन दोनों का सुहोत्र नाम का एक पुत्र हुआ। हालांकि विडंबना ये रही कि महाभारत युद्ध में ये सभी मारे गए। पांडवों के इन सभी पुत्रों में से सिर्फ अभिमन्यु ने कुरुवंश को आगे बढ़ाया। उसका विवाह मत्स्यदेश के राजा विराट और सुदेष्णा की पुत्री उत्तरा से हुआ था और अभिमन्यू और उत्तरा का पुत्र ही परिक्षित था।

कौन थी द्रौपदी और युधिष्ठिर की बेटी?

लेखिका अमी गणात्रा अपनी किताब में इस बात का जिक्र करते हुए बताती हैं कि लोक कथाओं के अनुसार द्रौपदी और युधिष्ठिर की एक पुत्री भी थी, जिसका नाम सुथनु था। कहा जाता है कि युद्ध के बाद उसका विवाह श्रीकृष्ण और सत्यभामा के पुत्र भानू से हुआ था। इस कथा के अनुसार श्रीकृष्ण, जिनकी बहन से अर्जुन ने विवाह किया था, वही द्रौपदी और युधिष्ठिर की पुत्री के ससुर भी थे। लेकिन महर्षी वेदव्यास की महाभारत में द्रौपदी की पुत्री का कोई उल्लेख नहीं है। महाभारत में दुर्योधन के केवल एक पुत्र लक्ष्मण का विशिष्ट उल्लेख मिलता है। परन्तु श्रीमदभागवत पुराण में दुर्योधन के पुत्र लक्ष्मण और पुत्री लक्ष्मणा का उल्लेख है जिसका श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब' से विवाह हुआ था।

पांडवों की द्रौपदी के सिवाय अन्य पत्नियां

पांडवों के साथ द्रौपदी के विवाह के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं। लेकिन पांचों पांडवों की अन्य पत्नियां भी थीं। युधिष्ठिर ने शैब्य राजा गोवासन की बेटी देविका से विवाह किया। उनका उसके साथ एक पुत्र था जिसका नाम यौधेय था। भीम की बात करें तो द्रौपदी के अलावा उनकी 2 पत्नियां थीं। एक थी राक्षस जनजाति की हिडिम्बा और दूसरी काशी की राजकुमारी वलंधरा। भीम के हिडिम्बा से घटोत्कच और वालंधरा से सर्वग नामक पुत्र हुए।

गरीब से अमीर बना देगा इन 5 चीजों का गुप्त दान

भर-भर कर आएगा पुण्य, अधूरे काम होने लगेंगे पूरे!

हिन्दू धर्म में दान-पुण्य का अत्यधिक महत्व बताया गया है। कई व्रत और पूजा बिना दान के अधूरे माने जाते हैं। दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दान से बढ़कर गुप्त दान का महत्व है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि व्यक्ति कुछ चीजों का गुप्त दान करे तो उसकी आर्थिक स्थिति में तेजी से सकारात्मक बदलाव आते हैं। गरीब व्यक्ति भी धीरे-धीरे अमीर होने लगता है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानें गुप्त दान किसका करें?

पहले जानें गुप्त दान का महत्व

दान पुण्य तो हर कोई करता है। लेकिन, ऐसा दान जो किसी को बताकर ना किया जाए यानी चुपचाप किया जाए, वह गुप्त दान है। इसमें दान करने के न तो पहले और न ही बाद में किसी को कुछ बताया जाता है। गुप्त दान से मतलब है कि दान करने की बात केवल आप तक ही सीमित रहे। शास्त्रों में तो यहां तक लिखा है कि गुप्त दान ऐसा हो यदि दाएं हाथ से चीजें दान करें तो बाएं हाथ को खबर न हो।

शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए तांबे के लोटे या पात्र का गुप्त दान करने का फल भी लंबे समय तक मिलता है। शिव मंदिर में लोटे का गुप्त दान जरूर करना चाहिए।

हर दिन कई लोग मंदिर जाते हैं। वहां बैठकर पूजा-पाठ करते हैं। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ करते समय आसन पर बैठना जरूरी होता है। यदि आप किसी मंदिर में आसन का गुप्त दान करें तो जितने भी लोग उस पर बैठकर पूजा करेंगे, उस पूजा का कुछ पुण्य फल आपको मिलेगा।

बहुत प्रयास के बाद भी सफलता हाथ नहीं लग रही और जीवन में कष्ट है तो माचिस का गुप्त दान करें। इसके लिए आप मंदिर में मंगलवार के दिन कुछ माचिस रखकर आ सकते हैं। ऐसा करने से काफी लाभ होता है।

आपने दीपदान के बारे में काफी सुना, पढ़ा और देखा भी होगा। बेहतर फोकस, स्पष्ट दृष्टि के लिए आप किसी मंदिर में दीपदान करें। आपको इसका जबरदस्त फायदा नजर आएगा, पर इसकी चर्चा किसी से न करें।

अक्सर देखा जाता है कई लोग किसी भंडारे या लंगर में दान करते हैं। लेकिन, अगर वो नमक का दान करें और इसे गुप्त रखें तो महा पुण्य प्राप्त होता है। नमक सस्ता भी होता है। लिहाजा इस दान को अवश्य करें धन-समृद्धि बढ़ती है।

घर में कलह या पैसे की तंगी कर रही परेशान तो 5 ज्योतिष उपाय आजमा कर देखें

एक समय था जब परिवार कई-कई पीढ़ियों तक साथ रहते थे। आपस में किसी तरह की कोई शिकवा-शिकायत नहीं थी। एक-दूसरे की भावनाओं की कद्र करते हैं। प्यार, स्नेह से मिलजुल कर सबके साथ रहते हैं। सच कहें तो संयुक्त परिवार में रहने का अपना ही मजा और फायदा था। लेकिन, आज का बदला परिवेश घर का माहौल बिगड़ाने के लिए काफी है। छोटी-छोटी बात पर लोग की आपस में खिट-पिट होने लगती है। भाई-भाई के बीच मतभेद हो जाता है। ननद-भाभी में घर के कार्यों को लेकर तू तू मैं मैं होती रहती है। यहां तक कि पति-पत्नी के बीच भी बहसबाजी, लड़ाई झगड़े होने लगते हैं।

हालांकि, घर में कलह की कई वजह हो सकती हैं। गृह कलह से रिश्ते टूटकर बिखर जाते हैं। यदि आपके घर में भी कुछ दिनों से ऐसा ही माहौल है तो गृह कलह को आप कुछ ज्योतिष उपायों से दूर कर सकते हैं। अब सवाल है कि आखिर घर में क्लेश से मुक्ति पाने के लिए क्या करें? धन-हानि से उबरने के लिए क्या करें? रोग-बाधा से निपटने के ज्योतिष उपाय क्या हैं?

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, वास्तु की दृष्टि से गृह कलह ग्रहों के दोषपूर्ण या अशुभ दशा होने अथवा भवन में एक या अनेक वास्तु दोष होने से भी उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए यदि घर में कलहपूर्ण वातावरण, धन-हानि एवं रोग-बाधा से परेशानी है तो मोरपंख कि झाड़ू या मोरपंख पूजा-स्थल में रखें।

ऐसे दूर होंगे परिवारिक मतभेद

कई बार शनि, राहु और मंगल ग्रहों के विभिन्न भावों में बैठे होने के कारण भी उन भावों से सम्बंधित रिश्तों में मतभेद की आशंका बढ़ती है। इस समस्या से मुक्ति पाने के लिए दोषपूर्ण ग्रह से सम्बंधित वस्तुओं का दान करें। साथ ही, मंत्र जाप, पूजा-पाठ और रत्न या रुद्राक्ष धारण करने से भी लाभ हो सकता है।

रोग से छुटकारा पाने का उपाय

यदि आपके परिवार में आए दिन कोई न कोई सदस्य बीमार रहता है। तो ऐसी स्थिति में नित्य नियम के बाद मन-ही-मन भगवन्नाम का जप करते हुए इस पंख या झाड़ू को सभी कमरों में घुमाएं। इसके बाद रोग-पीड़ित के चारों तरफ गोल-गोल घुमाने से लाभ हो सकता है।

हर वक्त कर्ज से रहते हैं परेशान, तुरंत अपनाएं वास्तु के 5 असरदार उपाय

आज के जमाने में महंगाई आसमान छू रही है और लोगों की आमदनी में बढ़ोतरी कम हो रही है। इसकी वजह से लोगों को अपनी इच्छाओं और कई बार जरूरतों को पूरा करने के लिए क्रेडिट कार्ड समेत कई तरह का लोन लेना पड़ता है। बैंक और अन्य कंपनियों के अलावा लोग अपने दोस्त और परिचित लोगों से कर्ज ले लेते हैं। कई लोगों की किस्मत साथ नहीं देती और वे कर्ज के भंवर में फंसते चले जाते हैं।

– वास्तु शास्त्र की मानें तो कर्ज से छुटकारा पाने के लिए लोगों को अपने घर या दुकान में उत्तर-पूर्व दिशा में दर्पण लगाना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति का कर्ज जल्द ही उतर सकता है। इसके अलावा अगर आपके ऊपर कर्ज है, तो इसे चुकाने के लिए मंगलवार को सबसे अच्छा दिन माना जाता है। माना जाता है कि मंगलवार के दिन पैसा लौटाने से आपका कर्ज जल्द ही उतर जाता है।

अगर आप कर्ज में ज्यादा डूबे हुए हैं और लाख कोशिशों के बाद भी इसे चुकाने में असमर्थ हैं, तो घर, दुकान या ऑफिस की उत्तर दिशा में मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की मूर्ति लगाकर उनकी पूजा अर्चना करें। ऐसा करने से जल्द ही कर्ज से छुटकारा मिल सकता है।

– वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि कर्ज से छुटकारा पाने के लिए तिजोरी को सही दिशा में रखना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि आपके घर या दुकान की तिजोरी हमेशा उत्तर दिशा की तरफ हो। तिजोरी रखने के लिए घर का दक्षिण-पश्चिम कोना भी अच्छा माना गया है। तिजोरी को सही दिशा में रखने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

– वास्तु शास्त्र के अनुसार घर या दुकान की दीवार गहरे नीले रंग की नहीं होनी चाहिए। ऐसा करने से लोगों को धन हानि का सामना करना पड़ सकता है और व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस सकता है। इससे बचने के लिए लोगों को हल्के रंगों का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा घर का बाथरूम कभी भी दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं होना चाहिए। ऐसा होने से मनुष्य पर कर्ज बढ़ जाता है।

– कर्ज से छुटकारा पाने के लिए रोज तुलसी को जल चढ़ाना चाहिए और शाम को प्रतिदिन तुलसी के नीचे घी का दीपक जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मकता आती है और मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है। इस उपाय से आपके घर की आर्थिक तंगी महज कुछ दिनों में दूर हो सकती है।

हर समय मन में आते हैं बुरे ख्याल: प्रेमानंद जी महाराज ने बताया कैसे पाएं छुटकारा, आने लगेंगे अच्छे विचार

आज की दौड़ती भागती ज़िंदगी में हर किसी के मन में कभी न कभी बुरे विचार आ ही जाते हैं। कई बार ये इतने ज्यादा हो जाते हैं कि मन बेचैन हो जाता है, नींद उड़ जाती है और दिमाग में हर वक्त उथल पुथल मची रहती है। ऐसे समय में संतों की बातें राहत देती हैं और रास्ता दिखाती हैं। ऐसे ही एक संत हैं प्रेमानंद जी महाराज, जिनकी बातों में गहराई भी है और समाधान भी। अगर आप इसे रोज़ के जीवन में अपनाते हैं, तो धीरे धीरे बदलाव नजर आने लगेगा। मन शांत रहेगा, विचार अच्छे होंगे और जीवन में नई ऊर्जा का अनुभव होगा।

प्रेमानंद जी महाराज देश ही नहीं, विदेशों में भी जाने जाते हैं। उनके सत्संग में दूर दराज़ से लोग आते हैं। उनकी बातें सरल होती हैं लेकिन असर गहरा होता है। खासकर युवाओं के बीच उनकी काफी लोकप्रियता है। जो भी अपनी परेशानियां लेकर उनके पास जाता है, उसे साफ और सरल जवाब मिलता है। महाराज जी कहते हैं कि मन में उठते बुरे विचारों को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उन्हें सही दिशा में मोड़ा जा सकता है।

उनका मानना है कि जब भी कोई बुरा ख्याल मन में आए तो घबराएं नहीं। सबसे पहले खुद को संभालें और तनाव न लें। क्योंकि जैसे ही आप तनाव में जाते हैं, वही विचार और गहराई से मन में बैठने लगते हैं। इसका सबसे अच्छा उपाय है, प्रभु का स्मरण।

प्रेमानंद जी कहते हैं, "जब मन अशांत हो, जब कुछ समझ न आए, जब रास्ता नजर न आए, उस वक्त सिर्फ एक ही सहारा है और वो है ईश्वर का नाम।" ईश्वर का नाम लेने से मन को राहत मिलती है। यह कोई कल्पना नहीं बल्कि अनुभव की बात है। जो भी इस रास्ते पर चला है, उसने महसूस किया है कि धीरे धीरे दिमाग शांत होने लगता है और नकारात्मक विचार कम होने लगते हैं।

अगर आप भी इन विचारों से परेशान हैं, तो एक आसान तरीका अपनाएं प्रभु का नाम लेना अपनी दिनचर्या में शामिल करें। सुबह उठते ही भगवान का नाम लें, रात को सोने से पहले भी। जब भी आप अकेले हों या मन भटक रहा हो, उस वक्त ध्यान को ईश्वर की ओर मोड़ें। इससे दिमाग भटकता नहीं और बुरे विचारों पर लगाम लगती है।

प्रेमानंद जी यह भी कहते हैं कि अगर मन खाली होगा, तो उसमें हर तरह के विचार आने लगते हैं। इसलिए अपने मन को खाली न रहने दें। कुछ अच्छा पढ़ें, अच्छे लोगों के बीच रहें और हो सके तो सत्संग सुनें। इससे सोच भी अच्छी बनेगी और जीवन में बदलाव खुद ब खुद आने लगेगा।

वरुथिनी एकादशी के दिन करें ये उपाय

वरुथिनी एकादशी कब है?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार वरुथिनी एकादशी का व्रत वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 24 अप्रैल को रखा जाएगा। एकादशी तिथि 23 अप्रैल को शाम 4 बजकर 54 मिनट से शुरू होगी और 24 अप्रैल को दोपहर 3 बजकर 01 मिनट तक रहेगी। किंतु हिंदू धर्म में उदयातिथि मान्य होती है इसलिए वरूथिनी एकादशी का व्रत 24 अप्रैल के दिन रखा जाएगा।

अगर आपको बिजनेस में कई दिनों से नुकसान झेलना पड़ रहा है तो ऐसे में आपको वरुथिनी एकादशी का व्रत करना चाहिए और भगवान विष्णु जी का आशीर्वाद पाने के लिए उनके सामने एक घी ता दीपक जलाकर 11 या फिर 21 बार 'ऊँ नमो भगवते नारायणाय नमः' मंत्र का जाप करें। इससे आपके बिजनेस में बढ़ोतरी होती है।

व्यापार में लाभ पाने के लिए

वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा की पूजा करते समय उनके पास एक रुपये का सिक्का रखें और फिर वहां सिक्के की भी रोली और फूलों से पूजा करें और फिर उसे एक लाल रंग के कपड़े में बांधकर तिजोरी में या फिर गल्ले में रख दें।

इससे आपके व्यापार में वृद्धि होने लगेगी और निश्चय ही कार्य में बढ़ोतरी होगी।

गृह क्लेश दूर करें के लिए

वरुथिनी एकादशी के दिन शंख लेकर आएं या फिर अगर आपके पास पहले से शंख रखा हुआ है तो सुबह स्नान करने के बाद एक पात्र में शंख रखकर उसपर दूध की धारा अर्पित करें और फिर उसको जल से साफ करके कपड़े से अच्छे से पोछ लें व घी का दीया जलाएं। इसके बाद उसमें दूध और केसर मिलाकर उस मिश्रण को समर्पित करें। फिर इसके बाद श्री लिखकर कुमकुम, चावल और पुष्प अर्पित करें और फिर भोग लगाकर पूजा संपन्न करें।

रात को सोते समय तकिए के नीचे रखें ये चीज

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जो हमारी रोज़मर्रा की लाइफस्टाइल में छोटे बदलाव करके बड़े लाभ दे सकते हैं। इन्हीं उपायों में से एक है, सोते समय तकिए के नीचे कुछ विशेष चीजें रखना। ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुछ वस्तुओं को सोते समय अपने सिरहाने या तकिए के नीचे रखने से न केवल नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, बल्कि धन, सुख और समृद्धि का भी आगमन होता है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी के पत्ते तकिए के नीचे रखने से वातावरण शुद्ध रहता है और आर्थिक संकट धीरे-धीरे समाप्त होते हैं। ध्यान रखें कि पत्तों को सुबह जल में प्रवाहित करें।

मोरपंख

मोरपंख को शास्त्रों में चमत्कारी माना गया है। इसे तकिए के नीचे रखने से भाग्य बलवान होता है और धन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

लहसुन की कली

अगर आपको बुरे सपने आते हैं या डरावने विचार सताते हैं तो तकिए के नीचे लहसुन की एक कली रख लें। लहसुन नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे मन शांत और नींद गहरी होती है।

हनुमान चालीसा

राहु या अन्य ग्रह दोषों से प्रभावित लोग हनुमान चालीसा का पाठ करें और उसे अपने सिरहाने रखें। इससे भय, वहम और नकारात्मक शक्तियों का असर खत्म हो जाता है।

हल्दी की गांठ

कुंडली में अगर गुरु ग्रह कमजोर है तो हल्दी की गांठ तकिए के नीचे रखकर सोना लाभदायक होता है। यह उपाय नौकरी और व्यापार में सफलता दिलाता है।

मूंग दाल, इलायची और लाल चंदन

अगर घर-परिवार में कलह है या व्यापार में हानि हो रही है, तो हरे कपड़े में मूंग दाल बांधकर तकिए के नीचे रखें। सुबह इसे मंदिर में दान करें। राहु दोष से बचाव के लिए इलायची रखना उपयोगी है। वहीं, सूर्य ग्रह की कृपा प्राप्त करने के लिए तकिए के नीचे लाल चंदन रखें, इससे यश, मान-सम्मान और सफलता की प्राप्ति होती है।

ग्रहों की ऐसी स्थिति इंसान को भेज देती है जेल

घर में पीपल का वृक्ष सही नहीं

ज्योतिषाचार्य ने बताया, पीपल वृक्ष में काफी ऊर्जा होती है। वह ऊर्जा घर के लिए उपयुक्त नहीं होती है। एक छोटा सा घर उसकी ऊर्जा को नहीं संभाल पाएगा। हर चीज के लिए उपयुक्त जगह बनी हुई है। पीपल वृक्ष में प्रचंड सकारात्मक ऊर्जा है, लेकिन घर की भी अपनी ऊर्जा संभालने का कैपेसिटी है। हर घर की अपनी एक क्षमता होती है। कई बार कुछ घर में काफी नकारात्मक ऊर्जा भी होती है। ऐसे में पीपल का उगना नकारात्मक तौर पर असर करने लगेगा।

संभाल नहीं पाएंगे ऊर्जा

पीपल का पेड़ जगत कल्याण के लिए है। इसलिए ये मंदिर में ठीक है। यहां पर सारे लोग आकर पानी डालते हैं। पूजा करते हैं। उनकी वाइब्रेशन आसपास के जितने भी एरिया है, उन सबको पवित्र करती है। लेकिन, यही वाइब्रेशन अगर आपके घर में आ जाए तो बहुत ही नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगेगा। आप इस चीज को संभाल नहीं पाएंगे। ऐसे में अगर घर में छोटा भी पौधा है तो उसे काट दें।

पौधा काटने के पहले ये काम जरूर करें

आगे बताया, हालांकि पीपल का वृक्ष काफी पवित्र माना जाता है। इसे कभी भी किसी समय में हटाना नहीं चाहिए। लेकिन, घर में रखना उचित भी नहीं। ऐसे में अगर आप घर में उगे पीपल पौधे को काटते हैं तो बाहर में एक पीपल का पौधा छोटा सा लगाना होगा।

'लोग ठीक से सुनते भी नहीं', मंदिर विवाद पर उर्वशी रौतेला ने लिया यू-टर्न, बोलीं- 'मेरे नाम पर मंदिर है'

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपने मंदिर वाले बयान की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने नाम का मंदिर होने का दावा किया था। उन्होंने कहा था कि उत्तराखंड के बंद्रीनाथ धाम के पास उनके नाम का एक मंदिर है, जहां पर लोग पूजा अर्चना करते हैं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद वो ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं। बढ़ते मंदिर के विवाद को देखते हुए एक्ट्रेस ने यू-टर्न लिया और इस मामले पर चुप्पी चोड़ी है। उन्होंने सफाई देते हुए सारा दोष लोगों का दिया कि लोग सही से सुनते नहीं हैं।

दरअसल, बढ़ते हुए मंदिर विवाद को देखते हुए उर्वशी रौतेला अपने बयान से पलट गईं। उनकी टीम की ओर से बीते दिन ही एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी किया गया। इसमें एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने बयान में ये नहीं कहा था कि उर्वशी रौतेला का मंदिर है। बल्कि अभिनेत्री ने दावा किया कि उन्होंने उनके नाम पर मंदिर होने की बात कही थी। स्टेटमेंट में गया कि उर्वशी रौतेला ने कहा कि उत्तराखंड में उनके नाम पर एक मंदिर ना कि उनका मंदिर है। लोग ठीक से सुनते भी नहीं हैं। टीम की ओर से लोगों का दोष देते हुए कहा गया कि सिर्फ उर्वशी या मंदिर सुनकर लोगों ने मान लिया कि लोग उर्वशी रौतेला की पूजा करते हैं।

उर्वशी रौतेला की टीम ने अपने स्टेटमेंट में बोलने से पहले वीडियो को ठीक से सनने के लिए कहा। एक्ट्रेस की टीम की ओर से कहा गया कि किसी के भी खिलाफ बेबुनियादी आरोप या अपमानजनक कमेंट करने से पहले फैक्ट्स की पूरी तरह से जांच कर लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में सभी को एक-दूसरे के साथ सम्मान और समझदारी से पेश आना चाहिए। ताकि सभी के अधिकारों को सुरक्षित रखा जा सके।

विवादों के बाद मां ने भी दी थी सफाई

उर्वशी रौतेला के मंदिर विवाद को लेकर अभिनेत्री की मां मीरा ने भी मामले पर सफाई दी थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर मंदिर की फोटो शेयर कर लंबी चौड़ी पोस्ट शेयर लिखी थी, 'उर्वशी रौतेला ने बोला कि उत्तराखंड में मेरे नाम का मंदिर है, ना कि उर्वशी रौतेला का मंदिर है। अब लोग ढंग से बातों को सुनते भी नहीं हैं, सिर्फ 'उर्वशी' सुनकर या 'मंदिर' सुनकर उन्होंने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि लोग उर्वशी रौतेला की पूजा करते हैं। इस वीडियो को ढंग से सुनें और तब बोलें। उर्वशी ने बोला हां, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 'दमदमी माई' बना करके उनकी पूजा की गई थी। उसका News आर्टिकल भी है। "जिन लोगों ने उर्वशी रौतेला के बयान पर ऊल-जुलूल बातें कीं, उन पर कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। यह आवश्यक है कि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ निराधार आरोप लगाने और उनके प्रति अपमानजनक टिप्पणियां करने से पहले तथ्यों की सही जाँच हो। समाज में सभी को एक-दूसरे के प्रति सम्मान और समझ के साथ पेश आना चाहिए। ताकि सभी के अधिकारों की सुरक्षा हो सके।'

क्या बोलीं थी उर्वशी रौतेला?

अब अगर उर्वशी रौतेला के मंदिर विवाद के बारे में बात की जाए तो हाल ही में एक्ट्रेस सिद्धार्थ कानन के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने बात करते हुए उत्तराखंड में अपने नाम का मंदिर होने का दावा किया था और कहा था कि वो चाहती हैं कि ऐसा ही कुछ साउथ में भी हो क्योंकि अब वो वहां पर काम कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा था, 'उत्तराखंड में पहले से ही मेरे नाम का एक मंदिर है। आप बद्रीनाथ के मंदिर जाएंगे तो उसके ठीक बगल में मेरे नाम का मंदिर है।' जब एंकर ने शॉकिंग होकर बार-बार एक ही सवाल किया कि सच में ऐसा है? लोग उनकी पूजा करते हैं कि नौकरी लग जाए, गर्लफ्रेंड के लिए पूजा करते हैं? इन सब पर अभिनेत्री ने हां में जवाब दिया था और दावा किया कि ऐसा ही है। उनके इस दावे के बाद लोगों ने उनको आड़े हाथों ले लिया और जमकर ख री - खो टी सुनाने लगे।

अनुराग कश्यप का मुंह काला करने का एलान, एक लाख रुपये का इनाम, घर की भी हो रही निगरानी

अपनी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की वजह से हाशिये पर जा चुके अभिनेता अनुराग कश्यप को सुर्खियां बनाना खूब आता है। एक समय वह मुंबई के उभरते फिल्म पत्रकारों के लिए 'अड्डेबाजी' का खूब इंतजाम किया करते थे और बदले में उनके फैनबॉय लेखक उन्हें फ्रांसिस फोर्ड कोपोला और मार्टिन स्कॉरसेस के स्तर का फिल्मकार बताया करते। लेकिन, फिर मामला उलट गया।

फिल्मी कैंप्स का विरोध करते करते अनुराग जब उन्हीं कैंप्स की फिल्में बनाने लगे तो उनका आभामंडल ऐसा छितराया कि उनके समर्थक तक उनका साथ छोड़ गए। बिना सोचे समझे

बोलने और सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा टिप्पणियां करने की उनकी आदत से एक बार फिर बवाल मचा हुआ है। फिल्म 'फुले' के कथानक पर सेंसर बोर्ड की आपत्तियों पर बहस करने के दौरान एक यूजर ने एक जाति विशेष का नाम लेकर उन पर अभद्र टिप्पणी की। अनुराग ने बजाय इसकी संयत प्रतिक्रिया देने के, इसका जवाब 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'सेक्रेड गेम्स' के संवादों की तरह दिया।

बस इसी के बाद से मामला लगातार बिगड़ता जा रहा है। जिस जातिविशेष पर अनुराग ने निशाना साधा है, उससे जुड़े संगठनों ने शनिवार और रविवार को लगातार इस मुद्दे पर बैठकें की हैं और अनुराग कश्यप के मुंह पर कालिख पोतने जैसा आक्रामक फैसला ले डाला है। यही नहीं, इन संगठनों ने ये भी एलान किया है कि जो कोई भी शख्स अनुराग के चेहरे पर कालिख पोतेगा, उसे एक लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। गीतकार मनोज मुंतशिर ने भी अनुराग की उनकी पोस्ट को लेकर जमकर खिंचाई की। इस बीच, जानकारी के मुताबिक मुंबई और कोच्चि में उनके रहने के ठिकानों पर कुछ युवा दल लगातार नजर बनाए हुए हैं।

उत्तर प्रदेश बिजली विभाग में कार्यरत रहे इंजीनियर श्रीप्रकाश सिंह के बेटों अनुराग और अभिनव ने फिल्मों में आने से पहले अपने सरनेम बदलकर कश्यप कर लिए थे।

अभिनव ने सलमान खान को लेकर फिल्म 'दबंग' और रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'बेशरम' बनाई। दोनों की बहन अनूभूति ने तीन साल पहले आयुष्मान खुराना के साथ 'डॉक्टर जी' से बतौर निर्देशक डेब्यू किया है।

'हमें नए लोगों के दिमाग को समझना पड़ेगा', इमरान हाशमी ने बताया कैसी फिल्में बनाने की है जरूरत

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। कश्मीर से लेकर मुंबई तक में फिल्म की स्क्रीनिंग की जा रही है और पूरी टीम फिल्म के प्रचार में जुटी है। इस बीच इमरान हाशमी ने सिनेमा की दुनिया में प्रासंगिक बने रहने या नए निर्माताओं के साथ काम करने के लिए क्या करना चाहिए इस पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं को समझना और उनसे सीखना मौजूदा वक्त में बने रहने के लिए बहुत जरूरी है।

इमरान हाशमी ने नए लोगों के साथ काम करने के लिए किस तरह से संतुलन बनाना जरूरी है, इसको लेकर बात की। अभिनेता ने कहा, "जब आप एक निश्चित उम्र पार कर लेते हैं, जब नए तरह के अभिनेता और फिल्म निर्माता आते हैं, तो प्रासंगिकता और उनसे जुड़ना बहुत जरूरी हो जाता है। उनसे सीखना बहुत जरूरी है, क्योंकि मुझे लगता है कि

प्रासंगिकता इसी के बारे में है।

जब आप उनके दिमाग से जुड़ते हैं और खुद को नया रूप देते हैं और किरदारों, शैलियों व फिल्मों पर नए सिरे से विचार करते हैं, और अतीत में नहीं जीते हैं। यहीं से जुड़ने का और प्रासंगिकता का पूरा खेल शुरू होता है।"

खुद पर किए बदलाव को बताया

एक कलाकार के तौर पर इमरान ने कहा कि उन्हें चीजों को बदलना और खुद को चुनौती देना पसंद है। अभिनेता ने कहा, "जब मैंने 2017-2018 में 'बार्ड ऑफ ब्लड' किया, तो वह एक बदलाव था। अगर मैं सिर्फ पीछे की ओर जा रहा था और मैं ऐसा सोच रहा था कि मैं वही करता रहूंगा जो मैं करता हूं, तो यह प्रासंगिकता के लिए प्रतिकूल है। इंडस्ट्री एक अलग चरण से गुजर रही है जहां हमें अपनी फिल्मों के प्रकार पर फिर से सोचने जरूरत है। ऐसी फिल्में बनाएं जो थोड़ी अधिक जड़ें जमाए हुए हों और दर्शकों के लिए पूरे भारत की भावना को सामने लाएं।

'एक किस देगी क्या?' साउथ एक्ट्रेस संग लोकल ट्रेन में हुई थी ऐसी घटना, बोलीं- 'कॉलेज से लौट रही थी'

लड़कियां-महिलाएं रोजमर्रा की जिंदगी में छेड़छाड़ का शिकार होती रहती हैं। इन घटनाओं से फिल्म अभिनेत्रियां तक नहीं बच पाती हैं। हाल ही में श्रीलीला का वीडियो सामने आया था। जब वो कार्तिक आर्यन के साथ किसी इवेंट में जा रही थीं तो उन्हें भीड़ में एक शख्स ने खींच लिया था। अब साउथ की फेमस एक्ट्रेस ने खुद से जुड़ी एक घटना का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि ये कॉलेज के दिनों की बात है और वो एक दिन लोकल ट्रेन में दहला देने वाली घटना का शिकार हो गई थीं और उस घटना के बाद वो अंदर तक डर गई थीं। एक अजनबी ने उनसे आकर किस मांगा था। वो एक्ट्रेस कोई और नहीं मालविका मोहनन हैं। उन्होंने अपनी आपबीती बताई है।

मालविका मोहनन ने हाल ही में कहा कि आज के समय में उन्हें मुंबई बाकी शहरों से ज्यादा सुरक्षित महसूस होता है। क्योंकि उनके पास अपनी गाड़ी और ड्राइवर है। एक्ट्रेस ने बताया कि रोजमर्रा की जिंदगी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने वाली तमाम दूसरी महिलाओं के साथ ऐसा नहीं है। मालविका ने कहा कि लोग अक्सर कहते हैं कि मुंबई महिलाओं के लिए सुरक्षित है। उन्होंने इस नजरिए को बदलने की इच्छा जताई और कहा कि आज उनके पास गाड़ी और ड्राइवर है। ऐसे में अगर उनसे कोई पूछेगा कि मुंबई सुरक्षित है क्या? तो इस पर वो हां कहेंगी।

'लड़का बोला- किस देगी क्या?'

मालविका आगे कॉलेज के दिनों की एक घटना का जिक्र करती हैं और कहती हैं कि उन्हें याद है कि वो एक बार उनकी दो करीबी दोस्त के साथ लोकल ट्रेन से वापस लौट रही थीं। उस समय करीब 9.30 बज रहे थे और वो फर्स्ट क्लास में थीं। कंपार्टमेंट खाली था। उन तीनों के अलावा बोगी में कोई नहीं था। वो खिड़की की जाली के करीब बैठी थीं। इसी बीच एक लड़का आया, उसने देख लिया था कि तीन लड़कियां बैठी हैं। वो खिड़की की ग्रिल के काफी करीब आया और लगभग अपना चेहरा जाली से सटा दिया। उसने बोला कि एक किस देगी क्या?

'अगर ट्रेन के अंदर घुस जाता तो क्या होता?'

मा ल वि का मोहनन ने बताया कि इसके बाद वो तीनों फ्रीज हो गई थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि उस उम्र में पता नहीं होता है कि ऐसे में किस तरह का रिएक्शन देना चाहिए। अभिनेत्री ने काल्पनिक सवाल किया कि अगर वो कूदकर ट्रेन के अंदर घुस जाता तो क्या होता? साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन का मानना है कि ये सिर्फ एक घटना थी। पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करने वाली तमाम औरतों के साथ हैरेसमेंट और ईव टीजिंग जैसे ना जाने कितने मामले सामने आ ही जाते हैं।

अगर मालविका मोहनन के प्रोफेशनल फ्रंट की बात की जाए तो वो फिल्म हरदयापर्वम में नजर आने वाली हैं। इसमें वो एक्टर मोहनलाल के साथ नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस ने मोहनलाल के साथ अपनी एक फोटो भी शेयर की और फिल्म की टीम प्यार लुटाते हुए नजर आईं।

एलन मस्क की मां के साथ सिद्धिविनायक पहुंचीं जैकलीन फर्नांडिस

जैकलीन फर्नांडीस मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में गणपति बप्पा के दर्शन करने पहुंचीं। एक्ट्रेस के साथ मेय मस्क यानी अमेरिकी बिजनेस मैन एलन मस्क की मां भी नजर आईं। यह दोनों ईस्टर फेस्टिवल वाले दिन सिद्धिविनायक पहुंची थीं।

गोल्डन कलर के सूट में दिखीं जैकलीन

सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं, उसमें जैकलीन ने गोल्डन कलर का सूट और दुपट्टा पहना है। मेय भी पीले रंग की एक ड्रेस में नजर आ रही हैं। दोनों ने गणपति बप्पा के दर्शन किए, प्रार्थना की। मेय मस्क की बात करें तो वह अपनी एक किताब के लॉन्च इवेंट

के लिए भारत आईं। मेय मस्क की किताब का हिंदी एडिशन लॉन्च होने वाला है।

जैकलीन ने मेय को अपना दोस्त बताया

जैकलीन ने मेय मस्क के साथ सिद्धिविनायक मंदिर जाने के अपने एक्सपीरियंस को साझा किया।

वह कहती हैं, 'यह बहुत ही अच्छा एक्सपीरियंस रहा। मैंने अपनी प्यारी दोस्त मेय मस्क के साथ गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। वह अपनी बुक लॉन्च के सिलसिले में भारत में हैं। मैंने मेय मस्क की किताब से काफी कुछ सीखा है। मैंने इस बात को समझा है कि उम्र बस एक नंबर है, इससे आपके सपनों और लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ना चाहिए।

'मैं यंग नहीं हूं, मेरे दो बच्चे हैं', तलाक के बाद सोहेल खान की एक्स वाइफ की लाइफ में नए प्यार की एंट्री

सोहेल खान और सीमा सजदेह काफी समय से अपने रिश्ते की वजह से चर्चा में रहे हैं। दोनों ने 26 साल पुराना रिश्ता खत्म कर लिया और आज उनकी रास्ते अलग हो चुके हैं। फैशन डिजाइनर सीमा सजदेह की तलाक के बाद इन दिनों एक बार फिर से डेटिंग की खबरे हैं। चर्चा जोरों पर है कि वो सोहेल से अलग होने के बाद विक्रम आहूजा को डेट कर रही हैं। ये वही विक्रम आहूजा हैं, जिनसे साल 1998 में सगाई तोड़कर सीमा ने सोहेल से शादी कर ली थी। ऐसे में अब सीमा ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में जिंदगी में नए प्यार की एंट्री को लेकर बात की और कहा कि ये एक महिला के लिए काफी मुश्किल होता है। वो भी जब दो बच्चे भी हों। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

दरअसल, सीमा सजदेह ने अपने नए रिलेशनशिप की हो रही चर्चा पर कहती हैं, 'ये आसान नहीं है। वो भी तब और नहीं होता है जब हम उस पड़ाव में हों कि हम ज्यादा यंग नहीं होते हैं। मैं यंग नहीं हूं। मेरा इतिहास रहा है। मेरे दो बच्चे हैं और मेरे पार्टनर के भी दो बच्चे हैं। बहुत सारे लोग हमारे साथ हैं। जब आप यंग होते हैं और आपका ब्रेकअप होता है मूव ऑन करते हैं तो बात अलग होती है। जब आप ज्यादा उम्र वाले हो जाते हो तो आपको हर किसी की फीलिंग्स और भवनाओं को ख्याल रखना पड़ता है।'

सीमा सजदेह आगे कहती हैं, 'इस नजरिए से ये नहीं कहूंगी कि ये काफी कठिन हैं लेकिन बहुत सी चीजें होती हैं, जिनके बारे में सोचने की आवश्यकता होती है। ये सिर्फ आपके बारे में नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि ये ऑरगेनिक है। ऐसा तब होता है जब आपको कम उम्मीद होती है। जब कोई कहता है कि ओह आप अकेले हो? तुम्हें किसी से मिलने की जरूरत है तो मैं कहती हूं कि सुनो दोस्त आप चाहो कोशिश कर सकते हो, लेकिन ये तुम्हें तब प्रभावित करता है जब तुम इसकी कम से कम उम्मीद करते हो।'

सिंगल वुमन होना काफी मुश्किल होता है- सीमा सजदेह

सीमा सजदेह आगे लाइफ पार्टनर के महत्व के बारे में भी बात करती हैं। वो कहती हैं, 'सिंगल वुमन होना काफी मुश्किल होता है। जहां तक इसका सवाल है तो मैं थोड़ी पुरानी विचारधारा की हूं क्योंकि मैं वो इंसान नहीं हूं। मैं कैजुअल रिलेशनशिप के लिए नहीं हूं। अगर मैं किसी के साथ हूं तो मैं अपने जीवन में जो कुछ भी करती हूं, उसमें अपना सब कुछ लगा देती हूं।'

गौरतलब है कि सीमा सजदेह ने सलमान खान के भाई सोहेल खान से शादी की थी। दोनों ने साल 1998 में शादी की थी और 24 साल बाद 2022 में अपना रिश्ता खत्म कर लिया था। इस शादी से सीमा के दो बच्चे निरवान और यूहान हैं। तलाक के बाद सीमा लगातार विक्रम आहूजा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं, जो कि एक बिजनेसमैन बताए जाते हैं। उनकी नेटवर्थ 300 करोड़ है।

रातभर एसी में सोने का आपके शरीर में भी तो नहीं हो रहा ये असर

भीषण गर्मी का मौसम अपने चरम पर है। दिन के साथ-साथ रात में भी उमस से स्थिति गंभीर होती जा रही है और ऐसे में एयर कंडीशनर यानी एसी पर लोगों की निर्भरता बढ़ रही है। दिन के अलावा चैन की नींद के लिए लोग रातभर एसी चलाकर सो रहे हैं। हालांकि, आपको बता दें कि अगर आप भी इन्हीं लोगों में से एक हैं या रातभर एसी चलाकर सोते हैं तो गर्मी से राहत पाने का आपका ये तरीका आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है।

दरअसल, हेल्थ एक्सपर्ट्स बताते हैं कि एसी में सोने से गर्म और उमस भरी रातों में राहत मिल सकती है लेकिन अगर इसका उचित उपयोग न किया जाए तो यह कुछ स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा कर सकता है। यहां हम आपको ऐसी ही कुछ समस्याओं के बारे में बता रहे हैं।

श्वसन स्वास्थ्य होता है प्रभावित

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रातभर एसी चलाकर सोने से श्वसन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर ठंडी हवा के प्रति संवेदनशील लोगों को या अस्थमा और एलर्जी जैसी श्वसन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को इस तरह की परेशानी का अधिक सामना करना पड़ सकता है। एसी से निकलने वाली ठंडी हवा श्वसन तंत्र में जलन पैदा कर सकती है, जिससे खांसी, सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण पैदा हो सकते हैं।

ऐसे में इस तरह के जोखिम को कम करने के लिए एसी के तापमान को मध्यम स्तर पर सेट कर सोएं, हवा में नमी जोड़ने के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें और एलर्जी और प्रदूषकों को कम करने के लिए एयर फिल्टर को नियमित रूप से साफ करें साथ ही समय-समय पर इसे बदलना भी न भूलें।

स्किन और आंखों पर होता है खराब असर

एसी से निकलने वाली हवा नमी को कम करने का कारण बनती है। इससे आपकी स्किन और आंखें शुष्क हो सकती हैं, उनमें खुजली और जलन का एहसास बढ़ सकता है। ऐसे में शुष्क त्वचा और आंखों को राहत देने के लिए भी ह्यूमिडिफायर का उपयोग जरूरी हो जाता है। इससे अलग इन परेशानियों से राहत पाने के लिए एक्सपर्ट्स सोने से पहले त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाने और आंखों को हाइड्रेट करने के लिए डॉक्टर द्वारा सुझाई गई आई ड्रॉप का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं।

मांसपेशियों में अकड़न और दर्द

रातभर एसी चलाकर सोने से अगले दिन आपको मांसपेशियों में अकड़न और जोड़ों में दर्द महसूस हो सकता है, खासकर अगर शरीर लंबे समय तक ठंडे तापमान के संपर्क में रहे तो इस तरह की परेशानी बेहद आम हो जाती है। ठंडे तापमान के कारण मांसपेशियां सिकुड़ सकती हैं और उनमें कसाव आ सकता है, जिससे अकड़न और असुविधा हो सकती है। इसके अतिरिक्त, ठंडी हवा गठिया या अन्य मस्कुलोस्केलेटल स्थितियों वाले व्यक्तियों में जोड़ों के दर्द और कठोरता को बढ़ा सकती है।

इस तरह की परेशानी से राहत पाने के लिए, एसी के तापमान को बहुत अधिक कम न करें। साथ ही सोने से पहले कुछ देर वॉक या हल्के स्ट्रेचिंग व्यायाम जरूर करें।

इम्यून सिस्टम होता है वीक

लंबे समय तक एसी की ठंडी हवा शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कमजोर कर सकती है, जिससे आप वायरल और बैक्टीरियल संक्रमणों के प्रति अधिक संवेदनशील बन सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, लंबे समय तक ठंडे तापमान के संपर्क में रहने से नाक के मार्ग और ऊपरी श्वसन पथ में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ सकती हैं, जिससे शरीर की रोगजनकों और वायरस से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। इस तरह के श्वसन संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए आप एसी में टाइमर सेट कर सकते हैं या एक समय तक कमरा ठंडा होने के बाद एसी को बंद कर सकते हैं।

एलर्जी को करता है ट्रिगर

एसी चालू करके सोने से संवेदनशील व्यक्तियों में एलर्जी बढ़ सकती है। दरअसल, ठीक से रखरखाव न किया जाए तो एसी यूनिट धूल, पराग, फफूंद और पालतू जानवरों की रूसी जैसे एलर्जी को बढ़ावा देने वाले पार्टिकल्स को आप तक पहुंचा सकती है। इस स्थिति में बार-बार छींक आना, नाक बंद होना, नाक बहना और आंखों में खुजली जैसे लक्षण पैदा हो सकते हैं।

हद से ज्यादा झड़ रहे हैं आपके बाल तो इस चीज में मिलाकर लगाएं अरंडी का तेल

अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं तो आप अरंडी का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। इस तेल की खास बात ये है कि इसकी प्रकृति मोटी होती है। यानी कि इस तेल को बाल में लगाने से बाल मोटे होते हैं और इनका टैक्चर बेहतर होता है। साथ ही ये तेल उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है जिनके बाल नीचे से दोमुंहे हो रहे हैं और काफी ड्राई हैं। ऐसे लोगों के लिए ये तेल कारगर तरीके से काम करता है। ये बालों को अंदर से स्वस्थ बनाता है और उन कारणों पर रोक लगाता है जिसकी वजह से बाल झड़ते हैं। तो, अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं तो आप इस प्रकार से अरंडी के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नारियल तेल में मिलाकर लगाएं अरंडी का तेल

जैसा कि हमने बताया कि अरंडी के तेल की प्रकृति मोटी होता है तो बाल इसे आसानी से अवशोषित नहीं कर पाते हैं। तो जब आप अरंडी के तेल को नारियल तेल में मिलाकर इस्तेमाल करते हैं तो ये पतला हो जाता है और बाल इसे आसानी से अवशोषित कर लेते हैं। तो, आपको करना ये है कि जितना तेल आपको लगाना है उतना नारियल तेल ले लें और इसमें 2 चम्मच अरंडी का तेल मिलाएं। दोनों को मिक्स करें और इस तेल से बालों की मसाज करें।

बादाम के तेल में मिलाकर लगाएं अरंडी का तेल

दूसरा, तरीका ये हो सकता है बादाम का तेल लें और इसमें अरंडी का तेल मिला लें। फिर इसे थोड़ा सा गर्म करें और इसे बालों में लगाएं। गर्म करने से ये तेल बालों में आसानी से अवशोषित हो जाएगा और इससे आपके बालों की ग्रोथ भी बेहतर होगी।

झड़ते बालों के लिए अरंडी के तेल के फायदे

झड़ते बालों के लिए अरंडी का तेल कारगर तरीके से काम करता है। ये तेल बालों में ब्लड सर्कुलेशन को तेज करता है और फिर ये जड़ों को खोल देता है जिससे बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचता है और बाल मजबूत रहते हैं।

इन सबके अलावा अरंडी के तेल की खास बात ये भी है कि इस तेल को लगाने से स्कैल्प पर नमी बनी रहती है और ड्राईनेस की वजह से डैंड्रस और खुश्की की समस्या नहीं होती। तो, झड़ते बालों के लिए आप अरंडी का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं।

लिवर की बीमारी से होने वाली 5 में से 4 मौतों का कारण शराब

शरीर स्वस्थ रहे, अपशिष्ट पदार्थ ठीक तरीके से बाहर होते रहें और रक्त शुद्ध बना रहे इसके लिए जरूरी है कि आपका लिवर ठीक तरीके से काम करता रहे। लिवर सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, पाचन को ठीक रखने से लेकर ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने तक के लिए लिवर का ठीक तरीके से काम करते रहना जरूरी है। हालांकि आश्चर्यजनक रूप से लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। लिवर की बीमारियों के कारण न सिर्फ पाचन स्वास्थ्य प्रभावित होता है साथ ही शरीर में और भी कई प्रकार के नकारात्मक परिवर्तन होने लग जाते हैं।

लिवर के लिए बहुत हानिकारक है शराब

लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ कहते हैं, लिवर की अधिकतर बीमारियों के लिए अल्कोहल के सेवन को प्रमुख कारक माना जाता है। आप जब शराब पीते हैं तो शरीर इसका ब्रेक डाउन करना शुरू कर देता है जिससे ये शरीर से बाहर निकल सके। हालांकि प्रक्रिया के दौरान ऐसे पदार्थ बनते हैं जो शराब से भी अधिक हानिकारक होते हैं। इन पदार्थों की अधिक मात्रा लिवर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती है और गंभीर लिवर रोग का कारण बन सकती है।

लिवर की बीमारी से होने वाली 5 में से 4 मौतों का कारण शराब है। शराब के कारण होने वाले लिवर रोगों में फैटी लिवर (स्टीटोसिस) लिवर की सूजन (अल्कोहलिक हेपेटाइटिस) और सिरोसिस जैसी समस्याएं प्रमुख हैं।

शराब के कारण लिवर कोशिकाओं को क्षति

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लिवर बहुत लचीला अंग होता है और ये खुद को पुनर्जीवित करने में सक्षम होता है। हर बार जब आपका लिवर अल्कोहल को फिल्टर करता है, तो इससे लिवर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचती है। वैसे तो लिवर नई कोशिकाओं का विकास कर लेता लेकिन अक्सर या लंबे समय तक शराब पीने से इसकी कोशिकाओं की पुनः उत्पन्न करने की क्षमता प्रभावित होने लगती है इसके परिणामस्वरूप आपके लिवर को गंभीर हो सकती है।

लिवर में फैट जमने की समस्या

अध्ययनकर्ताओं ने बताया लिवर में फैट बनने की समस्या भी कम उम्र के लोगों में देखी जा रही है। वैसे तो इसका खतरा उन लोगों में भी होता है जो शराब नहीं पीते हैं हालांकि अधिक शराब के सेवन को इसका प्रमुख कारण माना जाता है। सिरोसिस के मामले आमतौर पर लंबे समय तक शराब अधिक सेवन से जुड़े माने जाते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया, शराब न पाने वाले लोगों में लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा कम होता है।

डॉ कहते हैं, अगर आप शराब पीना बंद कर देते हैं तो लिवर से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। इसके अलावा लिवर को स्वस्थ रखने के लिए आहार को ठीक रखना, हरी सब्जियों-फलों का सेवन अधिक करने को जरूरी माना जाता है। शराब से दूरी बनाकर आप शरीर के इस सबसे महत्वपूर्ण अंग की सेहत को ठीक रख सकते हैं।

गर्मी में डिहाइड्रेशन को दूर करने के घरेलू टिप्स

गर्मियों के मौसम में पसीना ज्यादा निकलने और पानी की कमी से डिहाइड्रेशन होना बहुत आम समस्या है। हालांकि, इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इससे सिर्फ थकान या कमजोरी ही नहीं, बल्कि गर्मी में हीट स्ट्रोक, यूटीआई और लो बीपी जैसी

समस्याएं भी हो सकती हैं। डिहाइड्रेशन की समस्या से निजात पाने के लिए सबसे पहला और असरदार तरीका अधिक पानी पीना।

एक अध्ययन के अनुसार, डिहाइड्रेशन होने पर सबसे पहले पानी की मात्रा को बढ़ाना जरूरी है। रिसर्च के अनुसार, खिलाड़ियों ने डिहाइड्रेशन के बाद पानी और फ्लूइड लेना शुरू किया और निष्कर्ष से सामने आया कि निर्जलीकरण के बाद तरल पदार्थ के सेवन ने गर्मी और तनाव को कम किया।

दरअसल, मानव शरीर का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है। शरीर में सही मात्रा में पानी का लेवल रहने पर जॉइंट्स, आईज और अन्य अंग को पर्याप्त नमी मिलती है। इसके अलावा पानी से शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे स्किन हेल्थ के साथ-साथ पाचन तंत्र भी अच्छा होता है।

जौ का पानी पिएं

शरीर में पानी की कमी को दूर तुरंत दूर करने के लिए जौ का पानी काफी फायदेमंद हो सकता है। जौ के पानी में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जौ का पानी शरीर को हाइड्रेटेड बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 1 गिलास पानी में जौ डालें। इसे अच्छी तरह से उबाल लें। फिर छानकर नींबू का रस और शहद डालकर दिन में 3-4 बार पी सकते हैं।

नींबू पानी

शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए नींबू पानी बहुत फायदेमंद होता है। ये शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करता है और एनर्जी तुरंत देता है। 1 गिलास पानी में 1 चुटकी नमक, 1 चम्मच नींबू रस और 1 चम्मच चीनी मिलाकर पीएं।

बेल का शरबत

बेल का शरबत शरीर को ठंडक देता है और पाचन तंत्र बेहतर बनाता है। बेल फल को तोड़कर नारियल पानी डिहाइड्रेशन, थकावट और उसका गूदा निकालें, पानी में घोलकर

मसल्स क्रैम्प्स में बेहद असरदार है। दिन में 1–2 बार नारियल पानी पी सकते हैं।

खीरे या तरबूज

गर्मी में शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए शहद या गुड़ मिलाएं। इससे पानी की कमी दूर होती है।

नारियल पानी

गर्मी के मौसम में नारियल पानी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। ये नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है। खीरा और तरबूज बहुत ही फायदेमंद होता है। ये हाई वाटर कंटेंट से बॉडी को तेजी से हाइड्रेट करता है और किडनी को डिटॉक्स करता है। तरबूज और खीरे को मिक्स करके थोड़ा काला नमक मिलाकर पिएं।

क्या आपकी हृदय की धड़कन बढ गयी है

प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से हृदय की धड़कन बढ़ गई, लगता है। क्या आप इसे सामान्य बनाने के उपाय बता सकते है?

- रामनिरंजन शर्मा , हैदराबाद

उत्तर : धड़कन या पल्पिटेशन एक गैर चिकित्सकीय शब्द है। जब कभी हृदय का स्पंदन असामान्य प्रतीत होता है उसे पल्पिटेशन की श्रेणी में रखा जाता है। इससे हृदय स्पंदन के ज्यादा होने, कुछ बीट्स छूट जाने, कुछ तेजी तेजी से धड़कने, शक्ति के साथ धड़कने या कुछ असामान्य रूप से धड़कने वाले हृदय के बीट्स शामिल है। इसे आप आसानी से ईसीजी में पकड़ सकते हैं। हृत्कंप तनाव से, थायराइड ग्रंथि की अति सक्रियता से, कुछ अंग्रेजी दवाओं के पार्श्वप्रभाव से, हृदय की धमनियों के रोग से, हृदय की मांसपेशियों में आए खिंचाव से, हृदय के वाल्व की विकृति से या किसी अज्ञात कारण से भी बढ़ सकता है। कई बार हृत्कंप काफी, चाय, कोको, चॉकलेट और सोडा से भी बढ़ता देखा गया है। इसी कारण हृत्कंप में सभी प्रकार के ठंडे पेय और चाय , कॉफी आदि पीने से मना करते हैं।

आयुर्वेद में बढ़ी हुई हृदय की धड़कन की चिकित्सा है। अच्छा वैद्य पूरे कारणों की जांच कर निदान पर पहुंचता है और निदान के अनुसार ही चिकित्सा तय करता है। ऊंझा जवाहर मोहरा हृदय को बल देने वाला एक श्रेष्ठ योग है। किसी भी प्रकार के हृत्कंप इसके प्रयोग से शांत होते हैं । प्रवाल पिष्टी, अकीक पिष्टी, ऊंझा अर्जुनारिष्ट का भी प्रयोग किया जा सकता है। चिकित्सा काल में उत्तेजना पैदा करने वाले आहार - विहार से बचें।

प्रश्न : मेरा लड़का 12 वर्ष का है। उसे पसीना बहुत आता है। जरा सा बाहर खेलते ही पसीना- पसीना हो जाता है। इलाज बताएं।

- ए मनोहर राव, सिद्दीपेट

उत्तर : आपके लड़के के लक्षणों से लगता है वह पित्त प्रकृति का है। शरीर में पित्त की अधिकता से कोशिकीय स्तर पर चयापचय प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। इसी तेजी के चलते तीन प्रकार के मल बनते हैं। मूत्र, स्वेद और मल। (पेशाब , पसीना और पैखाना) य दि वातावरण में गर्मी हो तब

शरीर से मल निकासी स्वेद मार्ग से अधिक होती है । चूंकि आपका लड़का पित्त प्रकृति का है, और वातावरण का तापमान भी बढ़ा हुआ है और जब भी लड़का खेलकूद कर आता है तब पसीना अधिक आना स्वाभाविक प्रतीत होता है।

आयुर्वेद में ऐसे योग हैं जो शीतल और रोग प्रतिकार शक्ति उद्दीपक है। जो सर्वथा सुरक्षित और दुष्प्रभावों से रहित है। जो उष्ण वातावरण में भी सामान्य क्रियाशील जीवन के लिए शक्ति को देखकर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते हैं। आप लड़के को फ्रीजी सैरप 10-10 मिलीलीटर दिन में तीन बार पिलाएं। रात सोते समय नवरत्न कल्पामृत रस टिकिया दूध से देवें। ऊंझा प्रवालयुक्त गुलकंद देने से भी शरीर की गर्मी शांत होती है और पित्त शांति के साथ मल शुद्धि भी आसानी से होती है। मसूर की दाल के बेसन में थोड़ा सा कच्चा दूध मिलाकर पीठी कर लेवे इस पीठी को साबुन के स्थान पर प्रयोग करें। थोड़े ही दिनों में स्वेदाधिक्य कम होने लगेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 18 वर्ष है। भूख नहीं लगती। मुंह में पानी आते रहता है, पेट भारी रहता है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- पी वेंकटेश, शादनगर

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है कि आपको 'अग्निमांद्य ' नामक रोग हो गया है। अग्निमांद्य रोग में जाठराग्नि की शक्ति मंद हो जाती है । इस कारण आहार का पाचन नहीं होता। अजीर्ण, अरुचि, स्वादहानि, लाला स्राव, खट्टी डकार तथा पेट में भारीपन अग्निमांद्य रोग के मुख्य कारण है।

एक औषधि प्रयोग में सोंठ चूर्ण 2 ग्राम सुबह-शाम गर्म पानी के साथ लेने से डिस्पेप्सिया दूर होता है ।

*अदरक 5 ग्राम नमक या गुड से लेने पर भी अग्निमांद्य रोग दूर होता है ।

*हरीतकी चूर्ण को गुड से लेने पर जाठराग्नि प्रदीप्त होकर अग्निमांद्य दूर होता है।

* नींबू का रस भोजन के बाद लेने पर अजीर्ण दूर होता है।

* योगों में - लवण भास्कर चूर्ण, हिंग्वाष्टक चूर्ण, शिवाक्षार पाचन चूर्ण उपयोगी है ।

*भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसने से अग्निमांद्य दूर होता है।

* शंख वटी ,अग्नितुंडी वटी, रसोनादि वटी भी इस रोग में परम उपयोगी है।

* भोजन के बाद जिरकारिष्ट या द्राक्षासव लेने से अजीर्ण दूर होता है। अरुचि नष्ट होकर भोजन का सही पाचन होता है। ऊंझा पंचासव भी इस में समान रूप से उपयोगी है । अग्निमांद्य में देर से हजम होने वाले खाद्य पदार्थ , रेचक द्रव्य , शीतल पानी, दूषित जल नहीं लेले नहीं लेना चाहिए। हल्का, सुपाच्य और समय से भोजन ही लेना ठीक रहता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब है भारत

मुंबई । भारत, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गया है, जिसमें प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत शून्य सीमा शुल्क पर आयात करने की सुविधा होगी और इसके साथ ही द्विपक्षीय व्यापार करने में भी मदद मिलेगी। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। आज अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस अपने परिवार के साथ भारत पहुंचे हैं। इस दौर पर भारत-अमेरिका बीटीए पर भी बातचीत हो सकती है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि बीटीए से डिफेंस, क्लीन एनर्जी और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग में उच्च स्तरीय अमेरिकी टेक्नोलॉजी आयात के भी रास्ते खुलेंगे। पैंटोमैथ ग्रुप की कंपनी असित सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स लिमिटेड (एसीएमआईआईएल) की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था, जनसांख्यिकीय लाभांश और निर्यात पर कम निर्भरता से भारत की जीडीपी अच्छी स्थिति में बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका को होने वाले निर्यात की भारत की जीडीपी में हिस्सेदारी 2.1 प्रतिशत है। इससे वैश्विक स्तर पर अस्थिरता से उन देशों की अपेक्षा भारत की अर्थव्यवस्था पर कम असर होगा, जो काफी हद तक निर्यात पर निर्भर हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका ने भारत पर चीन की तुलना में काफी कम टैरिफ लगाए हैं। ऐसे में आपूर्ति श्रृंखला में होने वाले बदलाव का सीधा फायदा भारत को मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, आधार मजबूत होने के कारण देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है। वित्त वर्ष 26 में जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रह सकती है। वहीं, वित्त वर्ष 25 में राजकोषीय घाटा कम होकर 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एसीएमआईआईएल के मुताबिक, टेक्निकल और वैल्यूएशन इंडीकेटर्स इशारा कर रहे हैं कि बाजार निचले स्तरों से रिकवरी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'मेक इन इंडिया' इनिशिएटिव और कारोबार को आसान बनाने पर ध्यान देने सहित सरकार के नीतिगत समर्थन से विभिन्न क्षेत्रों को मजबूती मिल रही है।

शेयर बाजार में सोमवार को मजबूत उछाल

सेंसेक्स 855 अंक चढ़ा, निफ्टी 24100 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ पर 90 दिन की पाबंदी के बाद बाजार का संभलना सोमवार को भी जारी रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजों के बाद बैंकिंग शेयरों में अच्छी तेजी दिखी। बैंकिंग शेयरों तेजी से निफ्टी बैंक अपने नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों और विदेशी पूंजी प्रवाह लौटने से बैंकिंग और आईटी शेयरों में भारी खरीदारी दिखी। इससे बेंचमार्क सेंसेक्स लगातार पांचवें दिन बढ़त के साथ 855 अंक उछलकर 79,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 855.30 अंक या 1.09 प्रतिशत चढ़कर 79,408.50 अंक पर बंद हुआ। इसके 23 शेयर हरे निशान में बंद हुए। कारोबार के दौरान यह 1,081.85 अंक या 1.37 प्रतिशत चढ़कर 79,635.05 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 273.90 अंक या 1.15 प्रतिशत चढ़कर 24,125.55 पर बंद हुआ। इसमें 39 शेयरों में तेजी और 11 में गिरावट रही।पांच दिन की तेजी के दौरान सेंसेक्स में 5,561.35 अंक या 7 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई तथा निफ्टी में 1,726.40 अंकों की तेजी आई। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 2 अप्रैल को लगाए गए पारस्परिक शुल्कों से हुए नुकसान की भरपाई हो गई। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा व महिंद्रा, एचसीएल टेक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रहे। अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एशियन पेंट्स और नेस्ले पिछड़ने वालों में शामिल थे।प्रमुख निजी ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया। बैंक ने मार्च तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में 7 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की और यह 18,835 करोड़ रुपये रहा। मार्च तिमाही में कंपनी के शुद्ध लाभ में क्रमिक आधार पर 3.3 प्रतिशत की वृद्धि होने के बाद इंफोसिस के शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में लगभग 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, इससे बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी आई। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 2.20 प्रतिशत तथा स्मॉलकैप सूचकांक में 1.67 प्रतिशत की तेजी आयी। बाजार में तेजी पर जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बुल्स ने बढ़त हासिल कर ली, जिसके कारण पिछले 3 महीनों में तीसरी बार निफ्टी 24 हजार के पार चला गया और बैंक निफ्टी ने नई ऊंचाई पर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता और ऋण वृद्धि के कारण बैंकिंग शेयरों में जबरदस्त खरीदारी दिखी।बीएसई के सभी क्षेत्रीय सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जिनमें तेल व गैस में 2.61 प्रतिशत, बिजली में 2.49 प्रतिशत, बीएसई केंद्रित आईटी में 2.42 प्रतिशत, आईटी में 2.31 प्रतिशत, रियल्टी में 2.27 प्रतिशत, ऑटो में 2.12 प्रतिशत और धातु में 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई में 2,918 शेयरों में तेजी रही, 1,168 में गिरावट आई तथा 161 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले पांच दिनों में बीएसई बेंचमार्क सूचकांक 5,561.35 अंक या 7.53 प्रतिशत बढ़ा, तथा निफ्टी 1,726.4 अंक या 7.70 प्रतिशत बढ़ा। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 4,667.94 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक और शंघाई एसएसई कंपोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि टोक्यो का निक्केई 225 गिरावट के साथ बंद हुआ। हांगकांग में बाजार बंद रहे।

सोना रिकॉर्ड ऊंचाई पर, 96,670 पर पहुंचा:24 कैरेट के दाम एक दिन में 1,760 बढ़े, शादी सीजन में कीमतों में उछाल

सोने ने आज यानी 21 अप्रैल को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,760 बढ़कर 96,670 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,910 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,091 बढ़कर 96,242 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,151 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,500 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,350 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,350 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,350 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,400 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 98350 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 90150/10 ग्राम।

इस साल अब तक 20,508 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,508 रुपए बढ़कर 96,670 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 10,225 रुपए बढ़कर 96,242 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

साल के आखिर तक 1.10 लाख तक जा सकता है सोना

अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं।

ज्यादा खुश मत होइए... बाजार में बड़ी आफत आनी बाकी! भारत समेत कोई नहीं बचेगा इससे, किसने दी यह चेतावनी?

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट में एक बार फिर से तेजी आई। पिछले हफ्ते शेयर मार्केट तीन दिन खुली थी और तीनों दिन बढ़त के साथ बंद हुई। इससे निवेशकों को एक बार फिर से भरोसा जगा है। वहीं मोबियस इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड के चेयरमैन मार्क मोबियस का कहना है कि बाजार में बड़ी गिरावट आनी अभी बाकी है। मोबियस ने इसका कारण अमेरिका के टैरिफ को बताया है। उनका कहना है कि अमेरिकी टैरिफ के कारण दुनियाभर की मार्केट में बड़ी गिरावट आ सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में मार्क मोबियस ने भारत को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत, चीन से ग्लोबल सप्लाई चेन को अपने हाथ में ले सकता है। मार्क मोबियस ने कहा कि भारत को निवेश और व्यापार से जुड़ी नौकरशाही को कम करना होगा। इससे काम जल्दी होगा।

मार्केट को लेकर क्या रुख?

मोबियस का कहना है कि बाजार में और भी अनिश्चितता देखने को मिल सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप अभी बातचीत कर रहे हैं। उन्हें कुछ टैरिफ पर 90 दिन की समय सीमा खत्म होने से पहले कई व्यापारिक सौदे निपटाने हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बातचीत कर रहे होते हैं तो आपको कुछ पाने के लिए कुछ चुकाना होता है।' पहले व्यापारिक सौदों पर काम कर चुके लोगों का कहना है कि इस तरह की जल्दबाजी वाली समय-सीमा कई तरह की मुश्किलें और रुकावटें लाती है। इसलिए, तैयार रहें। बाजार और भी अस्थिर हो सकता है। यानी मार्केट में और गिरावट आ सकती है।भारत पर क्या पड़ेगा असर? मोबियस ने कहा कि हर कोई एक ही स्थिति में है। मार्केट की गिरावट से कोई भी आम तौर पर बच नहीं सकता है। भारत वैश्विक व्यापार युद्ध में और भी ज्यादा उलझेगा क्योंकि यह आगे चलकर एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बनेगा। भारत बहुत अच्छी स्थिति में है। वह चीन से सप्लाई चेन को अपने हाथ में लेने की स्थिति में है। लेकिन भारत को निवेश के लिए सिस्टम को उदार बनाने और अपने व्यापार सिस्टम को भी उदार बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ना होगा।

मंदी के बारे में यह दी राय

मोबियस का कहना है कि अमेरिका में मंदी आएगी। शायद इसलिए क्योंकि पैसे की आपूर्ति अच्छी दर से नहीं बढ़ रही है। हालांकि मोबियस का यह भी कहना है कि यह मंदी बहुत लंबे समय तक नहीं चलेगी। यह एक तिमाही या उससे कम समय तक चलेगी। मोबियस ने बताया कि ट्रंप यह सुनिश्चित करने के लिए निश्चित रूप से कुछ कार्रवाई करेंगे कि यह ज्यादा न खींचे।

गौतम अडानी, अनिल अग्रवाल, बाबा रामदेव तक इस कंपनी को खरीदने के लिए लाइन में खड़े हैं

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी इंडिया लिमिटेड (एआरसीआईएल) को बोली को खारिज कर दिया गया है। पिछले साल के अंत में 26 कंपनियों ने इसके लिए बोली लगाई थी। एआरसीआईएल की बोली रिजेक्ट होने के बाद अब 25 कंपनियों इसे खरीदने की होड़ में रह गई हैं। इनमें अडानी एंटरप्राइजेज, डालमिया भारत, वेदांता, पतंजलि आयुर्वेद और जिंदल पावर शामिल हैं। इसके अलावा जीएमआर ग्रुप, कोटक ऑल्टरनेट एसेट मैनजर्स, ओबेरॉय रियल्टी, टॉरेंट पावर, जेपी इन्फ्राटेक और ऑथम

इनवेस्टमेंट ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए एसेट एआरसीआईएल को बोली को खारिज कर दिया गया है। जयप्रकाश एसोसिएट्स देश की सबसे बड़ी कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग्स में से एक है। इस कंपनी का बिजनस इन्फ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी और नॉन-ऑपरेशनल सीमेंट तक फैला है। कंपनी पर भारी कर्ज है और उसके प्रोजेक्ट देरी से चल रहे हैं।

कंपनी पर कर्ज

कंपनी पर 57,000 करोड़ से अधिक का कर्ज है। अंतरिम समाधान पेशेवर के दाखिल दस्तावेजों से पता चलता है कि जयप्रकाश एसोसिएट्स पर एसबीआई का सबसे ज्यादा 15,000 करोड़ रुपये का बकाया है। आईसीआईसीआई बैंक 9,204 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। कंपनी के आगरा, नोएडा, दिल्ली और मसूरी में होटल, चुर्कट, रेवत, साधवा खुर्द और चुनार में सीमेंट प्लांट तथा नोएडा के करीब यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया में जमीन है।

विकसित भारत बनने की रणनीति

अनंत नागेश्वरन बोले- हर साल 80 लाख नौकरियों की जरूरत; विनिर्माण पर भी जोर

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कम से कम अगले 10 से 12 सालों तक हर साल 80 लाख नई नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके साथ ही देश की जीडीपी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ानी होगी। बता दें कि नागेश्वरन कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित 'कोलंबिया इंडिया समिट 2025' में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम भारत की आर्थिक नीतियों और भविष्य को लेकर आयोजित किया गया था। नागेश्वरन ने समिट में कहा कि आने वाले 10-20 साल भारत के लिए आसान नहीं होंगे। जैसा अनुकूल माहौल भारत को 1990 के बाद मिला था, वैसा अब नहीं मिलेगा। दुनिया की बदलती

परिस्थितियां, तकनीकी बदलाव और वैश्विक संघर्ष आर्थिक विकास में बाधा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी जैसी चुनौतियां अब सामने हैं, जो पहले विकसित देशों को नहीं झेलनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि एआई जैसी तकनीकें एंट्री-लेवल नौकरियों को खत्म कर सकती हैं। ऐसे में हमें नीतियों में इस तरह का संतुलन लाना होगा, जिससे रोजगार भी बने और तकनीक का इस्तेमाल भी हो। नागेश्वरन ने कहा कि अगर भारत को वैश्विक विनिर्माण में मजबूत बनना है, तो लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) का विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश बिना मजबूत एमएसएमई सेक्टर के मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति नहीं बन पाया।

सरकार ने गूगल को भारत का गलत नक्शा दिखाने वाले चीनी ऐप को हटाने का आदेश दिया

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट चैटजीपीटी का इस्तेमाल अब काफी होने लगा है। काफी यूजर्स इस चैटबॉट पर अपने सवाल पूछते हैं और जानकारी लेने के दौरान 'प्लीज' और 'थैंक यू' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ये शब्द चैटजीपीटी की कंपनी ओपनएआई (ओपनएआई) के लिए आफत बन गए हैं। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाल ही में एक बात बताई। उन्होंने कहा कि 'प्लीज' और 'थैंक यू' जैसे छोटे-मोटे शब्द भी कंपनी के लिए बिजली का खर्चा बढ़ा रहे हैं। सैम ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर के सवाल के जवाब में कही थी। उन्होंने बताया कि इन छोटे शब्दों के कारण करोड़ों डॉलर की बिजली खर्च होती है।कुछ दिनों पहले टॉमी नाम के एक यूजर ने एक्स पर एक पोस्ट लिखी थी। इसमें यूजर ने पूछा था कि चैटजीपीटी से बात करते समय लोग जो प्यार से 'प्लीज' और 'थैंक यू' बोलते हैं, उससे कितनी बिजली खर्च होती है? इस पर सैम ने जवाब दिया कि कंपनी इसके लिए करोड़ों डॉलर खर्च कर रही है, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। उनका ये मजाकिया जवाब बताता है कि एआई सिस्टम हर शब्द को प्रोसेस करने में कितना खर्चा करता है। अब बात करते हैं कि 'प्लीज' और 'थैंक यू' बोलने से क्या होता है। देखने में तो ये छोटे शब्द लगते हैं, लेकिन इनसे कंप्यूटर पर काम का बोझ बढ़ जाता है। हर एक शब्द को प्रोसेस करने के लिए ज्यादा पावर चाहिए होती है। इससे चैटजीपीटी को चलाने वाले डेटा सेंटर्स पर ज्यादा दबाव पड़ता है। इन सेंटर्स में बहुत सारे कंप्यूटर होते हैं जो बहुत गर्मी पैदा करते हैं। इसलिए, उन्हें ठंडा रखने के लिए खास सिस्टम लगाने पड़ते हैं। इन सब चीजों से बिजली का इस्तेमाल बढ़ जाता है।

टेक बिलेनियर एलन मस्क की मां मेये मस्क का 77वां जन्मदिन

बेटे ने मुंबई में ऐसे दिया सरप्राइज

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मशहूर मॉडल और पोषण विशेषज्ञ मेये मस्क आजकल भारत के मुंबई में हैं। वे यहां एक खास यात्रा पर आई हैं। मेये, टेक जगत के बड़े नाम एलन मस्क की मां भी हैं। मस्क की संपत्ति 300 अरब से भी ज्यादा की है। उनकी मां ने अपना 77वां जन्मदिन मुंबई में मनाया है। उनके जन्मदिन को एलन ने और भी खास बना दिया। एलन ने उन्हें फूलों का एक सुंदर गुलदस्ता भेजा। यह तोहफा उनके लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि यह इतनी दूर से आया था।

एक्स पर खुशी जाहिर की

मेये ने एक्स(जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर इसके लिए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने फूलों के साथ अपनी एक फोटो पोस्ट की। उन्होंने लिखा, एलन मस्क, मुंबई में मेरे लिए जन्मदिन पर फूल भेजने के लिए शुक्रिया। प्यार, एम। #77 साल की होना बहुत अच्छा है। उनके शब्दों में प्यार और खुशी झलक रही थी।

मस्क ने भी दिया जवाब

एलन मस्क ने भी अपनी मां को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक प्यारा सा मैसेज लिखा, मां, मैं आपसे प्यार करता हूं। हर चीज के लिए धन्यवाद। मेये ने भी जवाब में लिखा, 'धन्यवाद,' यानी, धन्यवाद। इससे पता चलता है कि दोनों के बीच कितना प्यार है।

खास तरीके से मनाते हैं जन्मदिन

मेये के अनुसार, उनके बच्चे हर पांच साल में उनके जन्मदिन को खास तरीके से मनाते हैं। एलन, किम्बल और टोस्का मस्क मिलकर उनके लिए एक बड़ी पार्टी रखते हैं। मेये ने यह बात एक और पोस्ट में बताई। इससे पता चलता है कि उनका परिवार कितना करीब है और वे एक-दूसरे को कितना प्यार करते हैं।

पीएम मोदी के पोस्ट पर भी ध्यान

मेये ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पोस्ट पर भी ध्यान दिया। पीएम मोदी ने एलन मस्क के साथ अपनी मुलाकात के बारे में लिखा था। उन्होंने बताया कि वे दोनों मिलकर नई टेक्नोलॉजी पर काम करने की बात कर रहे हैं। मेये ने इस पोस्ट पर अपनी राय दी। इससे पता चलता है कि वे अपने बेटे के काम में कितनी दिलचस्पी रखती हैं। मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा, एलन मस्क से बात की और कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें वाशिंगटन, डीसी में इस साल की शुरुआत में हमारी बैठक के दौरान शामिल विषय भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के साथ टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए तैयार है।

एलन मस्क की बड़ी प्लानिंग

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में गाड़ियां बनाने की सोच रही है। उनकी एक और कंपनी है, स्टारलिंक। यह सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सेवा देती है। स्टारलिंक ने भारत की दो बड़ी कंपनियों, जियो और एयरटेल के साथ शुरुआती समझौते किए हैं। हालांकि, अभी कुछ सरकारी मंजूरी मिलना बाकी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-59 सूर्यास्त - 18-30
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	में	मेष---	05-32 बजे
चंद्र-	मकर	में	वृष---	07-16 बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	09-17 बजे
बुध-	मीन	में	कर्क---	11-29 बजे
गुरु-	वृष	में	सिंह---	13-41 बजे
शुक्र-	मीन	में	कन्या--	15-48 बजे
शनि-	मीन	में	तुला----	17-53 बजे
राहु-	मीन	में	वृश्चिक--	20-04 बजे
केतु-	कन्या	में	धनु......	22-18 बजे
			मकर...	00-23 बजे
			कुंभ....	02-13 बजे
			मीन....	03-52 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 18-13 तक उपरान्त दशमीं
मास - वैशाख कृष्ण , मंगलवार 22 April
नक्षत्र - श्रवण 12-44 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - शुभ 21-12 तक उप शुक्ल
करण- तैतिल 06-41 तक उप वणिज
विशेष - व्रत -त्योहार - विश्व पृथ्वी दिवस

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:59 - 07:31	अशुभ	काल.	18:30 - 19:58	अशुभ
उत्पात	07:31 - 09:06	अशुभ	लाभ	19:58 - 21:24	शुभ
चंचल	09:06 - 10:40	शुभ	उत्पात	21:24 - 22:49	अशुभ
लाभ	10:40 - 12:15	शुभ	शुभ	22:49 - 00:14	शुभ
अमृत.	12:15 - 13:49	शुभ	अमृत	00:14 - 01:40	शुभ
काल	13:49 - 15:24	अशुभ	चंचल	01:40 - 03:05	शुभ
शुभ	15:24 - 16:58	शुभ	रोग	03:05 - 04:31	अशुभ
रोग.	16:58 - 18:30	अशुभ	काल	04:31 - 05:59	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है। आपको इस बहुत ही अनुकूल दिन का लाभ लेने के लिए अपने सभी प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे बल्कि आप कार्य प्रणाली को भी बेहतर तरीके से समझ पाओगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है। तो, पहला कदम उठाइए और निर्णय ले ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवेदन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवेदन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दफनाने से पहले तोड़ी जाएगी पोप की अंगूठी

सफेद धुएं के क्या मायने, ईसाई धर्मगुरु के निधन के बाद की पूरी प्रक्रिया

वेटिकन सिटी, 21 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दुनिया के सबसे बड़े धर्मगुरुओं में से एक रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के पोप फ्रांसिस का निधन हो गया है। सोमवार सुबह वेटिकन सिटी के सीनियर ऑफिशियल कार्डिनल केविन फेरेल ने ऐलान किया, 'आज सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर रोम के बिशप फ्रांसिस, फादर के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन प्रभु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था। उनकी इच्छा के मुताबिक, उन्हें उनकी पसंदीदा चर्च में दफनाया जाएगा। इससे पहले आम तौर पर पोप का शरीर संरक्षित करने की परंपरा है।

पोप का शरीर शांत होने के बाद उनकी अंगूठी क्यों तोड़ते हैं, नए पोप के लिए गोपनीय वोटिंग में चर्च से धुआं क्यों उठता है; उनके निधन से जुड़े 10 जरूरी सवालों की पडताल करती रिपोर्ट।

पोप फ्रांसिस को 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें 'ब्रॉन्काइटिस' यानी सांस की नली में सूजन हो गई थी। दरअसल, युवावस्था में पोप को प्लूरिसी नाम की फेफड़ों की बीमारी हो गई थी। इसके चलते उनके फेफड़े का एक हिस्सा निकाल दिया गया था। सर्दियों के मौसम में पोप को फेफड़ों का इन्फेक्शन होने का खतरा बना रहता था। मार्च 2023 में भी ब्रॉन्काइटिस के चलते पोप को 3 दिन तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था।

इस बार जब पोप अस्पताल में भर्ती हुए तो डॉक्टर्स ने जांच के बाद बताया कि पोप को बायलेट्रल निमोनिया हुआ है। असल में निमोनिया एक तरह का फेफड़ों का इन्फेक्शन है। इसके चलते फेफड़ों के अंदर मौजूद छोटे-छोटे हवा के थैलों में सूजन हो जाती है। जब सूजन बढ़ती है तो इन थैलों में पानी भर जाता है। इससे मरीज को सांस लेने में दिक्कत और खांसी, बुखार वगैरह हो जाता है। यही संक्रमण जब दोनों फेफड़ों में हो जाता है तो इसे बायलेट्रल निमोनिया कहते हैं। डॉक्टर्स का कहना था कि पोप फ्रांसिस को सेप्सिस यानी खून में संक्रमण का खतरा है। 38 दिन तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद 23 मार्च को छुट्टी मिली थी। एक महीने से भी कम समय में 21 अप्रैल को उनका निधन हो गया।

बता दें कि पोप के अलावा कैथोलिक चर्च के दुनिया भर में 252 प्रमुख पादरी हैं, जिन्हें कार्डिनल कहा जाता है। ऐसे 5 कार्डिनल्स भारत में भी हैं। इन्हीं में से एक वेटिकन के सबसे सीनियर कार्डिनल पोप की मृत्यु की पुष्टि करते हैं। इन्हें कैमरलेंगो कहा जाता है। अभी यह पद आयरिश मूल के कार्डिनल केविन फैरेल के पास है। कैमरलेंगो ही चर्च के अंदर पोप की मृत्यु के बाद उनके निजी प्रार्थना कक्ष

पोप फ्रांसिस के साथ पीएम मोदी (फाइल फोटो)

यानी चैपल में उनका पार्थिव शरीर देखते हैं। उसके बाद उन्हें उठाने के लिए उनका नाम पुकारते हैं।

मौत के बाद डॉक्टर्स भी पोप की मौत की आधिकारिक पुष्टि करते हैं। परंपरा के मुताबिक, जब पोप के शरीर में मेडिकल ट्रीटमेंट से कोई भी सुधार होना बंद हो जाता है और शरीर पूरी तरह शांत हो जाता है तो उनकी उस अंगूठी को तोड़ दिया जाता है, जिसका इस्तेमाल वो दस्तावेजों पर मुहर की तरह करते थे। यह पोप के शासन के अंत का प्रतीक होता है। इसके बाद पोप के चैपल को पूरी तरह सील कर दिया जाता है। कैमरलेंगो सबसे पहले चर्च के दूसरे सीनियर कार्डिनल्स के ग्रुप यानी कार्डिनल्स कॉलेज को बताते हैं कि पोप की मौत हो गई है। इसके बाद वेटिकन प्रशासन मीडिया को इसकी सूचना देता है।

पोप की मृत्यु के बाद 9 दिनों तक शोक मनाया जाता है। रोम की प्राचीन प्रथा के अनुसार इस अवधि को 'नोवेन्डिएल' के नाम से जाना जाता है। इस दौरान पोप को ईश्वर का आशीर्वाद दिया जाता है। उन्हें पोप के कपड़े पहनाकर सेंट पीटर बेसिलिका नाम की जगह पर ले जाया जाता है। सेंट पीटर बेसिलिका असल में रोम के पहले पोप सेंट पीटर को दफनाने की जगह है। यहां लोग सार्वजनिक रूप से पोप फ्रांसिस के अंतिम दर्शन करेंगे।

ऐतिहासिक रूप से पोप की मृत्यु के बाद उन्हें दफनाने के बीच के समय में पार्थिव शरीर को संरक्षित करना होता है। इसके लिए पोप के शरीर से उनके कुछ अंग भी निकाल लिए जाते हैं। यह परंपरा 16वीं से 19वीं सदी तक चली। रोम में 18वीं सदी में बनाया गया एक फव्वारा है, इसे ट्रेवी फाउंटेन कहते हैं। इसके पास एक चर्च में 20 से ज्यादा पोपों के दिल संगमरमर पत्थर के बने कलशों में रखे हुए हैं।

पोप के शव को आम तौर पर उनके निधन के एक हफ्ते बाद दफनाया जाता है। इस प्रक्रिया की अगुआई कार्डिनल्स कॉलेज के डीन करते हैं। अभी ये पद 91 साल के इटली के जियोवानी बतिस्ता रे के पास है। आम तौर पर पोप के शरीर को सेंट पीटर्स बेसिलिका के नीचे बने तहखाने 'वेटिकन ग्रोटोज' में दफनाया जाता है। हालांकि, पोप फ्रांसिस ने 2023 में एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि उन्होंने रोम में सांता मारिया मैगीगोर बेसिलिका को अपने अंतिम विश्राम स्थल के रूप में चुना है। ये चर्च फ्रांसिस की सबसे पसंदीदा चर्च रही है। वह अक्सर यहां जाते रहे। नवंबर 2024 में उनकी अनुमति के बाद पोप को दफनाने के साल 2000 के नियमों में कुछ बदलाव कर उन्हें आसान बनाया गया था। इन बदलावों के पीछे पोप की इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार एक सामान्य पादरी की ही तरह किया जाए।

गौरतलब है कि ईसा मसीह के सभी अनुयायियों को ईसाई कहा जाता है। ईसाई धर्म के अंदर भी कई सेक्शन यानी समूह हैं- जैसे कैथोलिक, प्रोटेस्टेंट और ऑर्थोडॉक्स। कैथोलिक ईसाइयों के धर्मगुरुओं में सबसे बड़ा ओहदा पोप का होता है। इसका शाब्दिक अर्थ होता है- पापा यानी पिता। दुनिया में सबसे छोटा संप्रभु देश है वेटिकन सिटी। यहीं से पोप का राजकाज चलता है।

'होली सी' या 'परमधर्म पीठ' नाम की एक संस्था को रोमन कैथोलिक चर्च और पोप का राजनयिक प्रतिनिधि कहा जाता है। इसका मुख्यालय भी वेटिकन सिटी में है। होली सी को एक तरह से रोमन चर्च और पोप की सरकार माना जाता है। जिस तरह ज्यादातर देशों के दुनिया भर में दूतावास होते हैं। उसी तरह भारत सहित दुनिया के कई देशों में वेटिकन की इस होली सी के डिप्लोमेटिक मिशन हैं। इन्हें वेटिकन का धार्मिक राजदूत आवास या 'एपस्टोलिक ननसियेचर' कहते हैं।

पोप फ्रांसिस को दुनिया के ज्यादातर ईसाई देश सबसे बड़ा धर्मगुरु मानते हैं। ईसाई धर्म के मामलों में पोप के आदेश आदर के साथ स्वीकार किए जाते हैं। इन देशों के सामाजिक और राजनीतिक मामलों में भी अक्सर पोप के रुख का असर होता है।

पोप ताउम्र अपने पद पर रहते हैं। 28 फरवरी 2013 को पोप बेनेडिक्ट XVI ने अपनी उम्र और बीमारी का हवाला देते हुए पद से अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। रोमन कैथोलिक चर्च के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ था, जब किसी पोप ने खुद से पद छोड़ा हो। बेनेडिक्ट के बाद फ्रांसिस ने उनका पद संभाला। 13 मार्च 2013 को इटली के कवि सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में आयोजित पोपों के एक सम्मेलन में अर्जेंटीना के कार्डिनल खोर्खे मारियो बैरगोगलियो को नया पोप चुना गया था। नया पोप चुने जाने के बाद उनका नाम पोप फ्रांसिस हो गया, वह बेनेडिक्ट के उत्तराधिकारी चुने गए।

कोई भी पुरुष, जो कैथोलिक हो और जिसका बपतिस्मा हो चुका हो, वह पोप बन सकता है। बपतिस्मा एक कैथोलिक रिवाज है, इसके बाद ही कोई कैथोलिक कहा जा सकता है। कैथोलिक चर्च के नियमों के मुताबिक, कोई महिला पोप नहीं बन सकती। हालांकि कहा जाता है कि मिडिल एज में एक बार एक औरत ने पुरुषों के कपड़े पहनकर पोप का कामकाज देखा था। इस पर 2009 में 'पोप युआन ' नाम से एक फिल्म भी बन चुकी है।

नए पोप का चयन होने के बाद कार्डिनल्स कॉलेज का एक प्रतिनिधि सेंट पीटर्स बेसिलिका की बालकनी से हजारों लोगों के सामने लैटिन भाषा में घोषणा करता है- 'बेमस पापम' यानी- 'हमारे पास एक पोप है।' इसके बाद चुने गए पोप, एक नया पोप नेम चुनते हैं।

ये आम तौर पर किसी पुराने सेंट या पोप के सम्मान में उनके नाम पर होता है। नए पोप एक नया कासक (पूरा शरीर ढकने वाली पोशाक) पहनकर जनता को बेसिलिका की बालकनी से पहला संबोधन देते हैं। पोप के उत्तराधिकार के सबसे प्रबल दावेदारों में फिलहाल 5 कार्डिनल्स के नाम चल रहे हैं।

कांग्रेस का सीएम हाउस घेराव

बैज और पुलिस में धक्का-मुक्की, प्रदर्शन के बीच महिला की बिगड़ी तबीयत, कांग्रेस बोली-सिर्फ रायपुर में 93 मर्डर और 268 रेप

रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस रायपुर में सीएम हाउस घेरने निकली। घेराव से पहले नगर निगम के सामने एक जनसभा भी आयोजित हुई। यहां प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे। कांग्रेस का ये प्रदर्शन कानून व्यवस्था को लेकर है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस का दावा है कि, सिर्फ रायपुर में ही एक साल में 93 हत्याएं और 268 रेप की वारदातें हुई हैं। कांग्रेस ने प्रदेशभर में एक साल में अलग-अलग अपराधों के आंकड़े भी जारी किए हैं। बैज ने कहा कि, भाजपा सरकार अपराध रोकने में विफल साबित हुई है और जनता डरी हुई है।

बैज ने कहा कि लूट और किडनैपिंग में भी रायपुर टॉप पर है। यहां 515 से ज्यादा किडनैपिंग की वारदात हुई है। वहीं प्रदेश में 3644 किडनैपिंग और 1114 लोगों की हत्याएं हुई है, जबकि 3191 महिलाओं से रेप की वारदात हुई है।

बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट, एक जवान शहीद

सड़क निर्माण कार्य की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान धमाका, इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे जवान

बीजापुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से एक जवान मनोज पुजारी शहीद हो गया। बताया जा रहा है कि जवान रविवार सुबह तोयनार-फरसेगढ़ मार्ग पर सड़क निर्माण की सुरक्षा में तैनात थे, तभी बम पर पैर पड़ने से धमाका हुआ है। मामला तोयनार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मनोज पुजारी (26) छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) के 19वीं बटालियन पर थे। घटना तोयनार से करीब 4 किलोमीटर दूर मोरमेड के जंगल में हुई। सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों की टुकड़ियां घटनास्थल की ओर रवाना की गईं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

जनवरी 2025 में बीजापुर जिले में नक्सलियों ने जवानों को लेकर जा रहे वाहन को ब्लास्ट कर उड़ा दिया था। हमले में दंतेवाड़ा डीआरजी के 8 जवान शहीद हो गए थे। इसमें एक ड्राइवर की भी मौत हुई थी। नक्सलियों ने संयुक्त ऑपरेशन पार्टी पर अटैक किया था।

बीजापुर मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर अंबेली गांव के पास नक्सलियों आईईडी ब्लास्ट किया था। धमाका इतना जोरदार था कि सड़क पर करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वाहन के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी के कुछ पार्ट्स 30 फीट दूर एक पेड़ पर 25 फीट ऊंचाई पर मिले थे।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा था कि आईईडी विस्फोट में हमारे 8 जवान और एक ड्राइवर शहीद हुए हैं। मैं उनकी शहादत को नमन करता हूं। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। नक्सलियों को परास्त किया जा रहा है, उससे वे हताश हैं और ऐसी कायराना हरकतें कर रहे हैं। जल्द छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा होगा और यहां शांति बहाल होगी।

सड़क किनारे हुई महिला की डिलीवरी

ऑटो से अस्पताल जाते समय रास्ते में उठा दर्द, सास और पति ने कराया प्रसव

रायगढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में गर्भवती महिला ने ज्यादा दर्द उठने पर सड़क किनारे बच्चे को जन्म दिया है। महिला की सास और पति ने ही डिलीवरी कराई। मां और नवजात दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। डिलीवरी का लाइव वीडियो भी सामने आया है। हालांकि बाद में दोनों को एम्बुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां नाल काटने के बाद परिवार घर चला गया, जबकि नर्स ने उन्हें भर्ती होने की सलाह दी थी। लेकिन डिलीवरी होने के बाद वो रुकना नहीं चाहते थे।

जानकारी के मुताबिक, तमनार इलाके की रहने वाली गर्भवती महिला को रविवार की रात करीब 10 बजे परिवार ऑटो से मेडिकल कॉलेज जा रहा था। इसी दौरान चक्रधर नगर रोड पर अचानक पेट में दर्द शुरू हो गया। जिसके चलते ऑटो को रुकवा लिया गया।

सड़क किनारे लगे लोहे के डिवाइडर की आढ़ में उसकी सास और पति ने डिलीवरी कराई। महिला ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने उनका वीडियो बना लिया। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इसके बाद आसपास के लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस को कॉल कर बुलाया। फिर महिला को नवजात के साथ एमसीएच (मातृ शिशु अस्पताल) ले जाया गया। जहां बच्चे का नाल काटा गया, फिर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई।

इस मामले में मातृ शिशु अस्पताल की स्टाप नर्स पूजा अनिल ने बताया कि, रात में महिला को लाया गया था। जिसके गर्भनाल को अलग किया गया। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ थे। उनके साथ जो अटेंडर थे, वो रूकना नहीं चाहते थे, लेकिन उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती होने को कहा गया था। भर्ती नहीं हुए इसलिए नाम पता भी नहीं नोट किया गया।

झारखंड में 8 नक्सलियों का एनकाउंटर

1 करोड़ का इनामी भी ढेर, एके-47, 4 इंसास राइफल समेत कई हथियार बरामद, सर्च ऑपरेशन जारी

बोकारो, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के बोकारो में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। एनकाउंटर जिले के लुगू और झुमरा पहाड़ के बीच जंगली इलाके में हुई। झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुताबिक, 'मुठभेड़ में एक करोड़ रुपए का इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक भी मारा गया। अब तक कुल 8 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

'बाकी नक्सलियों की पहचान में जुटे हुए हैं। अभी और नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी है। सर्च ऑपरेशन जारी है।' घटनास्थल से एक रिवॉल्वर, 1 एसएलआर, 4 इंसास राइफल कई हथियार भी बरामद किए गए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर

सीआरपीएफ और जिला पुलिस के जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों की नजर जवानों पर पड़ी और उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी फायरिंग की। वहीं, डीजीपी ने कहा- दस्ते में 16-17 नक्सली शामिल थे। मृतकों में प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, अरविंद यादव उर्फ अविनाश, 10 लाख का इनामी साहेब राम मांझी की पहचान कर ली गई है। बाकी मृत नक्सलियों की पहचान की कोशिश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ सोमवार सुबह करीब 5.30 बजे शुरू हुई, जो करीब ढाई घंटे तक चली। इस दौरान दोनों ओर से रुक-रुककर गोलियां चलती रहीं।

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने एक रिवॉल्वर, 4 इंसास राइफल, एक एसएलआर बरामद की हैं। सीआरपीएफ के मुताबिक, फिलहाल गोलीबारी बंद हो गई है। हालांकि, सर्च ऑपरेशन जारी है।

सीआरपीएफ की 209 कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस इस ऑपरेशन में शामिल रही। कोबरा बटालियन जंगल युद्ध में विशेषज्ञ मानी जाती है और नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार सक्रिय रहती है। अधिकारियों के अनुसार, इस मुठभेड़ में कोई भी सुरक्षाकर्मी घायल नहीं हुआ है। लुगू और झुमरा पहाड़ लंबे समय से नक्सलियों के सुरक्षित ठिकानों में शुमार रहे हैं।

इस कार्रवाई को सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। फिलहाल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

हजारीबाग झील में पलटी नाव युवक डूबा

हजारीबाग, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। हजारीबाग के लोहसिंघना स्थित झील में सोमवार को एक नाव पलट गई। इससे नाव समेत उस पर सवार युवक पानी में डूब गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश कर रही है। वहीं, एनडीआरएफ को भी सूचना दी गई है। युवक की पहचान आलेख गौरव के रूप में हुई है, जो हजारीबाग कोर्रा बाबूगांव का रहने वाला था। वो स्टेशनरी की दुकान चलाता था। वहीं, घटना से पहले का युवक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें युवक झील के बीच नाव पर लेटे हुए नजर आ रहा है।

पानी की किल्लत से परेशान चक्रधरपुर की महिलाएं

रांची-चाईबासा एनएच किया जाम नगर परिषद कार्यालय में तालाबंदी

चाईबासा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। चक्रधरपुर शहर में जलापूर्ति बाधित होने से नाराज महिलाओं ने सोमवार को सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने चक्रधरपुर नगर परिषद कार्यालय के सामने चाईबासा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया।

पिछले एक महीने से शहर में जलापूर्ति की गंभीर समस्या बनी हुई है। मोटर की खराबी के कारण बार-बार पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है। नगर परिषद इस समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। पूर्व वार्ड पार्षद लीला प्रसाद ने बताया कि पूरे शहर में पानी की भारी किल्लत है। विभाग को कई बार लिखित शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जनप्रतिनिधि राखी सालूजा ने कहा कि नगर परिषद हर साल बहाने बनाती रहती है।

पुलिसकर्मियों ने मोजे की खरीदारी में की दुकानदार से मारपीट

डिजाइन पसंद न आने पर भड़के एएसआई और आरक्षी, एसपी ने किया निलंबित

गोड्डा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गोड्डा में दो पुलिसकर्मियों ने मोजे की खरीदारी के दौरान दुकानदार से मारपीट कर दी। यह घटना नगर थाना क्षेत्र की गोड्डा मार्केट की है, जिसका सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद एसपी अनिमेष नैथानी ने दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

नगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक अशोक यादव और आरक्षी प्रभास सिंह एक कपड़े की दुकान पर मोजा खरीदने पहुंचे। दुकान में मौजूद मोजों का डिजाइन उन्हें पसंद नहीं आया। इस बात को लेकर वे दुकानदार और उसके स्टाफ से भिड़ गए। दोनों पुलिसकर्मियों ने दुकान के कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की और मारपीट की।

तीन मंजिला मकान में लगी आग

मां-बेटी की मौत, चार लोगों को बचाया गया, फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियां पहुंची

गिरिडीह, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह में सोमवार को एक तीन मंजिला मकान में आग लगने से मां-बेटी की मौत हो गई। यहां तीन मंजिला मकान के पहले तल्ले पर खुशी मार्ट नामक कपड़े की दुकान थी। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से सबसे पहले दुकान में आग लगी, जिसने धीरे-धीरे ऊपर बढ़ते हुए पूरी बिल्डिंग को आगोश में ले लिया। घटना पचंबा थाना क्षेत्र स्थित मारवाड़ी मोहल्ला में हुई। आग लगने की जानकारी लोगों को तड़के तीन बजे के करीब लगी। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। फिर राहत कार्य शुरू हुआ।

मृतकों में सीताराम डालमिया की बहू संगीता डालमिया (45) और पोती खुशी डालमिया (21) शामिल है। जबकि इस घटना में चार लोगों को सीताराम डालमिया, उनकी पत्नी किरण डालमिया, बेटा दिनेश डालमिया और पोता रिशु डालमिया को सुरक्षित बचा लिया गया। लोगों का कहना है यह आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। तीन मंजिला इस इमारत में नीचे दुकान तथा ऊपर दो मंजिल में आवासीय क्षेत्र है।

आग की लपटें तेजी से तीनों मंजिलों में फैल गईं, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। भवन में बड़ी मात्रा में कपड़े रखे होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। दूसरे मंजिल पर सीताराम डालमिया का परिवार रहता है। आग लगने के बाद चार लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाल लिया गया लेकिन मां-बेटी अंदर ही फंस गई। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की 14 गाड़ियां आग बुझाने में लगी रही। कोडरमा और धनबाद से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गई।

पिता ने दोपहर में घूमने पर डांटा, बेटी ने गला काट-लिया

सूरजपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में पिता ने धूप में घूमने को लेकर डांट लगाई, तो नाबालिग बेटी ने ब्लेड से खुद का गला काट लिया। छोटी बहन कमरे के अंदर घुसी तो बड़ी बहन तड़पती मिली। अधिक खून बहने की वजह से उसकी मौत हो गई। घटना भटगांव थाना इलाके की है।

जानकारी के मुताबिक, बरपारा निवासी नेहा बरगाह (16) कक्षा 10वीं की छात्रा थी। रविवार दोपहर करीब 2.30 बजे बाहर से घूमकर घर लौटी। उसके पिता राजेंद्र प्रसाद ने बेटी के घर आने पर टोकते हुए कि, इतनी तेज धूप में कहां घूम रही थी। बाकी लोग घर में हैं।

अवैध तरीके से गैस सिलेंडर का भंडारण

पुलिस ने 200 से अधिक कॉमर्शियल सिलेंडर किया जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर में अवैध तरीके से गैस सिलेंडर का स्टोर कर रखने और रिफिलिंग करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों के 200 से अधिक सिलेंडर जब्त किया है। पुलिस ने आवश्यक वस्तु एक्ट के तहत एक्शन लिया है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि, गोवर्धन नगर स्थित प्लाट में एक व्यक्ति ने अवैध रूप से गैस सिलेंडरों का भण्डारण कर रखा है। जब टीम पहुंची वहां कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का भण्डारण होने के साथ ही गाड़ी में सवार एक व्यक्ति अपने कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों का भंडारण कर रखा था।

इजराइल ने माना-15 मेडिकल स्टाफ की हत्या गलती से हुई

कहा– सैनिकों से चूक हुई, गाजा में एम्बुलेंस, फायर ट्रक पर गोलियां चलाई थीं

तेल अवीव, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल ने गाजा में पिछले महीने 15 मेडिकलकर्मियों की मौत के मामले में अपनी गलती मानी है। इजराइल डिफेंस फोर्सस (आईडीएफ) ने कहा कि सैनिकों से पेशेवर गलतियां हुई हैं। इसके मद्देनजर एक अधिकारी को बर्खास्त किया गया है।

इजराइली सैनिकों ने 23 मार्च को एम्बुलेंस, फायर ट्रक और संयुक्त राष्ट्र के वाहन पर गोलियां चलाई थीं। इसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इजराइल ने बाद में दावा किया कि इनमें से 6 हमास के सदस्य थे। इजराइल की जांच रिपोर्ट में कहा कि गया है कि सैनिकों ने आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया था।

गाजा में शुक्रवार सुबह इजराइली एयरस्ट्राइक में अब तक 90 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों घायल। गाजा सरकार के मुताबिक बीते 18 महीने की लड़ाई में अबतक गाजा के 61 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहीं यूएन ने चेतावनी देते हुए कहा कि गाजा में हजारों लोग पर भूखे मरने का जोखिम है।

गाजा में लगातार इजराइली गोलीबारी, हवाई हमले और नाकाबंदी की वजह से लोग मानसिक तौर पर बुरी तरह से टूट चुके हैं। कई लोगों अपने बच्चों को पेट भर खाना खिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

इजरायली सैनिकों वेस्ट बैंक में हेब्रोन के फव्वार रिफ्यूजी कैंप में 8 फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया। सैनिकों ने यहां कई घरों पर छापे मारे गए और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और तोड़फोड़ की।

दक्षिणी गाजा में कुवैती हॉस्पिटल के चाइल्ड रोग एक्सपर्ट हेजम मुसलेह ने मीडिया को बताया कि इजराइली हमलों की वजह से बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ ग्लोबल हेरिटेज डे पर ह्यूमन राइट्स ग्रुप अल-हक ने बताया कि इजराइल सेना ने कई फिलिस्तीनी सांस्कृतिक स्थलों को निशाना बनाया है, जिनमें कुछ को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज साइट के तौर पर लिस्ट किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्ट बैंक के उत्तरी बेथलहम में स्थित अल-मखरौर इलाका जिसे 2014 में यूएन की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में जोड़ा था पर भी इजराइली कब्जे का खतरा बढ़ता जा रहा है।

इजराइली सेना ने राफा का बाकी गाजा से संपर्क काट दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 12 अप्रैल को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है, जिससे राफा का गाजा पट्टी से संपर्क टूट गया है। मोराग कॉरिडोर दक्षिणी गाजा में एक रास्ता है जो उसे गाजा पट्टी से अलग करता है।

काट्ज ने गाजा के लोगों को धमकी देते हुए कहा कि यह हमास को भगाने और सभी बंधकों को रिहा कर जंग को खत्म करने का आखिरी मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये सब गाजा के दूसरे इलाके में भी होना शुरू हो जाएगा। काट्ज ने कहा कि राफा को अब 'इजराइली सिक्योरिटी जोन' में बदल दिया गया है। इजराइली सिक्योरिटी जोन का मतलब मतलब उन जगहों से है, जिन्हें इजराइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी मानता है और उन्हें कंट्रोल करता है। राफा क्रॉसिंग, फिलाडेल्फी कॉरिडोर, वेस्ट बैंक के कुछ इलाके और गोलान हाइट्स इजराइली सुरक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इन इलाकों पर सेना के जरिए कंट्रोल किया जाता है। इजराइल काट्ज ने कहा कि नेत्जारिम कॉरिडोर जो गाजा को दो भागों में बांटती है, उसका भी विस्तार किया जाएगा।

भारत से पंगा लेकर बांग्लादेश ने अपने ही पैरों पर मारी कुल्हाड़ी

170 कारखाने बंद, 40 हजार बेरोजगार, यूनुस के फैसलों का खतरनाक असर

ढाका, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश का 'एंटी-इंडिया' रवैया देश के लिए घातक साबित हो रहा है। कोविड-19 ने पहले ही देश की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया था, देश की सीमा को बंद करना पड़ा था, सप्लाई चेन ठप पड़ गया था, वहीं अब मोहम्मद यूनुस के फैसलों से बांग्लादेश बर्बादी के समंदर की तरफ दौड़ पड़ा है। रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर को बांग्लादेश की इकोनॉमी का रीढ़ कहा जाता है और यह अकेली ऐसी इंडस्ट्री है, जो बांग्लादेश के कुल निर्यात में करीब 85 प्रतिशत और कुल जीडीपी में 13 प्रतिशत हिस्सा योगदान देती है। गारमेंट इंडस्ट्री में करीब 40 लाख लोग काम करते हैं, जिसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं।

कोविड संकट के दौरान जब दुनिया में मास्क, मेडिकल टेक्सटाइल, दस्ताने और अस्पताल में इस्तेमाल होने वाले कपड़ों की जरूरत थी, तो बांग्लादेश के पास बेचने के लिए सामान तो थे, लेकिन सप्लाई करने के तरीके नहीं था। भारत के

पास सामानों को दुनिया तक पहुंचाने का कोई रास्ता नहीं था। ऐसे समय में बांग्लादेश की मदद के लिए भारत सामने आया। उस वक्त बांग्लादेश की शेख हसीना की सरकार ने नई दिल्ली से बांग्लादेश के सप्लाई चेन को सही करने के लिए मदद मांगी, जिसके बाद भारत ने बांग्लादेश की मदद करते हुए अपने सप्लाई चेन के दरवाजे बांग्लादेश के लिए खोल दिए। भारत ने भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से ट्रांस-शिपमेंट सुविधा बांग्लादेश को दे दी, इसका बांग्लादेश को जबरदस्त फायदा हुआ।

बांग्लादेश के बंदरगाहों और हवाई अड्डों के पास इतनी क्षमता नहीं है कि वो दुनियाभर में सामानों की सप्लाई कर सके। इसके अलावा बांग्लादेश अपने हवाई अड्डों और बंदरगाहों से अगर सामान बेचता है, तो उसकी लागत काफी बढ़ जाती है। जबकि कोलकाता से शिपिंग लागत सिर्फ 2 डॉलर से से 2.5 डॉलर प्रति किलो के बीच आता है। जबकि बांग्लादेश से सीधे भेजे जाने पर उसी सामान को बेचने पर 5 डॉलर से से 6 डॉलर प्रति किलो खर्च आता है।

लिहाजा, जब भारत ने बांग्लादेश को ट्रांस शिपमेंट की सुविधा दी, तो ये बांग्लादेश के कारोबारियों के लिए गेमचेंजर साबित हुआ। जबकि भारत, बांग्लादेशी कारोबारियों से मामूली शुल्क वसूलता था। इसके पीछे भारत का विश्वास था कि संकट के समय पड़ोसी एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं।

बांग्लादेशी कारोबारी अपने सामानों को बेचने के लिए भारतीय जमीन का इस्तेमाल करते थे। भारतीय रास्तों के जरिए सामानों को भारतीय बंदरगाहों और एयरपोर्ट्स पर लाया जाता था और उसके बाद सामानों को संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका और फ्रांस भेजते थे। बांग्लादेशी कारोबारी अपने सामान को ट्रकों से पेट्रापोल-बेनापोल जैसे भारतीय भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों (एलसीएस) पर लाते थे और फिर सामान को कोलकाता, हल्दिया, न्हावा शेवा (जेएनपीटी) जैसे प्रमुख बंदरगाहों या दिल्ली और कोलकाता जैसे हवाई अड्डों पर ले जाया जाता था। जिसके बाद कार्गो को दुनिया भर में भेजा जाता था या हवाई मार्ग से पहुंचाया जाता था।

ट्रेड वॉर भारत के लिए मौका पाकिस्तान के लिए आफत

चीन-अमेरिका की लड़ाई में यूं पिस रहा जिन्ना का देश, पाकिस्तानी एक्सपर्ट से समझें

इस्लामाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के इस साल जनवरी में अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से दुनिया में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। ट्रंप की टैरिफ नीति की वजह से दुनियाभर में ट्रेड वॉर जैसी स्थिति है। खासतौर से अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा दुनिया को तेजी से बदल रही है। शीत युद्ध के समय जैसे देशों की भौगोलिक स्थिति अहमियत रखती थी, उसी तरह अब आर्थिक ताकत का महत्व बढ़ गया है। अमेरिका और चीन की तनातनी में पाकिस्तान जैसे देश खुद को फंसा हुआ पा रहे हैं। दूसरी ओर भारत संतुलन साधते हुए आगे बढ़ रहा है।

सिटीग्रुप के इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट के पूर्व प्रमुख यूसुफ नजर पाकिस्तानी अखबरा डॉन में लेख में कहते हैं, 'बदलाव के मौजूदा दौर में भारत अपने बाजार और सुधारों का फायदा उठाकर दुनिया में अपनी ताकत बढ़ा रहा है। वहीं पाकिस्तान को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान व्यापार, तकनीक और तरक्की के दौर में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है लेकिन कामयाब होता नहीं दिख रहा है।

ट्रंप की नीतियां और वैश्वीकरण

पॉल क्रुगमैन का मानना है कि अमेरिका की नई टैरिफ नीतियां वैश्वीकरण को खत्म कर सकती हैं। ट्रंप टैरिफ में भले ही कुछ नरमी दिखा दें लेकिन उनकी पॉलिसी ने वैश्वीकरण को कमजोर किया है और अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय भरोसे को नुकसान पहुंचाया है। वैश्वीकरण कमजोर पड़ने से महंगाई बढ़ेगी। इसका सीधा असर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर होगा, जो पहले ही बुरी हालत में है।

कनाडा में मंदिर की दीवार पर खालिस्तानी नारे लिखे

नगर कीर्तन से पहले की गई हरकत, सरे पुलिस बोली– हिंसा भड़काने की साजिश

अमृतसर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा के सरे शहर स्थित प्रतिष्ठित लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। यह घटना ऐसे समय पर हुई जब सरे में वार्षिक नगर कीर्तन का आयोजन होना था। मंदिर की बाहरी दीवारों पर स्प्रे पेंट से 'खालिस्तान जिंदाबाद' और 'फ्री पंजाब' के अलावा अन्य भड़काऊ नारे लिखे पाए गए।

घटना के तुरंत बाद मंदिर प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस विभाग ने घटना को संभावित घृणा अपराध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यह एक साजिश हो सकती है, जिसका मकसद धार्मिक आयोजन से पहले माहौल को अस्थिर करना है। बड़ी बात यह है कि सरे में निकाले गए नगर कीर्तन में भी खालिस्तान समर्थक शामिल हुए। उन्होंने खालिस्तानी झंडे लहराए और मारे गए आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की स्टेज भी सजाई। मामला 19 अप्रैल का है।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, सुबह देखा गया कि मंदिर की बाहरी दीवारों खालिस्तानी नारे लिखे गए थे। इस काम को रात के समय अंजाम दिया गया था। इसका सूचना पुलिस को दे दी थी। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, लक्ष्मी नारायण मंदिर पर खालिस्तानी नारे लिखना इसलिए भी चिंताजनक था क्योंकि 20 अप्रैल को ही वार्षिक नगर कीर्तन का आयोजन होना था। इस दौरान दोनों धार्मिक समुदायों के बीच तनाव होने की आशंका थी। हालांकि, नगर कीर्तन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। लक्ष्मी नारायण मंदिर के अलावा, वैंकूवर के रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे की दीवार पर भी इसी तरह की खालिस्तान समर्थक बातें लिखी गई हैं। गुरुद्वारा प्रशासन ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हैं या नहीं, लेकिन समय और एक जैसी हरकत को देखते हुए पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। कनाडा के हिंदू और सिख समुदाय के नेताओं ने इन घटनाओं की निंदा की। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का सम्मान बरकरार रहना चाहिए।

20 अप्रैल को सरे में 2025 बैसाखी का नगर कीर्तन निकाला गया। यह धार्मिक श्रद्धा और सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक बना। इसमें 5 लाख के करीब सिख शामिल हुए। गुरुद्वारा साहिब दशमेश दरबार के नेतृत्व में निकाले गए इस नगर कीर्तन में पारंपरिक पंजाबी लोक संस्कृति, सेवा भाव और सिख परंपरा की झलक हर कदम पर देखने को मिली। सजे-धजे फ्लोट्स, बच्चों और युवाओं की रंगारंग प्रस्तुतियां, और जगह-जगह पर लगाए गए लंगर इस आयोजन को सिख समुदाय की एकता और सेवा भावना का प्रतीक बनाती हैं।

चीन ने अमेरिका से ट्रेड डील करने वाले देशों को चेताया

कहा– हमें नुकसान पहुंचाया तो कार्रवाई करेंगे

बीजिंग, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को चेतावनी दी है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि वह उन देशों का विरोध करता है जो अमेरिका के साथ ऐसे व्यापारिक समझौते कर रहे हैं, जिनसे चीन के हितों को नुकसान पहुंच सकता है। मंत्रालय ने साफ किया है कि यदि ऐसे किसी कदम से चीन के हित प्रभावित होते हैं, तो वह कठोर जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान उन रिपोर्ट्स के बाद आया है जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिका कुछ देशों पर चीन के साथ व्यापार सीमित करने का दबाव बना सकता है और बदले में उन्हें टैरिफ में रियायतें दी जा सकती हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ ऐलान के बाद से ही अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध की स्थिति पैदा हो गई है।

पाकिस्तान के साथ डील का सवाल नहीं

ताइवानी ड्रोन कंपनी ने पाक आर्मी को दिखाया आईना, भारत की है 'पार्टनर'

ताइपे, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ताइवान की ड्रोन बनाने वाली कंपनी ड्रोनस विजन ने पाकिस्तान के साथ किसी भी समझौते से इनकार किया है। कंपनी का कहना है कि वह पाकिस्तानी आर्मी या उससे जुड़ी किसी फर्म के संपर्क में नहीं है। यह जानकारी ऐसे समय में आई है, जब कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कराची की एक डिफेंस कंपनी और ताइवानी कंपनी के बीच ड्रोन खरीद पर बातचीत चल रही है। ऐसे में ताइवान की कंपनी ने अपनी ओर से बयान जारी करते हुए चीजों को साफ किया है। ड्रोनस विजन भारत को ड्रोन की आपूर्ति करती रही है।

द संडे गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवानी कंपनी ड्रोनस विजन को मिलिट्री के लिए ड्रोन और एंटी-यूएवी टेक्नोलॉजी बनाने में महारत है। उनके रिवॉल्वर-860 ड्रोन ने युद्धक्षेत्र में अपनी धाक जमाई है। यूक्रेन की सेना ने

रूस के साथ युद्ध में इन ड्रोन का इस्तेमाल किया है। हाल ही में ये कहा गया था कि पाकिस्तान की यूनिवर्सल स्मार्ट मिलिट्री सिस्टम्स (यूएसएमएस) और ड्रोनस विजन में डील हो सकती है। यूएसएमएस पाकिस्तान एयर फोर्स की पार्टनर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूएसएमएस ने ड्रोनस विजन के रिवॉल्वर 860 ड्रोन खरीदने के बारे में बात की थी। यह ड्रोन 8 मोर्टार राउंड ले जा सकता है, जिनका वजन 42 किलोग्राम तक होता है। यह ड्रोन 20 से 40 मिनट तक हवा में रहते हुए सुरक्षित दूरी से विस्फोटक गिरा सकता है। पाकिस्तानी कंपनी के साथ ड्रोनस विजन की डील भारत की सुरक्षा के लिहाज से भी चिंता का सबब बन सकती थी। संडे गार्जियन ने ड्रोनस विजन से यूएसएमएस के साथ बातचीत पर पूछा तो उन्होंने पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध से साफ इनकार किया। कंपनी ने कहा, 'आज तक हमने पाकिस्तान में कोई लेनदेन या डील नहीं की है। हमें पाकिस्तान से कोई ऑर्डर भी नहीं मिला है।' कंपनी ने कहा कि हमारे सभी प्रोडक्ट और कामकाज ताइवान सरकार नियंत्रित करती हैं। वे उन देशों के साथ व्यापार नहीं करते, जिनके साथ ताइवान के संबंध अच्छे नहीं हैं। पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में ड्रोन युद्ध में काफी निवेश किया है। यूएवी को पारंपरिक हथियारों के मुकाबले सस्ता और बेहतर विकल्प मानते हैं। ऐसे में पाकिस्तान ने 2020 और 2025 के बीच ड्रोन खरीद पर 200 से 500 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं। इसमें खासतौर से चीन और तुर्की से खरीदे गए ड्रोन शामिल हैं।

यूएस में भारतीय छात्रों ने ट्रम्प सरकार पर केस किया

अवैध तरीके से वीजा रद्द करने का आरोप लगाया, डिपोर्टेशन का खतरा बढ़ा

वॉशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अचानक हजारों अंतरराष्ट्रीय छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द कर दिया। इस फैसले के बाद अब भारतीय और चीनी छात्रों ने मिलकर ट्रम्प सरकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाया है।

इन छात्रों ने अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) और अन्य इमिग्रेशन अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) की ओर से यह केस न्यू हैम्पशायर की यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर किया गया है। छात्रों का कहना है कि वीजा रद्द करने का यह निर्णय एकतरफा और अवैध है, जिससे उनकी शिक्षा, भविष्य की नौकरी और अमेरिका में कानूनी रूप से रहने

का अधिकार छिन गया है। एसीएलयू ने अपने बयान में कहा है कि यह मामला केवल इन छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका में रह रहे हजारों अंतरराष्ट्रीय छात्रों के भविष्य का है। मुकदमे में कहा गया है कि अचानक वीजा स्टेटस खत्म कर देने से छात्र डिपोर्टेशन और डिटेंशन के खतरे में आ गए हैं। मामले में 3 भारतीय और 2 चीनी छात्र शामिल हैं, जिन्होंने कोर्ट में अपनी बात रखी है।

भारतीय छात्र लिंकिथ बाबू गोरेंला का एफ-1 वीजा रद्द हो गया। इससे वे 20 मई को मास्टर डिग्री और ओपीटी के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कोर्ट से दखल की मांग की है।

वहीं थानुज कुमार गुम्मादवेली नाम के छात्र ने कहा कि उनकी की डिग्री पूरी करने के लिए एक सेमेस्टर बचा था। उन्होंने कोर्ट को बताया कि वे सभी नियमों का पालन कर रहे थे। वीजा रद्द होने से उनका करियर अधर में है।

मणिकांता पासुला ने कोर्ट से कहा कि उनकी मास्टर डिग्री पूरी करने के लिए एक सेमेस्टर बचा है। उन्होंने मुकदमे में कहा कि वीजा नियमों का पालन किया, पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन किया और कोई गैर-कानूनी काम नहीं किया। अब वे कोर्ट से न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि अमेरिकी सरकार ने कई विदेशी छात्रों को वीजा रद्द होने का मेल भेजा था। इस मेल में इन छात्रों से अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें से 50% भारतीय छात्र हैं। अमेरिकन इमिग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन (एआईएलए) ने ऐसे ही 327 छात्रों की जानकारी इक्ट्ठा की है। इनमें से 50% से ज्यादा भारतीय छात्र हैं। भारत के बाद दूसरा नंबर चीन का है। इस लिस्ट में शामिल 14% छात्र चीनी हैं। अमेरिकी विदेश विभाग पिछले चार महीनों से विदेशी छात्रों के डेटा की जांच कर रहा है। इसके जरिए इजराइल के खिलाफ और हमास के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले विदेश छात्रों का वीजा रद्द किया जा रहा है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक 26 मार्च तक 300 से ज्यादा 'हमास समर्थक' छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द किया जा चुका है। इसमें कई भारतीय छात्र भी शामिल हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराई गलती

हूतियों पर हमले की चैट दूसरी बार हुई लीक

वॉशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ एक बार फिर आलोचकों के निशाने पर हैं। दरअसल एक बार फिर उन पर सिग्नल एप पर गोपनीय रक्षा जानकारी साझा करने का आरोप लगा है। आरोप है कि पीट हेगसेथ ने यमन में हूतियों पर अमेरिकी हवाई हमले से संबंधित अहम जानकारी सिग्नल एप पर साझा की। जिस चैट ग्रुप में ये अहम खुफिया जानकारी साझा की गई, उस ग्रुप में हेगसेथ की पत्नी और भाई भी शामिल हैं। गौरतलब है कि बीते महीने भी सिग्नल एप पर अहम रक्षा जानकारी लीक होने के चलते पीट हेगसेथ और ट्रंप प्रशासन आलोचकों के निशाने पर आ चुका है। सिग्नल एप पर साझा की गई चैट के कंटेंट से वाकिफ एक शख्स ने यह दावा किया है। हालांकि उसने अपनी पहचान जाहिर नहीं की है। इसी शख्स के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुफिया चैट लीक होने का दावा किया है। गौरतलब है कि सिग्नल एप एक निजी व्यवसायिक एप है, जो अमेरिका की संघीय सरकार के अधिकारियों के इस्तेमाल के लिए अधिकृत नहीं हैं। इसके बावजूद हेगसेथ द्वारा अहम जानकारी इस एप की चैट पर साझा की जा रही हैं। जिस पर विपक्षी डेमोक्रेट सांसदों ने आपत्ति जताई है और पीट हेगसेथ को पद से हटाने की मांग शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस ग्रुप में खुफिया जानकारी साझा की गई, उसमें रक्षा मंत्री की पत्नी जेनिफर भी शामिल हैं, जो एक न्यूज चैनल की पूर्व प्रोड्यूसर रह चुकी हैं। साथ ही पीट का भाई फिल भी इस ग्रुप में शामिल है। हालांकि व्हाइट हाउस ने खुफिया जानकारी लीक करने के आरोप को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। व्हाइट हाउस का दावा है कि पेंटागन के पूर्व असंतुष्ट कर्मचारी फर्जी खबरें फैला रहे हैं।

यमन पर फिर बरसे अमेरिकी बम

हूती विद्रोहिया का दावा– सना में हुए हमले में 12 की मौत, 30 घायल

सना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और यमन के हूती विद्रोहियों में जारी तनाव के बीच हूती विद्रिहियों का एक बड़ा दावा सामने आया है। इसमें बताया गया है कि सोमवार को अमेरिकी हवाई हमलों में राजधानी सना में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हूतियों का कहना है कि ये हमला सना के शूब जिले के फरवा इलाके के एक बाजार को निशाना बनाकर किया गया, जो पहले भी अमेरिकी हमलों की चपेट में आ चुका है। हालांकि अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने इस हमले की पुष्टि नहीं की है। साथ ही हूती ने आगे बताया कि सोमवार रात हुए हमलों में यमन के अन्य इलाकों को भी निशाना बनाया गया। बता दें कि यह हमला उस बड़े अभियान का हिस्सा है जो अमेरिका ने हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर शुरू किया है। पिछले हफ्ते ही रस ईसा ईंधन बंदरगाह पर अमेरिकी हमलों में कम से कम 74 लोगों की जान गई थी और 171 लोग घायल हुए थे। रविवार को हैती की राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस के पास एक शहर में हुए एक हमले में कम से कम तीन सैनिक मारे गए हैं।

यूरोप में नया टकराव, ब्रिटिश लड़ाकू जेट का पुतिन के विमानों से आमना-सामना

नाटो के हवाई क्षेत्र में एंट्री पर बवाल

लंदन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने नाटो क्षेत्र में रूसी के जासूसी विमानों और फाइटर जेट को रोकने के लिए अपने टाइफून विमानों को पोलैंड मे तैनात किया है। ब्रिटेन का कहना है कि नाटो के हवाई क्षेत्र में रूसी जेट देखे जाने के बाद ये फैसला लिया गया। हालिया दिनों में रूसी जेटों और ब्रिटिश विमानों का आमना-सामना भी हुआ है। रूसी विमानों को रोकने के लिए ब्रिटिश लड़ाकू विमानों ने बीते हफ्ते दो से तीन बार उड़ान भरी है। बाल्टिक सागर पर ये घटनाक्रम ब्रिटेन की ओर से नाटो हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए पूर्वी पोलैंड में छह जेट विमानों की तैनाती के बाद हुई हैं।

ब्रिटेन के सशस्त्र बल मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने कहा है उनका देश नाटो के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि रूसी खतरे को देखते हुए वे अपने सहयोगियों को सुरक्षित रखने और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं। इस मिशन से पता चलता है कि वे नाटो के नए सदस्य स्वीडन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं और गठबंधन के हवाई क्षेत्र की रक्षा कर सकते हैं। ब्रिटिश एयरफोर्स के टाइफून विमानों ने रूसी जासूसी विमानों और सैन्य जेटों को रोकने के लिए उड़ान भरी है। हवा में ब्रिटिश और रूसी विमानों की इस खींचतान से क्षेत्र में तनाव और ज्यादा बढ़ सकता है। टाइफून विमान पोलैंड के बेस पर तैनात हैं। ये जेट स्वीडन के विमानों के साथ बेस पर हैं। यह ब्रिटेन का नाटो के पूर्वी यूरोप में रूस के खिलाफ हवाई सुरक्षा मजबूत करने की कोशिशों के तहत उठाया गया कदम है।

ईडी बना बीजेपी का एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट : कन्हैया कुमार

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट दाखिल होने के बाद कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने जयपुर पीसीसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर इस कार्रवाई को 'राजनीतिक साजिश' और 'सांविधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग' करार दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कन्हैया कुमार ने कहा कि जब नेशनल हेराल्ड मामले में कोई वित्तीय लेनदेन हुआ ही नहीं तो मनी लॉन्ड्रिंग का केस कैसे बन सकता है? उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर एजेएल के डायरेक्टर संपत्ति नहीं बेच सकते तो सोनिया गांधी और राहुल गांधी को उससे क्या लाभ हो सकता है।

उन्होंने ईडी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी अब 'इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट' नहीं, बल्कि 'एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट' बन चुकी है। इसका एक ही काम रह गया है, विपक्षी नेताओं को धमकाना और चुनाव से पहले

दबाव बनाना।

'गांधी परिवार को बदनाम करने की साजिश'

कन्हैया कुमार ने कहा कि यह पूरा मामला एक पूर्वनियोजित षड्यंत्र है ताकि गांधी परिवार को बदनाम किया जा सके।

उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस अंग्रेजों से नहीं डरी तो आज के 'अंग्रेजों के मुखबिरों' से डरने का कोई सवाल ही नहीं। भाजपा को लगता है कि गांधी परिवार को निशाना बनाकर वे कांग्रेस को खत्म कर देंगे, लेकिन कांग्रेस मुक्त भारत कभी नहीं हो सकता।

नीतीश के एनडीए में जाते ही केस बंद क्यों?

कन्हैया कुमार ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए से बाहर थे, उनके मंत्रियों ईजी की जांच चल रही थी। लेकिन जैसे ही वे फिर भाजपा के साथ आए, ये सभी कार्रवाइयां बंद हो गईं। भाजपा में शामिल होते ही नेताओं के खिलाफ सारे मामले ठंडे बस्ते में क्यों चले जाते हैं?

'नेशनल हेराल्ड हमारी ऐतिहासिक विरासत'

कन्हैया कुमार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड अखबार देश की आज़ादी की लड़ाई का प्रतीक रहा है। कांग्रेस उसे पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है और भाजपा इसे रोकने की कोशिश में ईडी का दुरुपयोग कर रही है। भाजपा खुद हर राज्य में ऑफिस बनवा रही है, उन पर कोई सवाल नहीं, लेकिन कांग्रेस के एक अखबार पर केस?

इस दौरान राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान दोनों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हम संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। और जब तक गांधी परिवार है, कांग्रेस रहेगी, संविधान बचेगा।

हेराल्ड मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को

गौरतलब है कि ईडी ने 15 अप्रैल को नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। इसके विरोध में पार्टी देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रही है।

आईपीएल आयोजन को लेकर जयदीप बिहाणी का आरोप
क्रीड़ा परिषद रच रही आरसीए को कमजोर करने की साजिश

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट संघ की एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष और विधायक जयदीप बिहाणी ने जयपुर में चल रहे आईपीएल आयोजनों को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष आईपीएल के आयोजन को निजीकरण की ओर ले जाकर न केवल आरसीए को इस प्रक्रिया से अलग कर रहे हैं, बल्कि राज्य सरकार द्वारा नियुक्त आरसीए एडहॉक कमेटी को अस्थिर करने की साजिश भी रच रहे हैं।

बिहाणी ने कहा कि राज्य सरकार ने खेलों के विकास और पारदर्शिता हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी का गठन किया था, जो बीसीसीआई की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित पुरुष व महिला खिलाड़ियों के लिए विभिन्न आयु वर्गों में सफलतापूर्वक आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि आरसीए हमेशा से आईसीसी और बीसीसीआई के अंतरराष्ट्रीय मैचों की सफल मेजबानी करता आया है, लेकिन अब उसे जान-बूझकर आयोजन से बाहर किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्रीड़ा परिषद ने आरसीए एडहॉक कमेटी को न केवल आयोजन प्रक्रिया से बाहर रखा, बल्कि उन्हें एक्रिडेशन कार्ड तक नहीं दिए गए, जबकि मनमाने तरीके से एक जिला संघ के सचिव को कार्ड जारी कर दिया गया। यह आरसीए की अवहेलना और साजिश का प्रतीक है।

बिहाणी ने यह भी कहा कि पूर्व में आरसीए ही जयपुर में आईपीएल मैचों का आयोजन करता था और सीएमओ, मंत्रिमंडल, अधिकारियों, पूर्व खिलाड़ियों और जिला संघों को पास उपलब्ध कराता था। अब आरसीए को दरकिनार कर कॉम्प्लीमेंटरी पास निजी लोगों को और पसंदीदा जिला संघों को दिए जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष आरसीए को अस्थिर करने के लिए कभी नई कमेटियां गठित कर रहे हैं, तो कभी एडहॉक कमेटी को सिर्फ चुनाव कराने तक सीमित बताकर उसकी भूमिका को कम कर रहे हैं। यदि ऐसा होता तो सरकार द्वारा इस कमेटी का कार्यकाल पांच बार क्यों बढ़ाया जाता? आरसीए एडहॉक कमेटी ने पूर्व आरसीए कार्यकारिणी द्वारा की गई वित्तीय अनियमितताओं की 368 पृष्ठों की ऑडिट रिपोर्ट तैयार कर एफआईआर दर्ज करवाई थी। उन्होंने सवाल किया कि यदि क्रीड़ा परिषद इतनी ही सजग थी, तो उस एफआईआर पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

बिहाणी ने कहा कि आरसीए के पिच क्यूरेटर तपोश चटर्जी और ग्राउंड स्टाफ अपने उच्च स्तरीय उपकरणों के साथ दिन-रात स्टेडियम की देखरेख में जुटे हैं, लेकिन आरसीए को उनके उपकरणों और स्टाफ के लिए कोई भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान रॉयल्स और क्रीड़ा परिषद की यह हठधर्मिता आरसीए को कमजोर करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

राजस्थान रॉयल्स पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जयपुर में राजस्थान रॉयल्स का पिछला मैच जिस तरह से हारा गया, वह संदेह के घेरे में है और इससे राज्य के युवा खिलाड़ियों के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बिहाणी ने कहा कि आरसीए एडहॉक कमेटी ने राज्य में सफल और ऐतिहासिक प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं और खिलाड़ियों के भविष्य को संवारने का कार्य किया है। क्रीड़ा परिषद द्वारा उसे केवल चुनाव की भूमिका तक सीमित करना और नई कमेटियों का गठन करना न केवल खेल हितों के विरुद्ध है, बल्कि सरकार के आदेशों की भी अवमानना है।

पीसीसी चीफ डोटासरा बोले- मुख्यमंत्री को तकलीफ आने वाली है, इसलिए बढ़ गए हैं दिल्ली के चक्कर

उदयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने उदयपुर दौरे के दौरान राज्य की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर तीखा हमला बोला। डोटासरा ने कहा कि सीएम पर तकलीफ आने वाली है, इसलिए वो दिल्ली दौरे ज़्यादा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता डोटासरा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बिना किसी ठोस योजना के प्रदेश में यात्राएं कर रहे हैं, लेकिन जनता का जुड़ाव दिखाई नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कभी आभार यात्रा, कभी देव दर्शन और कभी दिल्ली की बैठकें कर रहे हैं। लेकिन असल सवाल तो यह है कि जनता को इसका क्या लाभ मिल रहा है?

यमुना जल परियोजना पर उठाए सवाल

डोटासरा ने यमुना जल को लेकर भी सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 में विधानसभा में मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि चार महीने में डीपीआर तैयार होगी और जल परियोजना पर काम शुरू होगा। डोटासरा ने चुटकी लेते हुए कहा कि अब न डीपीआर बनी है, न कोई तारीख बताई जा रही है। सीएम बस अफसरों से मीटिंग करने की बात कर रहे हैं, जो कोई बड़ी बात नहीं है, वह तो रोज होती रहती है।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना का भी जिक्र

डोटासरा ने दावा किया कि आठ हजार करोड़ की इंदिरा गांधी नहर परियोजना को कांग्रेस सरकार ने पहले ही वित्तीय मंजूरी दे दी थी। उन्होंने कहा कि अब तो बस टेंडर की प्रक्रिया बाकी थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसे अपने बजट में फिर से डालकर सिर्फ दिखावा किया है। न टेंडर हुआ, न वर्क ऑर्डर जारी हुआ और न ही काम शुरू हुआ। दरअसल, शनिवार को भी डोटासरा ने मुख्यमंत्री के शेखावाटी दौरे पर टिप्पणी की थी। जवाब में सीएम शर्मा ने सीकर की जनसभा में कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा था कि पंजा मत दिखाइए, इस पंजे ने प्रदेश को गंजा कर दिया है।

एसआई पेपर लीक मामले में एक और बड़ा अफसर गिरफ्तार

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। एसआई पेपर लीक मामले में नया अपडेट। एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने एक बड़ी कार्रवाई की। एसओजी ने आरएसी तृतीय बटालियन बीकानेर में तैनात प्लाटून कमाण्डर मदनलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया।

एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि 15 सितंबर 2021 को आयोजित परीक्षा में आरोपी मदनलाल की जगह परीक्षा में अन्य डमी अभ्यर्थी बैठा था। डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलाने पर आरोपी का प्लाटून कमांडर पद पर चयन हुआ था। फलौदी के लोहावट निवासी आरोपी मदनलाल को न्यायालय

में पेश किया, जहां से उसे सोमवार तक पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

एसआईटी ने अब तक 101 आरोपियों को किया गिरफ्तार

एसओजी की बनाई गई विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक इस मामले में 50 थानेदारों सहित 101 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 6 चयनित उप निरीक्षक भी शामिल हैं।

सस्ती होगी बिजली! सरकार हर घर में लगाएगी मुफ्त 'स्मार्ट मीटर'; मिलेंगे बड़े फायदे

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में करीब 1.43 करोड़ कनेक्शनधारियों के स्मार्ट मीटर लगाने का काम जल्द शुरू होगा। जिससे उपभोक्ताओं को 15 पैसे सस्ती बिजली मिल सकेगी। राज्य सरकार ने हर घर, दुकान, ऑफिस, फैक्ट्री में स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी कर ली है।

स्मार्ट मीटर को 'बिजली मित्र' ऐप से कनेक्ट किया जाएगा। इसके तहत प्रीपेड यानी 'पहले पैसा फिर बिजली' का ऑप्शन चुनने पर 15 पैसे प्रति यूनिट बिजली डिस्काउंट मिलेगा।

राज्य सरकार के आदेशानुसार

सभी उपभोक्ताओं (घरेलू/कृषि/कॉमर्शियल) को स्मार्ट मीटर लगवाना अनिवार्य होगा। जिसके लिए कोई चार्ज नहीं किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर के फायदे...

-बिजली उपभोक्ता अपने घर, दुकान या फैक्ट्री का रियल टाइम उपभोग देख सकेगा।

-बिजली का ज्यादा व्यय होने पर वह मॉनिटर कर सकेगा। वह व्यर्थ में चल रहे बिजली संयंत्र बंद करके लोड मैनेज कर सकता है।

-बिजली न होने की शिकायतों का जल्दी समाधान होता है, क्योंकि वितरण कंपनी को तुरंत समस्या का पता चल जाता है।

-बिल में गलतियों की शिकायतें कम हो जाएंगी।

-बिलिंग प्रोसेस भी ऑटोमेटिक और काफी आसान हो जाएगी।

प्रेम संबंधों के कारण सिंगर ने गर्भवती पत्नी का घोंटा गला
गर्लफ्रेंड से रचानी थी शादी

अजमेर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर के सराधना डोडियाना गांव में गर्भवती महिला शोभा देवी की गला घोंटकर हत्या के मामले में रिमांड के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त गमछा साफी तथा आरोपी का मोबाइल बरामद कर लिया है। घटनास्थल की तस्दीक भी की। खुलासा किए जाने के बाद दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया, आरोपी महिला रेखा को जेल भिजवा दिया वहीं आरोपी शिवजी को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

गत 14 अप्रेल को डोडियाना में शोभा देवी की संदिग्ध हालात में मौत की सूचना मिली। पुलिस को शव के मुंह से खून और जीभ बाहर निकली मिली। गले पर नीले निशान थे। महिला गर्भवती थी। मामला संदिग्ध लगने पर मोबाइल फोरेंसिक यूनिट से जांच करवाई गई। शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से जेएलएन अस्पताल अजमेर में करवाया गया। इसके बाद 15 अप्रेल को मृतका के पिता अमराराम ने थाने में रिपोर्ट दी।

उन्होंने बेटी की हत्या का शक उसके पति शिवजी और उसकी प्रेमिका रेखा पर जताने पर जांच शुरू की।

टीम ने 24 घंटे में हत्या की साजिश का खुलासा कर मुय आरोपी शिवजी और उसकी प्रेमिका रेखा को गिरफ्तार कर लिया। शिवजी भजन गायक है। उसकी रेखा से मुलाकात करीब 5 साल पहले माताजी के मंदिर में हुई थी। दोनों में प्रेम संबंध बन गए। रेखा ने शादी के लिए पत्नी को रास्ते से हटाने की शर्त रखी।

महिला की बेरहमी से हत्या: दोनों पैर काटकर चांदी के कड़े लूटे; पूरे इलाके में दहशत

सवाई माधोपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले के गंगापुरसिटी के बामनवास थाना क्षेत्र के जाहिरा गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई जब गांव के बाहर एक खेत के पास एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिला। महिला की नृशंस हत्या कर दी गई थी, उसके दोनों पैर काट दिए गए थे और पास के ही पानी के कुंड में फेंक दिए गए थे। मृतका की पहचान जाहिरा गांव निवासी 50 वर्षीय उर्मिला मीणा पत्नी मोसरिया मीणा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, उर्मिला देवी रोजाना की तरह सुबह घर से ईंधन लेने के लिए खेतों की ओर गई थी। लेकिन जब सुबह 10 बजे तक वह घर नहीं लौटी तो

परिजनों को चिंता हुई। उसके बाद उन्होंने गांव के अन्य लोगों के साथ मिलकर उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव से कुछ दूरी पर एक पानी के कुंड के पास महिला के कटे हुए दोनों पैर पड़े मिले। यह दृश्य देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। कुछ ही दूरी पर महिला का खून से लथपथ शव भी पड़ा मिला। शव की पहचान उर्मिला देवी के रूप में हुई, जिनके दोनों पैर बेरहमी से काट दिए गए थे। ग्रामीणों ने तुरंत बामनवास पुलिस को सूचना दी, जिस पर थानाधिकारी राकेश शर्मा जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उर्मिला देवी की पहले गला रेतकर हत्या की, फिर चांदी के कड़े लूटने के लिए दोनों पैर काट डाले। लूट के बाद कटे हुए अंगों को पास ही पानी के कुंड में फेंक दिया गया। हत्या की इस वीभत्स वारदात से गांव में जबरदस्त आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने शव को नहीं उठाने दिया और तुरंत आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बामनवास-सड़क मार्ग पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने के प्रयास में जुट गए। लेकिन लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। घटना के चलते क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल बन गया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गईं। वहीं, एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की मदद से सबूतों को जुटाने लगे। मृतका के परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि हत्या के पीछे के कारणों और संदिग्धों का पता लगाया जा सके।

डिवाइडर फांदकर ट्रक से जा भिड़ी कार
दर्शन के लिए सांवलियाजी जा रहे चार श्रद्धालुओं की मौत

चित्तौड़गढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। निंबाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ फोरलेन पर भीषण सड़क हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी श्रद्धालु मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के निवासी थे और सांवलियाजी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद मृतकों के शव निंबाहेड़ा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं, जहां परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

निंबाहेड़ा कोतवाली पुलिस के अनुसार उज्जैन से स्कॉर्पियो में सवार श्रद्धालु सांवलियाजी मंदिर दर्शन के लिए रवाना हुए थे। राजस्थान की सीमा में प्रवेश करने के बाद चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा थाना क्षेत्र में जलिया चेक पोस्ट के पास स्कॉर्पियो असंतुलित होकर डिवाइडर पार कर गई और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए।

सूचना मिलते ही पुलिस की गश्ती टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत निंबाहेड़ा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चार श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि तीन अन्य का इलाज जारी है। सूचना मिलते ही निंबाहेड़ा पुलिस उपअधीक्षक बद्रीलाल राव भी अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हादसे में उज्जैन जिले के हिंगोरिया निवासी गौरव कुमार पुत्र जगदीश पवार, राजा, उज्जैन निवासी अनिल कुमार पुत्र रामचंद्र नरवाल तथा बदनावर खेड़ा निवासी संजू देपानी की मौत हो गई। वहीं दीपक पुत्र रमेश देपाल, योगेश पुत्र निलेश भांबी और सुनील पुत्र प्रहलाद बलाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायल निंबाहेड़ा अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रक और स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या की प्लानिंग करते धराए तीन बदमाश, हथियार बरामद

उदयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर में अपराध की दुनिया में हलचल मचाने वाली एक सनसनीखेज वारदात को पुलिस ने समय रहते दबोच लिया। शहर के एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर की हत्या की साजिश रच रहे तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से तीन पिस्टल, एक पम्प एक्शन गन और 33 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। अगर बदमाशों का यह प्लान सफल हो जाता तो उदयपुर में बड़ी गैंगवार की चिंगारी भड़क सकती थी।

पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि उदयपुर जिला स्पेशल और सूरजपोल थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से इस

कार्रवाई को अंजाम दिया है। पूरे ऑपरेशन की निगरानी एएसपी उमेश ओझा और डिप्टी महिपाल सिंह ने की, जबकि मैदान में DST प्रभारी श्याम सिंह रत्नू और थानाधिकारी रतन सिंह की टीम ने मोर्चा संभाला।

इस साजिश के पीछे हिस्ट्रीशीटर नरेश हरिजन का मुख्य रूप से हाथ है, जिसके खिलाफ हत्या, फिरौती, अपहरण समेत 35 संगीन केस दर्ज हैं। नरेश ने ही जयपुर के कुख्यात बदमाश इमरान उर्फ सरिया को एक अन्य हिस्ट्रीशीटर प्रवीण वसीटा की हत्या के लिए 3.5 लाख की सुपारी देकर उदयपुर बुलाया था।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ट्रैप बिछाया और पटेल सर्कल स्थित श्मशान घाट से हत्या की योजना बनाते इमरान, भगवानलाल उर्फ भगवतीलाल मीणा (सलूंबर) और अनिकेत चौहान (उदयपुर) को दबोच लिया। इमरान के खिलाफ अकेले 38 केस दर्ज हैं, जिसमें हत्या का प्रयास, लूट, वसूली और जेल से फरारी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार यह गैंग शहर में खौफ पैदा करने की तैयारी में थी लेकिन सही वक्त पर कार्रवाई कर पुलिस ने एक बड़ी गैंगवार को टाल दिया है। अब पुलिस ने फरार चल रहे मास्टर माइंड नरेश हरिजन की तलाश तेज कर दी है।

फर्जी विज्ञापन से कॉल गर्ल मुहैया कराने के नाम पर ऑनलाइन ठगी, 2 शातिर गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के साइबर थाना और मोटागांव थाना की टीम ने फर्जी विज्ञापन देकर कॉल गर्ल मुहैया कराने के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 13 सिम कार्ड, पांच एटीएम कार्ड, पांच मोबाइल और 11 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। साइबर थाना प्रभारी देवीलाल मीणा ने बताया कि महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम राजस्थान जयपुर के कार्यालय से संदिग्ध बैंक खातों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश प्राप्त हुए थे। इस पर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, एएसपी राजेंद्र भारद्वाज, उप अधीक्षक श्यामसिंह के निर्देशन में साइबर थाना और मोटागांव थाना प्रभारी अंबालाल के सहयोग से टीम गठित की गई। टीम ने अनुसंधान के बाद दो साइबर ठगों सतीश पाटीदार पिता परती पाटीदार और मिथुन पिता प्रेमदास वैष्णव निवासी कराणा को गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि इंटरनेट पर उपलब्ध वेबसाइटों पर होटल में एस्कोर्ट सर्विस (कॉल गर्ल) मुहैया कराने के नाम पर सुंदर लड़कियों के फोटो अपलोड कर फर्जी विज्ञापन जारी करते थे। इसके बाद उस पर फर्जी वॉट्सअप नंबर दर्शाने से देश के विभिन्न राज्यों के लोगों द्वारा वेबसाइट पर दिखने वाले वॉट्सअप नंबर पर मैसेज, कॉल और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लड़कियों के फोटो भेजकर रजिस्ट्रेशन चार्ज, सिक्योरिटी चार्ज, सर्विस चार्ज, होटल चार्ज के नाम पर एडवांस में राशि फर्जी खाते की डीटेल भेजकर ले लेते थे।

शादी समारोह के दौरान हो गया भयंकर अग्निकांड
नोट और सोने के जेवरात समेत सब जलकर ख़ाक

अजमेर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के शानदार रिसोर्ट प्लेस पुष्कर के देवनगर रोड पर शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। दरअसल रेलवे फाटक के पास स्थित संभव विला रिसॉर्ट में कल एक विवाह समारोह आयोजित हुआ था जिसमें वरमाला के दौरान शानदार आतिशबाजी हुई। आतिशबाजी की चिंगारी पडोसी के घर में जाने से वहां आग लग गई। आतिशबाजी से निकली चिंगारी पास ही स्थित सुशीला किन्नर के आवास में बने घास फूस के बाड़े में आग लग गई जिससे आग भड़क गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में बाड़े में रखा सामान जल गया। इस घटना के बाद विवाह समारोह में अफरा-तफरी मच गई। रिश्तेदार और दूल्हा-दुल्हन इधर-उधर भागने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

पीड़ित सुशीला किन्नर का आरोप है कि इस आगजनी में बाड़े में रखे नोट, सोने के जेवरात, पंखे,कूलर समेत कई सामान जलकर राख हो गए। पुलिस ने रात 10 बजे बाद बज रहे डीजे को बंद कर करवाया।

ई-सिगरेट और वेप्स मामले का भंडाफोड़, तेलंगाना के युवाओं और बच्चों को बचाया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता। तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) और हैदराबाद सिटी पुलिस ने शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित ड्रग जागरूकता अभियानों के दौरान हैदराबाद के शैक्षणिक संस्थानों में और उसके आसपास ई-सिगरेट की बिक्री पर ध्यान दिया। उक्त संस्थानों के कुछ शिक्षकों ने एबिड्स में युवाओं और बच्चों को ई-सिगरेट के साथ-साथ वेप्स की बिक्री के बारे में अपनी शंका व्यक्त की। फिर टीजीएएनबी ने हैदराबाद के एबिड्स में स्थित लिटिल फ्लावर स्कूल, सेंट मैरी जूनियर कॉलेज, सेंट जॉर्ज ग्रामर स्कूल, रोजरी कॉन्वेंट हाई स्कूल, सुजाता हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज जैसे स्कूलों और कॉलेजों पर निगरानी रखी। बाद में टीजीएएनबी के प्रयासों से यह पता चला कि सादिक लालानी और उनके भाई अनिल लालानी निवासी फ़्लैट नंबर 404, शक्ति साईं कॉम्प्लेक्स, हज हाउस के पास, नामपल्ली, हैदराबाद, एबिड्स और हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के अन्य हिस्सों में मादक वेप्स और प्रतिबंधित ई-सिगरेट की अवैध बिक्री में शामिल हैं। वे ये वेप्स और प्रतिबंधित ई-सिगरेट युवाओं के साथ-साथ स्कूल जाने वाले नाबालिग बच्चों को एसआईडी के नाम से करीब 500 लोगों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर बेच रहे हैं और इस ग्रुप में कोई नया प्रोडक्शन आने पर उसका विज्ञापन कर रहे हैं। इन विज्ञापनों को देखकर ग्रुप के सदस्य ऑनलाइन भुगतान कर खरीदारी कर रहे हैं। ग्राहक आरोपी और उसकी बहन, पिता के दोस्त, मां और उसके बचपन के दोस्त के फोन और खातों में यूपीआई, वॉलेट, बैंक ट्रांसफर करते हैं। इसके अलावा, यह भी स्थापित हुआ है कि अमित निवासी नई दिल्ली और वसीम निवासी मुंबई इन आरोपियों को ई-सिगरेट की आपूर्ति कर रहे हैं।

दोनों भाई 50,000 रुपये से अधिक की राशि भेजने के लिए हवाला ऑपरेटर मांगी रामजी गौतम निवासी हैदराबाद और सीआर शर्मा की सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इन ई-सिगरेट को पहुंचाने के लिए रैपिडो, उबर और डीटीडीसी को नियुक्त किया गया है। 18 वर्ष से कम आयु के 13 किशोर छात्रों की पहचान उनके फोन नंबरों के साथ की गई है। इन 13 किशोरों के कम उम्र में ही नशीली दवाओं के सेवन की लत में फंसने की बहुत अधिक संभावना है।

स्थानीय पुलिस उनके घरों का दौरा करेगी और उनके माता-पिता को परामर्श देगी। इसके अलावा, हमने यूपीआई, वॉलेट, भीम, बैंक लेनदेन और रैपिडो, उबर और डीटीडीसी कूरियर से प्राप्त उत्तरों से 400 से अधिक उपयोगकर्ताओं की सकारात्मक पहचान की है, जो इस समूह का हिस्सा हैं। इन आरोपियों के खिलाफ रिकॉर्ड में पर्याप्त अकाट्य सबूत उपलब्ध हैं। बैंक लेनदेन से, एक रूढ़िवादी अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्होंने हैदराबाद और एपी में लगभग एक करोड़ रुपये की ई-सिगरेट की बिक्री की। इस संबंध में किशोर न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

बिहार को मिलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस और नमो भारत रैपिड रेल की सौगात

वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत का संगम बनेगा बिहार

नई दिल्ली/हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में, रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है जिसकी बदौलत परियोजनाएं द्रुत गति से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल पिपरा नई लाइन, खगड़िया अलौली नई लाइन और हसनपुर विथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है। नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है। कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है। पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे,वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है, कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है। साथ ही सभी कोचों में सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है।

दमरे के 6 कर्मचारियों को महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार

दमरे महाप्रबंधक ने पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को समन्वय सम्मेलन हॉल, रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान 6 कर्मचारियों को मार्च, 2025 महीने के लिए महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने सतर्कता दिखाने और असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए सिकंदराबाद डिवीजन-2, विजयवाड़ा डिवीजन-3 और गुंटूर डिवीजन-1 से संबंधित कर्मचारियों को महीने का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। कर्मचारी स्टेशन मास्टर, प्वाइंट मैन, ट्रैक मेंटेनर और तकनीशियन जैसी विभिन्न श्रेणियों से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उन्हें अत्यंत समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रतिबद्धता के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने और सुरक्षा के रखरखाव के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे। बाद में, महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि, ट्रैक रखरखाव कार्यों को निष्पादित करते समय और लोडिंग/अनलोडिंग गतिविधियों आदि पर कर्मचारियों/ठेका श्रमिकों द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों पर अधिकारियों/पर्यवेक्षकों द्वारा विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा उपकरणों जैसे अग्निशामक यंत्र, धुआं पता लगाने वाले उपकरणों की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित करने और ट्रेनों और स्टेशन परिसर आदि में फायर अलार्म सिस्टम के उचित कामकाज को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि ट्रेन संचालन में सुरक्षा बढ़ाई जा सके। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को चालक दल के काम के घंटों पर ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने चालक दल के काम के घंटों को कम करने और उचित समय पर उचित आराम प्रदान करने के लिए लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और गार्ड आदि के ड्यूटी रोस्टर की तैयारी पर सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को जोन में चालक दल लॉबी/रनिंग रूम में उपलब्ध सुविधाओं का नियमित निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने जोन में किए जाने वाले ट्रैक के साथ-साथ बाड़ लगाने के काम की भी विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों ने बाड़ लगाने के काम की विशेषताओं, निहितार्थों और कार्यान्वयन के बारे में महाप्रबंधक को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक बार बाड़ लगाने का काम पूरा हो जाने के बाद, ट्रेनों की गति में वृद्धि के अलावा ट्रैक के साथ सुरक्षा पहलुओं में भी सुधार होता है और समय की पाबंदी में भी सुधार होता है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सबसे पहले संवेदनशील स्थानों की पहचान करें और निर्धारित समय में बाड़ लगाने का काम पूरा करने की योजना बनाएं, ताकि मवेशियों, सड़क वाहनों आदि के अतिक्रमण को कम करके ट्रेन संचालन में सुरक्षा में सुधार हो सके।

गांजा बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र टीम के अधिकारियों ने हुमायूं नगर पुलिस के साथ मिलकर ईदगाह मैदान, गवर्नमेंट बॉयज हाई स्कूल, फर्स्ट लांसर, हैदराबाद के पास मादक पदार्थ गांजा बेचने और सेवन करने वाले चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से दो किलो गांजा जब्त किया। पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद वाई वीएस. सुधींद्र ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद सोफियाउद्दीन उर्फ सोफियान, निवासी भोला नगर, मसाब टैंक, सैयद दाऊद निवासी, पोचम्मा बस्ती, मसाब टैंक, सैयद रोमान अली, निवासी हुमायूं नगर, मोहम्मद अयूब, निवासी किशन बाग, बहादुरपुरा को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वसनीय सूचना पर वेस्ट जोन टास्क फोर्स ने ईदगाह मैदान, गवर्नमेंट बॉयज हाई स्कूल, फर्स्ट लांसर, हैदराबाद में छापा मारा और गांजा की अवैध बिक्री में शामिल चार व्यक्तियों को पकड़ा। कार्रवाई के दौरान, तीन आरोपियों को गांजा बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। मुख्य आरोपी (सैयद दाऊद अली, सैयद रोमान अली और मोहम्मद अयूब) ने ताज बाग दरगाह, नागपुर, महाराष्ट्र के पास एक सप्लायर से मोहम्मद सोफियाउद्दीन उर्फ सोफियान (मसाब टैंक थाने का उपद्रवी शीटर) की मदद से गांजा खरीदा था। उनके कब्जे से कुल दो किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों को जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। पुलिस ने युवाओं और जनता से अपील करते हुए कहा कि ड्रग्स समाज के लिए एक खतरा हैं, जो करियर, परिवार और भविष्य को नष्ट कर रहे हैं। हैदराबाद शहर के कमिश्नर टास्क फोर्स ने युवाओं से ड्रग्स से दूर रहने और आसान पैसे या लत के जाल में न फंसने का पुरजोर आग्रह किया है।

मादक द्रव्यों के सेवन से विनाशकारी परिणाम होते हैं, जिसमें रोजगार की हानि, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और आपराधिक रिकॉर्ड शामिल हैं जो किसी के भविष्य को नष्ट कर सकते हैं। जनता से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और कानून प्रवर्तन अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध ड्रग-संबंधी गतिविधि की सूचना दें। हैदराबाद को नशा मुक्त शहर बनाने में आपका सहयोग महत्वपूर्ण है। यदि आपको कोई ड्रग तस्करी या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

पर्वतारोही ने इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

सिद्दीपेट, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट के लड़के जतोथ विहानराम ने माउंट पातालसू और माउंट किलिमंजारो के गिलमैन प्वाइंट पर चढ़ाई की और आठ वर्ष और पांच महीने की छोटी सी उम्र में सर्वाधिक चोटियों पर चढ़ने के लिए अपना नाम इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करा लिया। विहानराम और उनके परिवार के सदस्यों को रविवार को अमृतसर में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रिकॉर्ड की प्रतिलिपि और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इससे पहले, उन्होंने अपनी उपलब्धियों के लिए इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज कराया था।

महिला ने 2 बच्चों को नदी में फेंका

किया आत्महत्या का प्रयास

मेदक, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तूप्रान मंडल के इस्लामपुर में सोमवार को एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों को हल्दी वागु में फेंक दिया और नदी में कूद गई। स्थानीय लोगों ने मां को तो बचा लिया, लेकिन दो बच्चों को नहीं बचा पाए। पुलिस के अनुसार, ममता (30) अपने पति की मौत के बाद शिववमपेट मंडल के दंथनपल्ली में अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। गुजारा चलाने में मुश्किल होने पर ममता ने अपने दो बच्चों की हत्या करने के बाद खुदकुशी करने का फैसला किया। उसने सोमवार को अपनी दोनों बेटियों को हल्दी वागु में फेंक दिया। स्थानीय लोगों ने जब यह देखा तो वे मौके पर पहुंचे और ममता को बचाने में सफल रहे। उन्होंने दोनों बच्चों के शव भी बरामद किए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए तूप्रान के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

महिला को दुर्गम चेरुवु में आत्महत्या करने से बचाया गया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर के दुर्गम चेरुवु में कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास करने वाली एक महिला को रविवार आधी रात को पुलिस ने बचा लिया। 30 वर्षीय महिला कथित तौर पर पारिवारिक समस्याओं से परेशान थी और उसने अपनी जान लेने का फैसला किया। वह दोपहर 12 बजे झील पर आई और उसमें कूदने की कोशिश की। दुर्गम चेरुवु झील पुलिस गश्ती दल के कर्मचारी, जो वहां मौजूद थे, उसे बचाने के लिए दौड़े। जैसे ही उन्होंने उसे झील की ओर जाते देखा, वे तुरंत उसके पास पहुंचे और उसे एक तरफ खींच लिया। उसकी काउंसलिंग की गई और उसे उसके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया।

किसान की बिजली गिरने से मौत

जगतियाल, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बुग्गाराम मंडल के गोपालपुर में सोमवार को 55 वर्षीय किसान गोविंदुला मल्लेशम की बिजली गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मल्लेशम खेतों में खड़ी फसलों को पानी देने गए थे। कृषि पंप सेट चालू करते समय उन्हें बिजली का झटका लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मल्लेशम की पत्नी लक्ष्मी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

स्टार्ट अप सम्मेलन आयोजन आज से

इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्रीगण डॉ. जितेन्द्र सिंह व जी. किशन रेड्डी लेंगे हिस्सा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नवाचार को उत्प्रेरित करने व पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने के लिए स्टार्ट अप सम्मेलन या कान्क्लेव हैदराबाद-2025 का आयोजन मंगलवार व बुधवार अर्थात् 22 अप्रैल व 23 अप्रैल को हो रहा है। इस संदर्भ में सीएसआईआर -आईआईसीटी के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, नवाचार को उत्प्रेरित करने और पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने के लिए, सीएसआईआर - इण्डियन इंस्टिट्यूट आफ केमिकल टेक्नालाजी(आईआईसीटी) तथा सेंटर फार सेल्लुलर एण्ड मोलेक्यूलर बायोलाजी (सीसीएमबी) एवं नेशनल जियोफिजिकल रीसर्च इंस्टिट्यूट(एनजीआरआई) द्वारा स्टार्ट अप कानक्लेव हैदराबाद-2025 का आयोजन 22 अप्रैल व 23 अप्रैल को हो रहा है।

तत्संबंधित अधिकारियों ने यह भी बताया कि, नवाचार को उत्प्रेरित करने व पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का स्पष्ट आह्वान, स्टार्ट अप इंडिया स्टैंड अप इंडिया है। इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री विज्ञान व तकनीकी, पृथ्वी विज्ञान डॉ. जितेन्द्र सिंह एवं केंद्रीय मंत्री कोयला व खान विभाग जी. किशन रेड्डी हिस्सा लेकर कार्यक्रम की शोभा बढाएंगे।

इस स्टार्ट अप सम्मेलन का आयोजन करने का एकमात्र लक्ष्य स्टार्ट-अप्स, उद्यमियों, निवेशकों, इंडस्ट्री प्रमुखों एकाडमिशियन्स तथा सरकारी पदाधिकारियों के लिए एक विशाल मंच की व्यवस्था करना है ताकि इस मंच पर पहुंचकर तत्संबंधित सभी प्रतिष्ठित व्यक्तिगण अंतर्दृष्टि, नेटवर्क साझा करें तथा सहयोग के सुअवसरों का अन्वेषण करें। इससे स्पष्ट है कि इस सम्मेलन में अधिकाधिक गणमान्य व्यक्तियों के भाग लेने की पूरी उम्मीद है।

सीपी ने इब्राहिमपटनम पुलिस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू ने आज राचकोंडा आयुक्तालय में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के तहत विभिन्न पुलिस स्टेशनों पर अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा के लिए इब्राहिमपटनम पुलिस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्टेशन के आसपास का निरीक्षण किया गया। स्टेशन के रिकॉर्ड की जांच के अलावा, उन्होंने रिसेप्शन और गश्ती स्टाफ जैसे विभिन्न विभागों के प्रदर्शन और सीसीटीवी के रखरखाव की समीक्षा की। अधिकारियों को समस्याग्रस्त क्षेत्रों में हर समय सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। उन्होंने थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली। यह सुझाव दिया गया कि महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता दी जाए।

एआईएमआईएम ने गरीब मुसलमानों के कल्याण की अनदेखी की : प्रभाकर

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज एमआईएम पार्षदों को आगाह करते हुए कहा कि हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित उनकी पार्टी के नेतृत्व को सबक सिखाने का समय आ गया है, क्योंकि उन्होंने स्वार्थी राजनीतिक इरादों के लिए गरीब मुसलमानों के कल्याण की अनदेखी की है।

राज्य मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम पार्टी पिछले 50 वर्षों से एक परिवार के नियंत्रण में है और असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई, पिता और दादा पार्षद, विधायक और सांसद बन गए हैं, जबकि सब्जी, प्याज, फल विक्रेता और पंचर वाले उसी स्थिति में हैं। यह हाल तब है जब एमआईएम पार्टी पांच दशकों से हैदराबाद के पुराने शहर पर शासन कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब मुस्लिम लोग एमआईएम की राजनीति का शिकार बन गए हैं, क्योंकि अशिक्षा दर और युवाओं की बेरोजगारी में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है, जबकि एमआईएम पार्टी मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए काम कर रही है।

उन्होंने एमआईएम पार्षदों से अपील की कि वे अपनी आंखें खोलें और एमएलसी के स्थानीय चुनावों में ओवैसी परिवार के शासन को सबक सिखाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम के बीच मौन सहमति थी। ओवैसी परिवार ने राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के समर्थन से हर बार लाभ उठाया है, चाहे वह कांग्रेस हो या बीआरएस। हाल ही में वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन से पहले इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा हमला करते हुए, प्रभाकर ने आरोप लगाया कि मुस्लिम नेता विरोध प्रदर्शन आयोजित कर रहे हैं जिन्होंने वक्फ की जमीन हड़प ली है। रिपोर्टों का हवाला देते हुए प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना में 45,538 एकड़ वक्फ भूमि में से 70 प्रतिशत भूमि या तो विवाद में है या बड़े मुस्लिम लोगों द्वारा अतिक्रमण कर ली गई है। प्रभाकर ने आरोप लगाया कि असदुद्दीन ओवैसी स्थिति का फायदा उठा रहे हैं और अपने राजनीतिक लाभ के लिए हर मंच का इस्तेमाल कर मोदी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने सांसद असदुद्दीन ओवैसी के उन आरोपों का जोरदार खंडन किया कि मोदी सरकार में मुसलमानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है और कहा कि मोदी सरकार में मुस्लिम समुदाय अधिक सुरक्षित है और केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही हर कल्याणकारी योजना में मुसलमानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

मारु सैन समाज का सैन जयंती महोत्सव 25 को

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद लोवर टैंकबंड स्थित जगदीश मंदिर में मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद

तेलंगाना समाज बन्धुओं के सानिध्य में चौदहवां सैन जयंती महोत्सव शुक्रवार 25 अप्रैल भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष हनुमान तंवर व महामंत्री आनन्द परिहार ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति श्री सेनजी महाराज की 725वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर भजन कार्यक्रम एवं चौदहवां सैन जयंती महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। 25 अप्रैल को प्रात: वेला में श्री संत शिरोमणि सेनजी महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप प्रज्वलन एवं पुजा-अर्चनाकर समाज बन्धु कुलदेवता सेनजी महाराज के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प अर्पित करेंगे। प्रात: 9 बजे से भजनों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें विक्रम प्रजापत सांचौर भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

पधारे अतिथियों व कार्यक्रम के लाभार्थीयों का सम्मान किया जाएगा। पेपर विज्ञापन के लाभार्थी नरेन्द्र चौहान रहेंगे। समाज बन्धुओ, भक्तों व सम्मानित अतिथियों के लिए प्रात: 11 बजे से महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे मारु सेन समाज के पदाधिकारी व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहेंगे। संयोजक गिरीश परिहार ने समाज बन्धुओं व आमंत्रित सम्मानित अतिथियों से निवेदन किया है उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर लाभ लेवे।

मनरेगा फील्ड सहायकों ने वेतन की मांग को लेकर करीमनगर कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

करीमनगर, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मनरेगा क्षेत्र सहायकों ने सोमवार को यहां कलेक्ट्रेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया और राज्य सरकार से वेतन दिलाने की मांग की। फील्ड असिस्टेंट को पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिला है। हालांकि उन्होंने प्रजावाणी कार्यक्रम में कई ज्ञापन दिए, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे करने वाली कांग्रेस पार्टी को उनकी समस्याओं की जरा भी परवाह नहीं है। पिछले तीन महीनों से वेतन न मिलने के कारण उन्हें अपने परिवार चलाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार अपने चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार वेतनमान लागू कर 25,000 रुपये वेतन प्रदान करे, स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराए, मृतक फील्ड सहायकों को 10 लाख रुपये अनुग्रह राशि के अलावा परिवार के एक सदस्य को नौकरी दे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-03-2025-26 दि.17-04-2025

निविदा सं.-बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-03-2025-26 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन- डिपाजिट वर्क के तहत आरपीडीसी लि. के लिए बीजेडए डिवीजन के ''टेट्टू रेलवे स्टेशन से रामय्यापट्नम में (उतार देना) टेकिंग आफ पर प्रस्तावित ग्रीन फील्ड पोर्ट के लिए रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित'' प्रस्तावित नई लाईनों का विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागतःरु. 2,01,94,691.15 बोली सुरक्षा (पूधरा) रु. 2,51,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बंद करने की तिथिः 12-05-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.1 निविदा मूल्य रु. शून्य
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा

निविदा सं. 1-इएनएचएम-एसटीपी-आईआरआईएसइटी-2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु हरेक के प्रति प्रदर्शित तिथियों व समय तक ई-निविदाएं(आईआरइपीएस) आमंत्रित है।

क्रम सं.-01 निविदा सं. 1-इएनएचएम-एसटीपी-आईआरआईएसइटी-2025-26 कार्य विवरणः टर्न की आधार पर,02 वर्ष की वारन्टी एवम् 08 वर्ष के लिए विस्तृत एएमओसी सहित 50 केएलडी, 70 केएलडी व 120 केएलडी क्षमताओं युक्त आईआरआइएसइटी पर 03 नंबर्स सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट या संयंत्र (एसटीपी) की डिजाइन, इरेक्शन, परीक्षण व कमीशनींग कार्य। कार्य का मूल्यः रु. 5,30,38,599.84 पूधरा रु.4,15,200.00 निविदा प्रपत्र मूल्यःरु.शून्य ठेका अवधिः.126 महिने

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 9-5-2025 के 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि व समयः 9-5-2025 के 15.30 बजे

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 9-5-2025 के 15.00 बजे तक

अधिक संचार/शुध्दिपत्रों को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियंता, हैदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदा या टेंडरिंग की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 एनआईटी सं.-सी/इ.29/टीआरडी/एससी/15/2025-26 कार्य विवरणः निविदा सं. सी/इ.29/टीआरडी/एससी/15/2025-26 दि17-04-2025-एससी डिवीजन-बीपीक्यू -केजेडजे सेक्शनः बीपीक्यू -केजेडजे में आटो ब्लाक सिग्नलिंग कार्यों हेतु 25केवी एटी का प्रावधान-टीआरडी व्यवस्थाएं।

अनुमानित लागतः रु. 2,89,80,009.04 कार्य पूरा करने की अवधिः 120 दिन करने की तिथिः 14-05-2025 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

तत्संबंधित में निविदाकर्ता केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।

सभी संभावित निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, केवल आनलाईन पेमेन्ट्स द्वारा ही निविदा प्रपत्र व पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) का भुगतान करें।

सभी संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्या प्राप्त करें एवं उसे अपने आफर्स के साथ प्रस्तुत करें।

निविदाकर्ता, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाईन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक देख सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.-01-एमइसीएच-एफआईएटी-टीपीटीवाय-25-26 दि. 17-04-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा अधोलिखित निविदा संख्या, तत्संबंधित बंद करने की तिथि, समय सु.11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण अपने मूल/ संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस मामले में किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर की प्राप्ति पर उस पर नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.01 कार्य विवरणः निविदा सूचना सं.-01-एमइसीएच-एफआईएटी-टीपीटीवाय-25-26 दि. 17-04-2025 कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर एसएस-।, एसएस-।।, एसएस-।।। शेड्यूल्स पर ध्यान देने हेतु स्ट्रिप्पिंग,क्लीनींग या सफाई, एसेम्बल्लिंग तथा एफआईएटी/एलएचबी की पेन्टिंग करना। अनुमानित लागतः रु.1,41,35,393.6, बोली सुरक्षा रु. 2,02,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

बंद करने की अवधिः 8-5-2025 के 13.00 बजे
वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in
संपूर्ण निविदा विवरण को देखने के लिए नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सीआरएस, तिरुपति

A0522

निविदा शर्तों/ विस्तृत जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

श्रेयस-ईशान की बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी

पिछले साल बाहर कर दिया गया था; रोहित-विराट ए-प्लस ग्रेड में बरकरार

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो गई है। पिछले साल दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 से बाहर किया गया था। वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ए+ में बरकरार रहेंगे। ये तीनों पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह भी ए+ ग्रेड में बने रहेंगे।

घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने पर अय्यर-किशन कॉन्ट्रैक्ट से बाहर किए गए थे

श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को पिछले साल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर करने की सबसे बड़ी वजह घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलना था। बोर्ड ने आदेश दिया था कि नेशनल टीम में अगर खिलाड़ी शामिल नहीं है, तो उसे घरेलू क्रिकेट में खेलना चाहिए। बोर्ड के आदेश के बावजूद श्रेयस अय्यर और ईशान किशन उस समय के बचे हुए रणजी ट्रॉफी मैच में नहीं खेले थे।

घरेलू क्रिकेट में श्रेयस ने शानदार प्रदर्शन किया

श्रेयस ने घरेलू क्रिकेट में वापसी की और आखिरी रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए पांच मैचों में 480 रन बनाए। नौ मैचों में 345 रन बनाकर श्रेयस सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 325.00 की शानदार औसत से पांच मैचों में 325 रन बनाए। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की 5 पारियों में 79.41 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए थे। उन्होंने फाइनल में 62 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली थी। वे टूर्नामेंट के दूसरे टॉप स्कोरर रहे थे।

ईशान ने आईपीएल के पहले मैच में शतक जमाया

ईशान ने आईपीएल के अपने पहले मैच में 106 रन की पारी खेलकर वापसी के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। उन्होंने आईपीएल के इस सीजन में खेले 7 मैचों में 170.37 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है।

बोर्ड की सूची में 34 खिलाड़ी शामिल

बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों में 34 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। पिछले साल 30 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट दिया गया था। वहीं ग्रेड ए+ में पिछले साल की तरह चार खिलाड़ी ही हैं। ग्रेड ए में 6 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। पिछली बार भी इस कैटेगरी में 6 खिलाड़ी थे। वहीं बी में पिछली बार की तरह पांच खिलाड़ी और सी में 19 खिलाड़ी हैं। पिछली बार 15 खिलाड़ी शामिल किए गए थे।

अभिषेक, नीतीश, हर्षित राणा और वरुण पहली बार बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट में शामिल

अभिषेक शर्मा, नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती पहली बार बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल हुए हैं। इन चारों को सी कैटेगरी में शामिल किया गया है। वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में 9 विकेट लिए थे। नीतीश ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 2024-25 के खेले 12 टी-20 इंटरनेशनल में 200.48 की स्ट्राइक से 411 रन बनाए हैं।

शार्दूल-अश्विन सहित पिछली लिस्ट के 5 खिलाड़ी बाहर

इस लिस्ट में पिछले सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल 5 खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। जिसमें शार्दूल ठाकुर, रविचंद्रन अश्विन, जीतेश शर्मा, केएस भरत और आवेश खान शामिल हैं।

अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान रिटायरमेंट लेने का फैसला किया था।

किस ग्रेड में किसे रखा?

ग्रेड	नंबर	नाम
A+ 7 करोड़	1	रोहित शर्मा
	2	विराट कोहली
	3	जसप्रीत बुमराह
	4	रवींद्र जडेजा
A 5 करोड़	5	मोहम्मद सिराज
	6	केएल राहुल
	7	शुभमन गिल
	8	हार्दिक पंड्या
	9	मोहम्मद शमी
	10	ऋषभपंत
B 3 करोड़	11	सूर्यकुमार यादव
	12	कुलदीप यादव
	13	अक्षर पटेल
	14	यशस्वी जायसवाल
	15	श्रेयस अय्यर
C 1 करोड़	16	रिंकू सिंह
	17	तिलक वर्मा
	18	ऋतुराज गायकवाड
	19	शिवम दुबे
	20	रवि बिश्नोई
	21	वॉशिंगटन सुंदर
	22	मुकेश कुमार
	23	संजू सैमसन
	24	अर्शदीप सिंह
	25	प्रसिद्ध कृष्णा
	26	रजत पाटीदार
	27	ध्रुव जुरेल
	28	सरफराज खान
	29	नीतिश कुमार रेड्डी
	30	ईशान किशन
	31	अभिषेक शर्मा
	32	आकाश दीप
	33	वरुण चक्रवर्ती
	34	हर्षित राणा

'वह प्रेरणास्त्रोत हैं'

पोल वॉल्ट के सर्वकालिक महान एथलीट डुप्लांटिस ने की नीरज चोपड़ा की तारीफ

मैड्रिड, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पोल वॉल्ट खेल में विश्व रिकॉर्ड धारी स्वीडिश अमेरिकी खिलाड़ी अर्मांड डुप्लांटिस ने भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की तारीफ की है। डुप्लांटिस ने नीरज को बेहतरीन इंसान और प्रेरणास्त्रोत बताया है। डुप्लांटिस के मुताबिक, वह नीरज से ओलंपिक में दो पदक जीतने और ग्लोबल स्टार बनने से बहुत पहले मिले थे। उनका कहना है कि इतनी अपार सफलता हासिल करने के बाद भी नीरज अब भी उतने ही विनम्र और बेहतरीन इंसान हैं।

डुप्लांटिस को सर्वकालिक महान पोल वॉल्ट एथलीट कहा जाता है। वह सात बार के सीनियर वैश्विक चैंपियन और 6.27 मीटर से वर्तमान विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। नीरज ने पिछले दो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत के साथ भारत के सबसे महान एथलीट के रूप में अपनी विरासत को मजबूत किया है। 'लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स' की पूर्व संध्या पर डुप्लांटिस ने नीरज के साथ अपनी शुरुआती मुलाकातों को याद करते हुए उन्हें प्रेरणादायी करार दिया। 25 वर्षीय डुप्लांटिस को '2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स' में 'स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने कहा, 'हमने एक दूसरे से काफी बातचीत की है। टोक्यो में ओलंपिक से पहले और ओलंपिक के बाद भी उनके साथ काफी बातचीत हुई थी, जब वह पूरे भारत देश को प्रेरित कर रहे थे, जो बहुत अच्छा था।' डुप्लांटिस ने कहा, 'नीरज अब भी वैसे ही इंसान है, वही इंसान जिससे मैं वर्षों पहले मिला था। हम शायद 2016 की विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पहली बार एक ही प्रतियोगिता में थे, उन्होंने वहां भी धमाकेदार प्रदर्शन किया। वह प्रेरणास्त्रोत हैं। वह जो भी करते हैं, मुझे वह पसंद हैं। वह प्रतिभाशाली और महान एथलीट हैं। वह भारत में खेलों के लिए जो कुछ भी कर रहे हैं, वह वास्तव में एक अद्भुत है।'

बाबुता के बाद रूद्रांक्ष-आर्या की जोड़ी का दिखा जलवा

पेरू शूटिंग विश्व कप में जीता रजत पदक

लीमा (पेरू), 21 अप्रैल (एजेंसियां)। रूद्रांक्ष पाटिल और आर्या बोरसे की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता जबकि पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

रूद्रांक्ष और आर्या की जोड़ी को फाइनल में नार्वे के जोन हरमान हेग और जीनेटे हेग ड्यूस्टैड से 11-17 से हार मिली। इससे पहले पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व

चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा।

फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली।

शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी, लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी। बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया।

इससे पहले क्वालिफिकेशन में बाबुता ने पहली रिले में 631.9 का मजबूत स्कोर बनाया, जबकि शेंग ने 635.0 के साथ सहजता से शीर्ष स्थान हासिल किया। पाटिल ने दूसरी रिले में 632.0 का स्कोर बनाकर ग्रुप का नेतृत्व किया और कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के हृदय हजारिका मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गए और 629.3 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहे।

आईपीएल 2025 के बाद भी संन्यास नहीं लेंगे एमएस धोनी?

एमआई के खिलाफ हार के बाद दिया बड़ा बयान

चेन्नई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 38वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई. इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ पॉइंट टेबल में छठे स्थान पर है. जबकि चेन्नई सुपर किंग्स इतने ही मैचों में केवल 2 जीत के साथ टेबल में सबसे नीचे है. चेन्नई के खिलाफ जीत के हीरो मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा थे, जिन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली. उनका बखूबी साथ सूर्यकुमार यादव ने दिया. मैच के चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कुछ चौंकाने वाली बातें कहीं, जिसे सुनकर सभी लोग चौंक गए.

अगले सीजन में मजबूती से करेंगे वापसी

मैच के बाद सीएसके के कप्तान ने कहा कि हमारी टीम का प्रदर्शन काफी औसत दर्जे का था. उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि मैच के दूसरे हाफ थोड़ा ड्यू आएगा. जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेथ बॉलर्स में से एक हैं और मुंबई इंडियंस ने अपनी डेथ बॉलिंग जल्दी शुरू कर दी,

जिससे हम ज्यादा रन नहीं बना सकें. धोनी ने कहा कि आयुष म्हात्रे ने अच्छी बल्लेबाजी की और अपने शॉट्स का चयन अच्छी तरह से किया. हमें पता था कि पिच पर रन बनाना आसान नहीं होगा. अगर आप शुरुआती ओवरों में ज्यादा रन दे देते हैं तो मुश्किल हो जाती है.

CSK के कप्तान ने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि हम अच्छी क्रिकेट खेलने के कारण ही सफल होते हैं. हमें बहुत ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिए. हमें एक समय में एक मैच पर ध्यान देना होगा और अगर हमें प्लेऑफ में जगह नहीं मिलती है तो अगले सीजन के लिए अपनी रणनीति पर विचार करना होगा. धोनी ने अगले सीजन की बात कहकर यह संकेत दे दिया है कि वह आईपीएल 2026 में खेल सकते हैं.

मैच के बाद धोनी ने कहा कि हमने औसत स्कोर से थोड़े कम रन बनाए. मुंबई ने अपनी डेथ गेंदबाजी जल्दी शुरू कर दी थी. हमें भी जल्द ही स्लॉग शॉट्स खेलने चाहिए थे.

उन्होंने स्पिन गेंदबाजी को अच्छे से खेला और हमने कभी भी लड़ने लायक टोटल नहीं बनाया. अगर आप पहले छह ओवर में काफी ज्यादा रन खर्च कर देंगे तो ये मतलब नहीं है कि गेंद अच्छे से बल्ले पर आ रही है. इस हार के साथ सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद काफी कम हो गई है.

प्रसिद्ध शेरपा गाइड 31वीं बार करेंगे माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास

अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे

काठमांडू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सबसे महान पर्वतारोही गाइडों में से एक कामी रीता दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर 31वीं बार चढ़ने की कोशिश करेंगे। वह इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे। 55 वर्षीय रीता काठमांडू से माउंट एवरेस्ट के लिए रवाना हुए, ताकि पर्वतारोहियों के एक समूह का नेतृत्व किया जा सके। वह वसंत चढ़ाई के मौसम के दौरान 8,849 मीटर (29,032 फीट) की चोटी पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। एवरेस्ट पर पहली बार 1953 में न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी और नेपाली शेरपा तेनजिंग नोर्गे ने चढ़ाई की थी।

काठमांडू के हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कामी रीता ने कहा, 'मैं मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से पहाड़ पर चढ़ने के लिए तैयार हूं। मैं अभी अपनी सर्वश्रेष्ठ शारीरिक स्थिति में हूं' उनके नाम 30 बार माउंट एवरेस्ट पर सबसे सफल चढ़ाई करने का रिकॉर्ड है। पिछले साल मई में उन्होंने दो बार चोटी पर चढ़ाई की थी।

उन्होंने कहा, 'मेरी पहली प्राथमिकता अपने क्लाइंट को

चोटी के शिखर पर पहुंचाना है। उसके बाद मैं तय करूंगा कि मैं सीजन के दौरान एक से ज्यादा बार चोटी पर चढ़ूंगा या नहीं। यह मौसम और पहाड़ की स्थितियों पर निर्भर करता है।' माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा चढ़ाई करने के मामले में उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी साथी शेरपा गाइड पासंग दावा हैं, जिन्होंने पहाड़ पर 27 सफल चढ़ाई की है।

कामी रीता ने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी और तब से लगभग हर साल यह यात्रा कर रहे हैं। वे कई शेरपा गाइडों में से एक हैं, जिनकी विशेषज्ञता और कौशल हर साल पहाड़ की चोटी पर खड़े होने की इच्छा रखने वाले विदेशी पर्वतारोहियों की सुरक्षा और सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उनके पिता पहले शेरपा पर्वतारोही गाइडों में से एक थे।

एवरेस्ट पर चढ़ाई के अलावा, कामी रीता ने कई अन्य चोटियों पर भी चढ़ाई की है जो दुनिया की सबसे ऊंची चोटियों में से हैं। इनमें K2, चो ओयू, मनास्लू और लोत्से शामिल हैं। नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक, इस पर्वतारोहण सत्र में 214 पर्वतारोहियों को दक्षिण में नेपाली पक्ष से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास करने के लिए परमिट जारी किए गए हैं, जो मई में समाप्त होता है। एवरेस्ट और आस-पास की हिमालयी चोटियों पर अधिकांश चढ़ाई अप्रैल और मई में की जाती है, जब मौसम की स्थिति सबसे अनुकूल होती है।

जूनियर एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की विजयी शुरुआत, हार्दिक-रुद्राक्ष जीते

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने अंडर-15 और अंडर-17 एशियाई जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत की है। भारत की ओर से हार्दिक दहिया और रुद्राक्ष सिंह रिंग में उतरे और उन्होंने जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अंडर-15 लड़कों के वर्ग में हार्दिक (43 किग्रा) ने शनिवार को किर्गिस्तान के कुबनिचबेक बोलुशोव को 5-0 से हराया।

रुद्राक्ष (46 किग्रा) ने इसके बाद मंगोलिया के इब्राहिम मराल को 5-0 से आसानी से हराया। यह पहली प्रतियोगिता है जिसका आयोजन एशियाई मुक्केबाजी कर रहा है। इसे एशियाई ओलंपिक परिषद और नवगठित विश्व मुक्केबाजी दोनों का समर्थन हासिल है। भारत ने टूर्नामेंट में 56 सदस्यीय टीम उतारी है।

पाक क्रिकेटर पर भड़के वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में डेब्यू करते ही 14 साल के वैभव सूर्यवंशी छा चुके हैं. वैसे छा तो वो तभी गए थे, जब उनकी उम्र बस 13 साल थी और आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने उन पर 1.10 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी. आईपीएल इतिहास के सबसे युवा बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना डेब्यू किया और पहले ही मैच में तेज तर्रार 34 रन बनाए. सूर्यवंशी का वैभव और कौशल दर्शाने वाली पारी के बाद उनके कोच मनीष ओझा पाकिस्तानी क्रिकेटर जुनैद खान पर भड़कते दिखे.

जुनैद खान को मिला मुंहतोड़ जवाब

दरअसल, आईपीएल 2025 के ऑक्शन के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज जुनैद खान ने वैभव सूर्यवंशी पर सवाल उठाए थे. उनकी काबिलियत और उम्र को ये कहते हुए निशाना बनाया था की क्या 13 साल का बच्चा लंबे छक्के लगा सकता है?

लेकिन, अब जुनैद को अपने आईपीएल डेब्यू पर छक्के से खाता खोलते हुए वैभव ने तो मुंहतोड़ जवाब दिया ही है, वैसा ही करारा जवाब उनके कोच ने भी पाकिस्तानी क्रिकेटर को दिया है.

वैभव के कोच का करारा जवाब

वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष

ओझा के मुताबिक पाकिस्तान के लोगों के पास बकवास करने का बहुत फालतू समय है. जो है वो सबको दिख रहा है. उम्र की बात है तो बीसीसीआई ने खुद उसका मेडिकल टेस्ट कराया है. बोर्ड ने सारी चीजें वेरीफाई कराकर ही वैभव को मौका दिया है. इसलिए जुनैद खान क्या सोचते हैं उसे कोई फर्क नहीं पड़ता.

आईपीएल से बड़ी कोई लीग नहीं, पाकिस्तानी तरसते हैं- मनीष ओझा

बातचीत के दौरान मनीष ओझा ने ये भी कहा कि धरती पर आईपीएल से बड़ी कोई लीग नहीं है. हमारा बच्चा आईपीएल खेल रहा है, ये बड़ी बात है. दूसरी ओर पाकिस्तानी इसमें खेलने के लिए तरस रहे हैं. वैभव के कोच ने ये भी कहा कि पाकिस्तान में टैलेंट का अभाव नहीं. मगर अंदरूनी समस्याओं, पाकिस्तान क्रिकेट के अंदर जारी राजनीति के चलते वो टैलेंट निखर कर बाहर आ नहीं पाता.

'सबकी आंखें खुल जाएंगी', मैच फिक्सिंग को लेकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान

इस्लामाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने मैच फिक्सिंग को लेकर बड़ा खुलासा किया है, जहां उन्होंने बताया है कि वह 90 के दशक में पाकिस्तान और वर्ल्ड क्रिकेट को हिलाकर रख देने वाले मैच फिक्सिंग घोटालों के बारे में अपनी आत्मकथा में सबकुछ बताने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि इससे सभी की आंखें खुल जाएंगी। लतीफ ने कहा कि उन्होंने अपनी आत्मकथा पर काम करना शुरू कर दिया है।

लतीफ ने जियो टीवी से बात करते हुए कहा, 'मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मैं सब कुछ बताऊंगा जो भी हुआ और यह किताब सभी की आंखें खोल देगी।' बता दें कि 2004 में संन्यास लेने के बाद से यह पहली बार है जब लतीफ ने अपनी आत्मकथा जारी करने के बारे में बात की है। मैच फिक्सिंग कांड की वजह से ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने 1994 में अचानक संन्यास ले लिया था।

अपनी शानदार विकेटकीपिंग के लिए मशहूर रहे लतीफ पाकिस्तानी टीम में भ्रष्टाचार के बारे में चिंता जताने वाले शुरुआती लोगों में से एक थे। 1994 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान लतीफ और बासित अली ने अचानक संन्यास की घोषणा

करके सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में खराब माहौल को इसका कारण बताया।

लतीफ ने याद किया है कि कैसे कुछ खिलाड़ियों पर मैच हारने का आरोप लगाया गया था और उन पर दबाव डाला गया था।

उन्होंने दावा किया कि उनसे कहा गया था कि जैसा कहा गया है वैसा करो। इस घटना ने पाकिस्तान क्रिकेट को हिलाकर रख दिया था। इसके बाद जो हुआ वह पाकिस्तान के क्रिकेट इतिहास के सबसे खराब दौर में से एक था। इसके बाद इसकी जांच भी की गई, जहां पूर्व कप्तान सलीम मलिक पर आजीवन प्रतिबंध, साथ ही वसीम अकरम, वकार यूनुस और मुश्ताक अहमद जैसे प्रमुख खिलाड़ियों पर असहयोग की वजह से भारी जुर्माना लगाया गया था।

मुख्यमंत्री ने ओसाका चैंबर्स ऑफ कॉमर्स की दिग्गज हस्तियों निवेश करने के लिए आमंत्रित किया

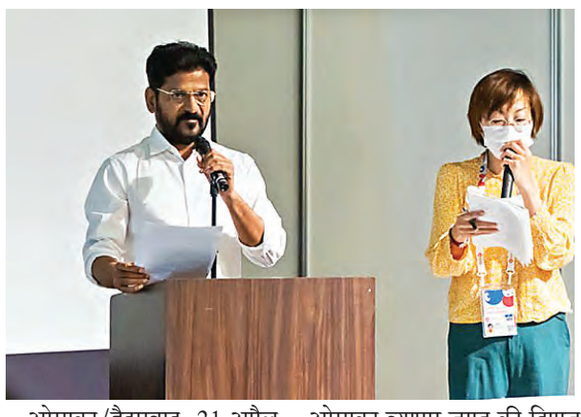

ओसाका/हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आधिकारिक तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना में कई क्षेत्रों और पहलों में निवेश की जोरदार वकालत की है। इनमें सर्कुलर अर्थव्यवस्था, शहरी बुनियादी ढांचा और पर्यावरण बहाली, रिवर मूसी परियोजनाएं, क्षेत्रीय रिंग रोड और रेडियल रोड, मेट्रो रेल विस्तार, फ्यूचर सिटी विकास, साथ ही सॉफ्टवेयर, एआई जैसी उन्नत तकनीकें, फार्मास्यूटिकल्स, बल्क ड्रग्स, पर्यटन, कपड़ा, कृषि और हरित ऊर्जा जैसे उद्योग शामिल हैं।

ओसाका व्यापार जगत की दिग्गज हस्तियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, कोन्नीचिवा। नमस्कारम। मैं आज ओसाका आकर बहुत खुश हूं, जहां परंपरा भविष्य से मिलती है, विश्व एक्सपो में भाग लेने के लिए हम यहां आने वाले पहले भारतीय राज्य हैं, जो मेरे महान देश भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हम अपनी ऐतिहासिक दोस्ती को दीर्घकालिक साझेदारी में मजबूत करने के लिए यहां हैं। आइए ऐसी साझेदारी बनाएं जो लोगों को सशक्त बनाए, भविष्य को डिजाइन करने के लिए साझेदारी, नवाचार को प्रेरित करने और आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी। हम एक संपन्न और बढ़ते व्यापार-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र में नीति स्थिरता, व्यापार करने में उच्च आसानी और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे की पेशकश करते हैं।

कई जापानी फर्म मेरे राज्य तेलंगाना में शानदार सफलता हासिल कर रही हैं। तेलंगाना राज्य की खूबियों के बारे में बोलते हुए उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा, हमारे निवेश समर्थन में सिंगल-विंडो अनुमोदन, कस्टमाइज्ड प्रोत्साहन शामिल हैं। सिर्फ़ नीतियों से ज़्यादा, हम भागीदारी की पेशकश कर रहे हैं, एक ऐसी सरकार जो दोस्ताना है और आपके साथ अतिरिक्त मील चलती है। आईटी और उद्योग मंत्री ने यह भी कहा, हैदराबाद, हमारी राजधानी, आईटी और जीवन विज्ञान के लिए एक अग्रणी वैश्विक केंद्र है। हमारे पास एयरोस्पेस और रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और वस्त्रों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र है। मुख्यमंत्री के विज़न के साथ यह अब एक बड़ी छलांग के लिए तैयार है। हम फ्यूचर सिटी का निर्माण कर रहे हैं- भारत का पहला नेट ज़ीरो औद्योगिक शहर। 30,000 एकड़ में बनने वाला फ्यूचर सिटी स्वच्छ हरित ऊर्जा, स्मार्ट मोबिलिटी और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के लिए बनाया गया है। हम वहां एक मार्की औद्योगिक पार्क बनाने के लिए जापान की मारुबेनी कॉर्प के साथ सहयोग कर रहे हैं। हैदराबाद आइए। उन्होंने 370 किलोमीटर लंबे क्षेत्रीय रिंग रोड और आरआरआर और ओओआर को जोड़ने वाली रेडियल सड़कों से लेकर भारत में सबसे बड़े समर्पित विनिर्माण क्षेत्रों के आधार के रूप में क्षेत्र के भीतर विभिन्न परियोजनाओं के बारे में भी बताया। ओआरआर और आरआर के बीच का क्षेत्र ईवी, ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्धचालक और एयरोस्पेस उद्योगों के लिए आदर्श है। निर्यात का समर्थन करने के लिए, हम समर्पित सड़क और रेल लिंक के साथ निकटतम समुद्री बंदरगाह से जुड़ा एक सूखा बंदरगाह स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे तेलंगाना को मूसी नदी को पुनर्जीवित करने और 55 किलोमीटर के शहरी ग्रीनवे में बदलने के लिए जापानी शहरों टोक्यो और ओसाका से सीखने की सीख है। उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने एक विस्तृत प्रस्तुति देते हुए कहा यह एक बहुत बड़ा बल गुणक हो सकता है और कई व्यावसायिक अवसर पैदा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने बातचीत को समाप्त करते हुए कहा, तेलंगाना और जापान के बीच गहरा संबंध है। ओसाका खाड़ी पर उगते सूरज की तरह, तेलंगाना में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। साथ मिलकर, हम कुछ ऐसा बनाएं जो कालातीत हो। ओसाका के लिए। तेलंगाना के लिए। दुनिया के लिए। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न जापानी व्यापारिक घरानों और समूहों के साथ एक-एक करके विस्तृत बैठकें कीं। इससे पहले, तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने ओसाका में वर्ल्ड एक्सपो में भाग लेने वाला पहला राज्य बनकर भारत पैवेलियन के लिए शुरूआत की, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने किया, जो जापान की यात्रा करने वाले पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री हैं, और उन्होंने तेलंगाना ज़ोन का अनावरण किया।

सीएम ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक जताया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रोमन कैथोलिक चर्च के सम्मानित प्रमुख और वेटिकन सिटी के संप्रभु परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सामाजिक न्याय के लिए और वैश्विक असमानताओं से लड़ने में उनके अथक प्रयासों की सराहना करते हुए पोप को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने वैश्विक शांतिदूत के रूप में पोप फ्रांसिस की उल्लेखनीय भूमिका और शरणार्थियों और प्रवासियों के लिए उनके अटूट समर्थन पर प्रकाश डाला। सोमवार को एक बयान में रेवंत रेड्डी ने कहा कि पोप के समावेशी और दयालु दृष्टिकोण ने दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्हें एक महान आध्यात्मिक व्यक्ति बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पोप फ्रांसिस ने अपना पूरा जीवन चर्च और मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। रेवंत रेड्डी ने पोप की अंतरधार्मिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता, जलवायु परिवर्तन जागरूकता के लिए उनकी वकालत और वैश्विक एकजुटता में एकजुट दुनिया के उनके दृष्टिकोण की प्रशंसा की। उनके निधन को मानवता के लिए एक अपूरणीय क्षति बताते हुए, मुख्यमंत्री ने पोप के परिवार और वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

मंत्रियों को ले जा रहे हेलिकॉप्टर ने रैतु महोत्सव में स्टालों को पहुंचाया नुकसान

मैदान पर तैनात कुछ पुलिसकर्मियों को आईं मामूली चोटें

निजामाबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजकीय डिग्री कॉलेज परिसर में उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई जब रैतु महोत्सव कार्यक्रम के तहत लगाए गए कुछ स्टॉल और स्वागत द्वार उस समय क्षतिग्रस्त हो गए जब मंत्रियों को लेकर आ रहा एक हेलीकॉप्टर कार्यक्रम स्थल पर उतरा। तीन दिवसीय रैतु महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार को होना था।

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी हैदराबाद से हेलीकॉप्टर द्वारा कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। तदनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने आयोजन स्थल के पास एक हेलीपैड की व्यवस्था की। हालांकि, हेलीकॉप्टर कॉलेज के मैदान में उतरा, जिससे धूल उड़ी और इसके प्रभाव से आयोजन स्थल पर लगे लगभग 150 स्टॉलों में से कुछ स्टॉल क्षतिग्रस्त हो गए, साथ ही मैदान में बनाए गए स्वागत द्वार भी क्षतिग्रस्त हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, परेशानी को भांपते हुए लोग और अधिकारी सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

मैदान पर तैनात कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं।

हालांकि, अधिकारियों ने दावा किया कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और मंत्री भी सुरक्षित हैं। आपको बता दें कि पिछले हफ़्ते राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी की जान बाल-बाल बच गई थी, जब वे भू-भारती पोर्टल कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हेलीकॉप्टर से नागरकर्नूल पहुंचे थे।

आंध्र प्रदेश के किसानों ने तेलंगाना के किसानों को खेती करना सिखाया : टीपीसीसी अध्यक्ष

निजामाबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने सोमवार को उस समय विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने निजामाबाद रैतु महोत्सव के दौरान कहा कि प्रकाशम, कृष्णा और गुंटूर जिलों से आंध्र के किसान इस क्षेत्र में बस गए हैं और स्थानीय किसानों को खेती सिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निजाम सागर परियोजना के माध्यम से पानी की उपलब्धता के कारण आंध्र के कई किसान बांसवाड़ा, बोधन, दिचपल्ली और अन्य क्षेत्रों में बस गए।

एसआरटीसी ने बस में जन्मे बच्चे को दिया आजीवन निःशुल्क बस पास

प्रसव कराने वाली आशा कार्यकर्ता को मुफ्त यात्रा की सुविधा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी प्रबंधन) ने हैदराबाद-2 डिपो कंडक्टर राज कुमार, निजी बस चालक वेणुगोपाल और आशा कार्यकर्ता मल्ली कांतम्मा को प्रसव पीड़ा से पीड़ित एक गर्भवती महिला को टीजीएसआरटीसी बस में प्रसव कराने में मदद करने के उनके मानवीय कार्य के लिए बधाई दी है। कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को हैदराबाद बस भवन में उनका अभिनंदन किया। यह घोषणा की गई है कि आरटीसी बस में जन्म लेने वाले बच्चे को आजीवन राज्य भर में मुफ्त यात्रा के लिए बस पास प्रदान किया जाएगा। यह घोषणा की गई कि प्रसव कराने वाली आशा कार्यकर्ता मल्लि कांतम्मा को बस पास जारी किया जा रहा है, जिसके तहत उन्हें एक वर्ष के लिए डीलक्स और सुपर लग्जरी सेवाओं में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। गौरतलब है कि हैदराबाद-कोल्हापुर एक्सप्रेस बस में सवार सुवर्णा नामक गर्भवती महिला ने नागरकर्नूल में अपनी मेडिकल जांच पूरी की और इस महीने की 15 तारीख को अपने गृहनगर लौट आई। यात्रा के बीच में, जब बस पेद्दा कोथपल्ली मंडल के अदिराला गांव के पास पहुंची, तो अचानक उसके पेट के निचले हिस्से में दर्द महसूस हुआ। उस समय गर्भवती महिला के साथ आशा कार्यकर्ता मल्ली कांतम्मा भी थीं। आशा कार्यकर्ता ने यह देखा और कंडक्टर तथा निजी बस चालक राज कुमार को इसकी सूचना दी। वे तुरंत सतर्क हो गए और बस को किनारे लगा दिया। सभी यात्रियों को नीचे उतार लिया गया। आशा कार्यकर्ता मल्ली कांतम्मा ने प्रसव कराया। सुवर्णा ने एक बच्ची को जन्म दिया। उन्होंने 108 एम्बुलेंस की मदद से मां और बच्चे को स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचाया। टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने कंडक्टर राज कुमार, निजी बस चालक वेणुगोपाल और आशा कार्यकर्ता मल्ली कांतम्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि आरटीसी कर्मचारी जरूरत के समय अपनी सेवा दे रहे हैं। कार्यक्रम में कंपनी के कार्यकारी निदेशक मुनीशेखर, मुख्य कार्मिक प्रबंधक उषा देवी, हैदराबाद-2 और वनपर्ती डिपो प्रबंधक कृष्णमूर्ति, वेणुगोपाल आदि उपस्थित रहे।

निजी कंपनी के साथ समझौते पर संदेह

लगातार समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर उठे सवाल

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न वर्गों के लोग एक निजी कंपनी द्वारा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के साथ लगातार समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर सवाल उठा रहे हैं। इस साल जनवरी में विश्व आर्थिक मंच पर तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद में 100 मेगावाट एआई-संचालित डेटा सेंटर हब स्थापित करने के लिए अमेरिका स्थित डेटा सेंटर कंपनी उर्सा क्लस्टर्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुल निवेश 5,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। कंपनी ने 12 फरवरी को अपना कार्यालय स्थापित किया।

इस बीच, रिपोर्टों के अनुसार, आंध्र प्रदेश के राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड ने भी अब विशाखापट्टनम के आईटी पार्क में उर्सा क्लस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड को 3.5 एकड़ भूमि आवंटित करने को मंजूरी दे दी है। 10 अप्रैल को मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई बैठक में बोर्ड ने विशाखापट्टनम के कपुलप्पाडा में उसी कंपनी को 56.36 एकड़ जमीन आवंटित करने को भी मंजूरी दे दी।

सरकार ने कहा कि कंपनी 5,728 करोड़ रुपये के साथ एआई डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए आगे आई है। हालांकि, इन समझौतों ने विभिन्न वर्गों के लोगों के बीच संदेह पैदा कर दिया है।

बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृषंक ने एक्स पर कहा कि उर्सा क्लस्टर का गठन 2024 में किया गया था। जनवरी 2025 में, तेलंगाना 5000 करोड़ रुपये के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करता है।

अप्रैल 2025 में, आंध्र प्रदेश 60 एकड़ भूमि आवंटित करता है... आशा है कि यह एक और आईएमजी भारत धोखाधड़ी कंपनी नहीं है, जिसमें दोनों राज्य सरकारें संयुक्त रूप से शामिल हैं।

हैदराबाद में बदमाशों की हत्याओं में तेजी से वृद्धि

आपराधिक समूहों के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कभी देश के सबसे सुरक्षित शहरों में शुमार हैदराबाद में पिछले एक साल में हत्याओं, खास तौर पर बदमाशों की हत्याओं में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। यह प्रवृत्ति संगठित अपराधों पर लगाम लगाने में कानून प्रवर्तन और पुलिस उपायों की प्रभावशीलता के बारे में चिंता पैदा कर रही है। इस तरह की हिंसक घटनाओं में वृद्धि आपराधिक समूहों के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता की ओर इशारा करती है, जो अक्सर 'क्षेत्र', वित्तीय लेन-देन, जुनूनी हत्याओं और व्यक्तिगत प्रतिशोध के विवादों से प्रेरित होती है। अधिकांश पीड़ितों का आपराधिक रिकॉर्ड पाया गया है, जो दर्शाता है कि वे प्रतिशोध और गिरोहों के भीतर सत्ता संघर्ष में मारे गए थे।

हैदराबाद पुलिस ने इन हत्याओं के सिलसिले में कई गिरफ्तारियां की हैं, लेकिन हत्याओं के पैटर्न ने निवारक उपायों की प्रभावशीलता और अधिक सक्रिय पुलिसिंग रणनीतियों की आवश्यकता पर सवाल उठाए हैं। ये हत्याएं जो ज्यादातर सार्वजनिक रूप से हुईं, ने पड़ोस में रहने वाले निवासियों में भी डर पैदा कर दिया है।

स्थापित प्रथा के अनुसार, जिनके खिलाफ उपद्रवी मामले दर्ज होते हैं, उनसे पुलिस निरीक्षक से लेकर जोन के उपायुक्त तक विभिन्न स्तरों पर पूछताछ की जाती है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम नियमित रूप से उन्हें सलाह देते हैं और उन्हें अवैध गतिविधियों से दूर रहने के लिए कहते हैं। उन्हें सख्त चेतावनी और परामर्श दोनों दिए जाएंगे। हम उन्हें पहले अवैध गतिविधियों को बंद करने या परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने के लिए कहते हैं। उनमें से कुछ को कानून के अनुसार बाध्य भी किया जाता है।

शहर की पुलिस ने आईटी एप्लीकेशन का इस्तेमाल करके उपद्रवी शीटरों के घरों को जियो-टैग किया है ताकि उन पर कड़ी नज़र रखी जा सके। हालांकि, ऐसा लगता है कि त्योहारों और चुनावों के अलावा उनकी गतिविधियों पर नज़र नहीं रखी जाती। यद्यपि पुलिस द्वारा कुख्यात अपराधियों को निवारक निरोध अधिनियम के तहत हिरासत में लिया जा रहा है, फिर भी कुछ अपराधी जेल से रिहा होने के बाद भी अपराध करना जारी रखते हैं।

पुलिस का कहना है कि पुलिस अधिनियम गंभीर अपराधियों पर अंकुश लगाने में कारगर साबित हो रहा है, लेकिन चेन स्नैचर और जेबकतरे जो आदतन अपराधी हैं, वे फिर से अपराध करने लग जाते हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने देखा है कि कुख्यात हिस्ट्रीशीटर, गुंडे, भू-माफिया और हत्यारे जो अधिकांश गंभीर अपराधों में शामिल होते हैं, एक बार पी.डी. अधिनियम के तहत हिरासत में लिए जाने के बाद दोबारा ऐसा नहीं करते हैं।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत, छह घायल

दुर्घटना से परिवार में मचा कोहराम

मेदक, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात कौडीपल्ली में एक तेज रफ्तार कार ने विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य कार को टक्कर मार दी जिससे एक वर्षीय बालक सहित एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत हो गई। एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

पुलिस के अनुसार, मोहम्मद अली (45), अजिमा बेगम और मोहम्मद गौस (1) अपने परिवार के छह अन्य सदस्यों के साथ हैदराबाद से मेदक की ओर जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। अली, अजिमा और गौस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सना बेगम (30), ईरान सहेशा (25), हलीमा (55), एमडी मोहम्मद (5) और छह महीने से कम उम्र के दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना में शामिल दूसरी कार के चालक हरीश रेड्डी को भी चोटें आई हैं। शवों को मेदक के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। घायलों को भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला दर्ज किया गया।

मानवाधिकार आयोग के निष्कर्षों में पुलिस की मनमानी

यातना और राजनीतिक प्रतिशोध सबसे ऊपर

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की जांच प्रभाग टीम ने पुलिस की ज्यादती, ग्रामीणों पर अत्याचार और विपक्षी दलों बीआरएस और भाजपा को निशाना बनाकर राजनीतिक प्रतिशोध की भावना को उजागर किया है। एनएचआरसी ने 11 नवंबर 2024 को कांग्रेस सरकार द्वारा प्रस्तावित फार्मा विलेज के लिए जबरन भूमि अधिग्रहण करने के प्रयास के बाद लागाचेरला में हुई हिंसा की मौके पर जाकर जांच की।

टीम द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, रात में गिरफ्तार किए गए ग्रामीणों को परिगी पुलिस स्टेशन में पीटा गया और उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पिटाई के बारे में न बोलने की धमकी भी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीणों को पुलिस स्टेशन में रखा गया था, लेकिन जीडी प्रविष्टि में इसका उल्लेख नहीं किया गया था, साथ ही यह भी ध्यान दिया गया कि कई लोग जो न तो मौके पर थे और न ही किसी विरोध प्रदर्शन में गए थे और उनकी जमीन भी परियोजना के कारण प्रभावित नहीं हुई थी, उन्हें भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कानूनी प्रावधानों और दिशा-निर्देशों का पालन न करने के संबंध में पुलिस की ओर से चूक देखी गई है क्योंकि पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्तियों ने कहा है कि उन्हें शारीरिक यातना दी गई और न्यायिक अधिकारी के सामने इस बारे में न बताने की धमकी दी गई।

सरकारी एजेंसियों द्वारा कानून के अनुसार अधिग्रहण का आदेश जारी किया गया था, पुलिस अधिकारियों द्वारा अपनाई गई कार्रवाई का तरीका कानून के अनुसार नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि लॉकअप और सीआई कार्यालय के सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे, साथ ही जीडी प्रविष्टियाँ अपडेट नहीं की गई थीं, जो पुलिस कर्मियों के लापरवाह रवैये को दर्शाता है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एनएचआरसी ने स्पष्ट रूप से राजनीतिक प्रतिशोध के पहलू का उल्लेख किया है, जिस पर बीआरएस ने बार-बार ध्यान दिलाया था।

रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यह ध्यान देने योग्य है कि जांच के दौरान राजनीतिक प्रतिशोध का पहलू भी सामने आया। गैर-सत्तारूढ़ राजनीतिक दल के समर्थक ग्रामीणों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। कुछ ऐसे लोग जिनका घटना से कोई लेना-देना नहीं था, उन्हें भी इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि वे दूसरे राजनीतिक दल के समर्थक थे। नाबालिगों, छात्रों, सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए, उनमें से कुछ तो 11 नवंबर, 2024 को घटना के दौरान गांव में मौजूद भी नहीं थे।

जांच प्रभाग की टीम के निष्कर्षों के मद्देनजर, तेलंगाना के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को तीन पहलुओं पर छह सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। पहला यह था कि उन निर्दोष ग्रामीणों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए जिन्होंने सरकारी अधिकारियों पर हमला नहीं किया है। दूसरा यह था कि लोगों की आजीविका के साधनों से सीधे जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण विषयों से निपटने वाले पुलिस या नागरिक अधिकारियों को समझदारी से काम लेने का निर्देश दिया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जनता के मानवाधिकारों का उल्लंघन न हो। आयोग ने कहा कि प्रशासन का यह कर्तव्य है कि वह अपने अधिकार क्षेत्र के लोगों के बीच भयमुक्त और निष्पक्ष माहौल बनाए। इसलिए सत्ता का दुरूपयोग, अत्यधिक बल का प्रयोग और नागरिकों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। आयोग ने इस संबंध में कार्रवाई शुरू करने को भी कहा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

छिटपुट आंधी-तूफान के बावजूद तेलंगाना भीषण गर्मी की चपेट में

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। छिटपुट आंधी-तूफान के बावजूद, हैदराबाद सहित तेलंगाना राज्य के कई क्षेत्रों में लोग तीव्र लू जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं और तापमान लगातार 41 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के तापमान आंकड़ों के आधार पर, कम से कम 15 जिलों में 50 से अधिक स्थानों पर भीषण गर्मी पड़ी है, जहां रविवार (सुबह 8.30 बजे) और सोमवार (सुबह 8.30 बजे) के बीच औसत अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और 43.7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

जिन जिलों में इतनी भीषण गर्मी (43 डिग्री सेल्सियस से 43.7 डिग्री सेल्सियस) पड़ रही है उनमें आदिलाबाद, नलगोंडा, सिद्दीपेट, कामारेड्डी, करीमनगर, सूर्यापेट, राजन्ना सिरसिल्ला, जोगुलंबा गदवाल, जनगांव, महबूबनगर, संगारेड्डी, कुमारम भीम आसिफाबाद, हनुमाकोंडा, मेदक, जगतियाल, विकाराबाद, रंगारेड्डी, खम्मम और निज़ामाबाद शामिल है।

हैदराबाद में भी, कपरा, सरूरनगर, अंबरपेट, शेखपेट, सेरिलिंगमपल्ली, खैरताबाद और हयातनगर के कई क्षेत्रों में औसत अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से 41.6 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है। टीएसडीपीएस के आंकड़ों के अनुसार एलबी नगर में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद कपरा क्षेत्र में 41.6 डिग्री सेल्सियस, उप्पल में 40.5 डिग्री सेल्सियस और हयातनगर में 41.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सरूरनगर क्षेत्र में 40.8 डिग्री, मलकपेट में 41 और संतोषनगर में 40.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

आईएमडी-हैदराबाद के पूर्वानुमान में कहा गया है कि तेलंगाना राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है और अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.